कल्पमेधा

लोगों को सच्चा लोकतंत्र और स्वराज कभी भी हिंसा और असत्य का रास्ता अपनाने से प्राप्त नहीं हो सकता।
– लाल बहादुर शास्त्री

त्रासद हादसा

जम्मू–कश्मीर के डोडा जिले में हुए हादसे में जिस तरह दस जवानों की जान चली गई, वह दुर्गम इलाके में तैनात सुरक्षा बलों के सामने मौजूद बहुस्तरीय जोखिम का ही उदाहरण है। गौरतलब है कि गुरुवार को डोडा में सेना के एक बुलेटप्रूफ वाहन में सवार फौजी लगभग नौ हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित एक चौकी की ओर जा रहे थे। इस बीच खन्नी टाप के पास वाहन सड़क से फिसल कर दो सौ फुट गहरी खाई में जा गिरा। इतनी ऊंचाई से गिरने के बाद वाहन और उसमें सवार लोगों की हालत का अंदाजा लगाया जा सकता है। दस जवानों की मौत के अलावा ग्यारह अन्य जवान बुरी तरह घायल भी हुए। जाहिर है, आतंकवाद का सामना करने के क्रम में जानलेवा खतरों और हमलों का सामना करने के अलावा इस घटना से वहां ड्यूटी के लिए तैनात सुरक्षा बलों के सामने एक अतिरिक्त चुनौती का पता चलता है।

यह इलाका अपनी बेहद मुश्किल भौगोलिक परिस्थितियों के लिए जाना जाता रहा है और वहां सुरक्षा बलों के जवानों के सामने हमेशा ही जोखिम की स्थिति बनी रहती है। ऊंचे पहाड़ों और घने जंगलों के बीच आतंकवादियों का सामना करना पहले ही एक बड़ी चुनौती रही है। उसमें जब सुरक्षा कारणों से ही सड़कों पर सफर के क्रम में हुए हादसे में जवानों की मौत हो जाती है, तो यह वाहन चलाने में हुई मामूली चूक के खतरनाक नतीजों के साथ–साथ दुर्गम इलाकों में मौजूद रास्तों के बेहद असुरक्षित होने का भी सबूत है। सवाल है कि देश की सुरक्षा के लिहाज से अतिसंवेदनशील इलाकों में सड़कों को इस हालत में कैसे छोड़ा गया है कि किसी वाहन के खाई में गिरने के बाद उसमें सवार लोगों के जिंदा बचने की गुंजाइश बेहद कम होती है। अफसोस की बात यह है कि उस समूचे क्षेत्र में सुरक्षा बलों के सामने मौजूद अलग–अलग जोखिम के समांतर बचाव के मोर्चे पर शायद पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया है। वरना हादसे और जोखिम के लिहाज से ज्यादा संवेदनशील जगहों पर सड़कों के किनारे मजबूत सुरक्षा घेरा या पैराफिट लगाने भर से पहाड़ी इलाकों में होने वाले हादसों में जानमाल के नुकसान को कम किया जा सकता है।

जम्मू–कश्मीर के पहाड़ी और ज्यादा ऊंचाई वाले इलाकों में वाहनों के दुर्घटना का शिकार होने और जवानों की मौत या उनके घायल होने की घटनाएं अक्सर सामने आती रही हैं। वाहन पर से चालक का नियंत्रण खोना एक कारण हो सकता है, लेकिन उस क्षेत्र में संकरी और घुमावदार सड़कों के तीखे मोड़ पर फिसलन का खतरा बना रहता है। ताजा घटना में जिस खन्नी टाप पर सेना का वाहन हादसे का शिकार हुआ, उस तरह की जगहों पर ऊंचाई और कंकड़–मिट्टी की वजह से फिसलन ज्यादा घातक हो जाती है। खासतौर पर दिसंबर–जनवरी के बीच ज्यादा ठंड और बर्फबारी की वजह से सड़क पर फिसलन आम रहती है। ऐसे में उन सड़कों से अगर भारी सैन्य वाहन गुजरते हैं, तो ऊंचाई वाली जगहों पर कई बार वाहन पर नियंत्रण मुश्किल काम होता है और उसमें चूक की आशंका बनी रहती है। हादसों पर लगाम के लिए इलाके में तैनात जवानों को खराब मौसम और परिस्थिति के मुताबिक बेहतर प्रशिक्षण तथा वाहनों के रखरखाव के पहलू पर ज्यादा ध्यान दिया जाना चाहिए। सबसे ज्यादा जरूरी यह है कि सड़कों के बुनियादी ढांचे पर ठोस काम हो और उसे पूरी तरह सुरक्षित बनाने के इंतजाम किए जाएं, ताकि देश की सुरक्षा और आतंकवाद का सामना करने के लिए तैनात सुरक्षा बलों के जवानों के सामने हादसों में जान गंवाने की नौबत न आए।

क्रूरता की कड़ियां

आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट में रखी जा रही दलीलों से अभी कोई नतीजा भले नहीं निकला हो, लेकिन अदालत ने इस समस्या का ठोस हल निकालने का साफ संदेश दिया है। इसके बरक्स कुछ लोगों को पशुओं के प्रति संवेदनहीनता दर्शाने और कानूनों को ताक पर रखने में हिचक नहीं हो रही है, तो यह मानवीय संवेदना और समझ पर एक सवालिया निशान है। अगर आवारा कुत्तों की वजह से कोई समस्या पैदा हो रही है, तो उससे बचाव के लिए उचित उपाय निकालने के लिए सरकार से मांग करने और अपने स्तर पर भी सावधानी बरतने की जरूरत है। इसके बजाय अगर कुछ लोगों को कुत्तों को मार डालने जैसे क्रूर रास्ते अपनाना सही लग रहा है, तो यह एक बेहद अफसोसनाक स्थिति है। गौरतलब है कि तेलंगाना के याचाराम गांव में बुधवार को कुछ लोगों ने कम से कम सौ कुत्तों को कथित तौर पर जहर देकर मार डाला। पुलिस के मुताबिक, ताजा घटना इस महीने तेलंगाना के कई जिलों में अब तक लगभग पांच सौ आवारा कुत्तों को मार डालने के बाद सामने आई है।

यह समझना मुश्किल है कि आवारा कुत्तों के टीकाकरण, बंध्याकरण और उन्हें अनुकूल पर्यावास मुहैया कराने के लिए सरकार से जरूरी कदम उठाने की मांग करने के बजाय लोगों को मानवीय संवेदना के न्यूनतम तकाजों को भी ताक पर रखना क्यों जरूरी लग रहा है। ऐसे लोगों को संभवतः पशु क्रूरता निवारण से जुड़े कानून की भी कोई फिक्र नहीं है, जो जानवरों को अनावश्यक दर्द पहुंचाने और पीड़ा देने से रोकता है और इसका उल्लंघन करने वालों के लिए दंड का प्रावधान करता है। विडंबना यह है कि आवारा कुत्तों के काटने या इससे जुड़ी अन्य समस्याओं पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद सरकारें रिहाइशी इलाकों से उन्हें हटाने या इस समस्या का हल निकालने को लेकर ज्यादा संवेदनशील नहीं दिखतीं। आवारा कुत्तों की संख्या बढ़ने और उनके आक्रामक होते जाने पर पहले ही उपाय कर लिए जाते, तो यह समस्या आज इतनी गंभीर नहीं होती, जितनी दिख रही है। कुत्तों के काटने से उपजे जोखिम से इनकार नहीं किया जा सकता है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं हो सकता कि मनुष्य अपनी बुनियादी संवेदनाओं को भी छोड़ दे।

दायित्व का बोझ और शिक्षक की गरिमा

किसी भी राष्ट्र में शिक्षक की गरिमा का क्षरण उस समाज की आत्मबोधहीनता का संकेत होता है। शिक्षक की उपेक्षा किसी एक वर्ग का अपमान नहीं, बल्कि वह उस विचार की उपेक्षा होती है कि ज्ञान, विवेक और प्रश्न पूछने की क्षमता किसी समाज के लिए कितनी आवश्यक है।

मोंटी सिंह

एक समय था जब शिक्षक समाज का पथप्रदर्शक माना जाता था। आज वही शिक्षक व्यवस्था की हर कमी को पूरा करने वाला सबसे सुविधाजनक संसाधन बनता जा रहा है। सुरक्षा, निगरानी और प्रशासनिक आवश्यकताओं के नाम पर उसे ऐसे कार्य भी करने पड़ रहे हैं, जिनका असल में शिक्षा से कोई सीधा संबंध नहीं है। शिक्षा व्यवस्था में जिस बदलाव की अपेक्षा थी, कई बार उसके विपरीत भी हो रहा है। निश्चित रूप से इसके दूरगामी परिणाम होंगे। कुछ समय पहले शीर्ष न्यायालय के आदेश के अनुपालन के संदर्भ में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से उच्च शिक्षण संस्थानों को आवारा कुत्तों से सुरक्षा संबंधी दिशा–निर्देश जारी करने की खबर आई। इस क्रम में सभी विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और विद्यालय परिसरों में आवारा कुत्तों की निगरानी तथा उनसे बचाव के लिए शिक्षकों को जिम्मेदारी सौंपने की भी खबर थी। औपचारिक रूप से यह व्यवस्था सुरक्षा के उद्देश्य से है, लेकिन व्यावहारिक स्तर पर यह आदेश एक गहरे और असहज प्रश्न को जन्म देता है। क्या शिक्षकों को इस तरह के या अन्य गैर–शिक्षण कार्यों में लगाना शैक्षणिक दायित्वों के अनुरूप है?

शिक्षण कार्य को बेहद जिम्मेदारी का और गरिमापूर्ण कार्य माना जाता है। मगर क्या गैर–शिक्षण कार्य से संबंधित दिशा–निर्देश शिक्षकों की गरिमा के साथ न्याय करते हैं? यह प्रश्न इसलिए और गंभीर हो जाता है, क्योंकि यह कोई पहला अवसर नहीं है। इससे पहले भी शिक्षकों को चुनावी ड्यूटी, जनगणना, पशुगणना, मतदाता सूची का पुनरीक्षण, सत्यापन, सर्वेक्षण, आपदा प्रबंधन, स्वच्छता अभियान, कोविड निगरानी, सामाजिक अभियानों और अन्य अनेक गैर–शैक्षणिक कार्यों में लगातार लगाया जाता रहा है। इन परिस्थितियों में यह बहस स्वाभाविक है कि क्या शिक्षक को अब हर प्रशासनिक दायित्व को पूरा करने वाला सुलभ मानव संसाधन मान लिया गया है? सुरक्षा और संवेदनशीलता जैसे मुद्दों की आड़ में अगर शिक्षक को उसके मूल कार्य, यानी पढ़ाने, शोध करने, अकादमिक मार्गदर्शन इत्यादि से निरंतर दूर किया जाएगा, तो इसका दीर्घकालिक प्रभाव केवल शिक्षकों पर नहीं, बल्कि पूरी शिक्षा व्यवस्था और समाज के बौद्धिक भविष्य पर पड़ेगा। यह सवाल अब केवल आदेश की वैधानिकता का नहीं, बल्कि दृष्टिकोण और प्राथमिकता का भी है।

किसी भी राष्ट्र में शिक्षक की गरिमा का क्षरण उस समाज की आत्मबोधहीनता का संकेत होता है। शिक्षक की उपेक्षा किसी एक वर्ग का अपमान नहीं, बल्कि वह उस विचार की उपेक्षा होती है कि ज्ञान, विवेक और प्रश्न पूछने की क्षमता किसी समाज के लिए कितनी आवश्यक है। अगर हम शिक्षक से निरंतर ऐसे कार्य करा रहे हैं जो उसकी पेशागत पहचान को धुंधला करते हैं, तो यह आत्मचिंतन आवश्यक है कि क्या हम अनजाने में शिक्षा को नहीं, बल्कि शिक्षक को ही अप्रासंगिक बना रहे हैं! आज जिस सहजता के साथ शिक्षकों को आवारा पशुओं की गिनती, निगरानी और नियंत्रण जैसे कार्यों में लगाने की खबरों को लिया जा रहा है, वह किसी साधारण प्रशासनिक निर्णय का परिणाम नहीं है। यह उस मानसिकता का उद्घाटन है, जिसमें शिक्षक की भूमिका को क्रमशः गौण और सुविधाजनक उपयोगितावादी बना दिया गया है। जिन कार्यों के लिए नगर निगम, नगरपालिका परिषद और ग्राम पंचायतों में पृथक कर्मचारी, विभाग और बजट निर्धारित हैं, उन्हीं कार्यों के लिए शिक्षकों को खड़ा कर देना यह संकेत देता है कि व्यवस्था की दृष्टि में शिक्षक का समय, श्रम और बौद्धिक क्षमता उनके लिए कोई मायने नहीं रखती, बल्कि शिक्षक अब सबसे सस्ता विकल्प बन चुके हैं।

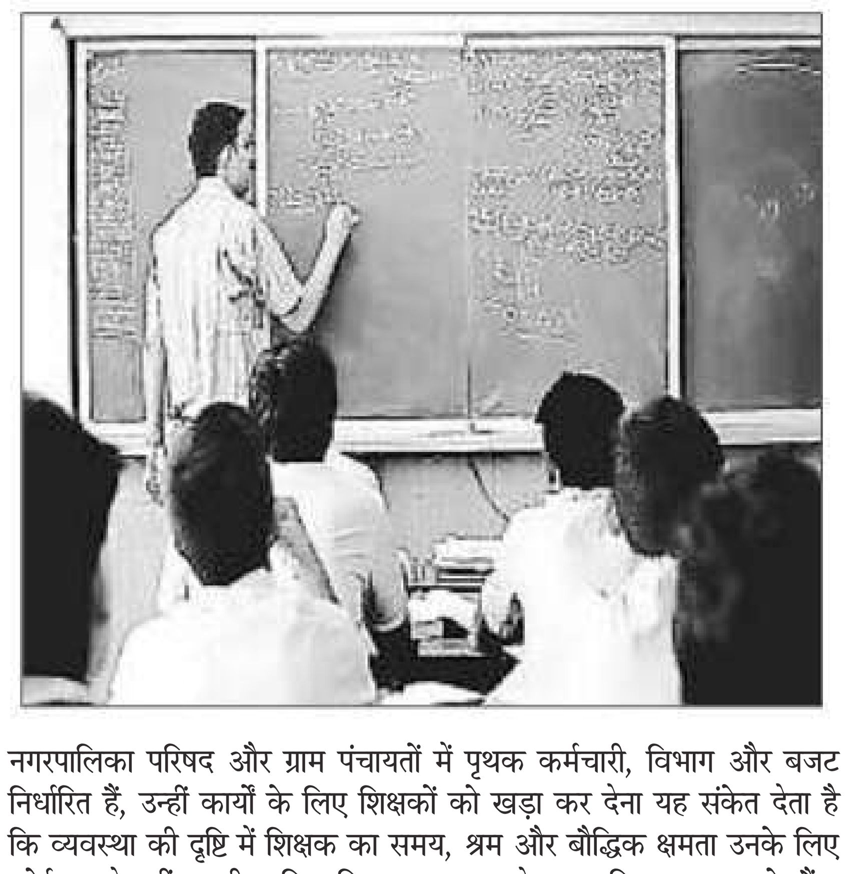

> **जिस शिक्षक से समाज विवेकशील नागरिक तैयार करने की अपेक्षा करता है, उसी को आज यह अप्रत्यक्ष संदेश दिया जा रहा है कि उसका मूल दायित्व पढ़ाना, शोध करना, विचार और प्रश्न गढ़ना अब प्राथमिकता की सूची में नहीं है। कक्षा में विद्यार्थी हैं या नहीं, शिक्षण की गुणवत्ता लगातार क्यों कम होती जा रही है, शोध हो रहा है या नहीं, इससे अधिक महत्त्वपूर्ण यह माना जा रहा है कि जहां प्रशासनिक तंत्र अपने किसी कार्य को करने में असफल हो जाए, वहां उसकी भरपाई के लिए शिक्षक को लगा दिया जाए। यह स्थिति केवल पेशागत गरिमा का हनन नहीं, बल्कि शिक्षा को एक कम महत्त्व की गतिविधि मान लेने की खतरनाक प्रवृत्ति को उजागर करती है।**

जिस शिक्षक से समाज विवेकशील नागरिक तैयार करने की अपेक्षा करता है, उसी को आज यह अप्रत्यक्ष संदेश दिया जा रहा है कि उसका मूल दायित्व पढ़ाना, शोध करना, विचार और प्रश्न गढ़ना अब प्राथमिकता की सूची में नहीं है। कक्षा में विद्यार्थी हैं या नहीं, शिक्षण की गुणवत्ता लगातार क्यों कम होती जा रही है? शोध हो रहा है या नहीं, इससे अधिक महत्त्वपूर्ण यह माना जा रहा है कि जहां प्रशासनिक तंत्र अपने किसी कार्य को करने में असफल हो जाए, वहां उसकी भरपाई के लिए शिक्षक को आसानी से लगा दिया जाए। यह स्थिति केवल पेशागत गरिमा का हनन नहीं, बल्कि शिक्षा को एक कमतर महत्त्व की गतिविधि मान लेने की प्रवृत्ति को उजागर करती है। विडंबना यह है कि जिस समाज में शिक्षक को कभी गुरु, आचार्य और राष्ट्र निर्माता कहा गया, उसी समाज में उसे ऐसा बहुउद्देशीय सरकारी श्रमिक समझ लिया गया है, जिससे बिना किसी अतिरिक्त प्रशिक्षण और उचित पारितोषिक के कोई भी काम करवाया जा सकता है। चुनावी ड्यूटी हो, सर्वेक्षण, निरीक्षण, पर्यवेक्षण या सत्यापन हो, हर जगह शिक्षकों को आगे कर दिया जाता है।

यह धारणा धीरे–धीरे स्थापित की जा रही है कि शिक्षक ज्ञान का स्रोत नहीं, बल्कि व्यवस्था की विफलताओं को ढोने वाला एक आज्ञाकारी माध्यम है। इस दृष्टिकोण में शिक्षक की पहचान बौद्धिक पूंजी के रूप में नहीं, बल्कि संकट–प्रबंधन के सुलभ संसाधन के रूप में होती जा रही है। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि इस निरंतर अपमान के बीच शिक्षक समुदाय की चुप्पी स्वयं एक सवाल बन चुकी है। यह चुप्पी केवल विवशता की नहीं, बल्कि उपेक्षा के साथ समझौता कर लेने की आदत का संकेत भी है। जब शिक्षक अपने सम्मान के सवाल पर मौन साध लेता है, तब समाज और व्यवस्था दोनों यह मान लेते हैं कि यह स्थिति न केवल स्वीकार्य है, बल्कि स्थायी भी है। यहीं से शिक्षा के क्षरण की प्रक्रिया शुरू होने लगती है।

यदि हम विकसित देशों की ओर दृष्टि डालें, तो हमें एक अलग तस्वीर दिखाई देती है। फिनलैंड में शिक्षक बनना केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा और बौद्धिक जिम्मेदारी का प्रतीक है। वहां शिक्षक को गैर–शैक्षणिक सरकारी कार्यों में लगाना लगभग असंभव माना जाता है, क्योंकि वहां पर राज्य यह समझता है कि शिक्षक का समय सीधे राष्ट्र के भविष्य से जुड़ा है। इसी प्रकार जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में शिक्षक न केवल आर्थिक रूप से सुरक्षित हैं, बल्कि सामाजिक रूप से भी अत्यंत सम्मानित हैं। वहां शिक्षक से यह अपेक्षा नहीं की जाती कि वह व्यवस्था की कमियों की भरपाई करे, बल्कि यह अपेक्षा की जाती है कि वह बच्चों की क्षमता, अनुशासन और नवाचार को आकार दे।

इन देशों की प्रगति किसी चमत्कार का परिणाम नहीं है, बल्कि उस स्पष्ट समझ का परिणाम है जो यह मानती है कि शिक्षक को यदि कक्षा से हटाया गया, तो राष्ट्र दिशा से भटक जाएगा। वहां शिक्षकों से पशुओं की गणना और निगरानी नहीं करवाई जाती, बल्कि संभावनाओं की गिनती करवाई जाती है। वहीं यह स्वीकार किया गया है कि शिक्षक का अपमान दीर्घकाल में राष्ट्र के लिए एक खतरे का संकेत है। अंततः यह सवाल किसी एक आदेश, किसी फाइल या किसी विभाग तक सीमित नहीं है, यह उस बौद्धिक आत्मा का प्रश्न है जिसे हम राष्ट्र के रूप में गढ़ रहे हैं। जब शिक्षक से उसका मूल धर्म छीन कर उसे व्यवस्था की असफलताओं का मूक वाहक बना दिया जाता है, तब शिक्षा उपेक्षित ही नहीं होती, बल्कि अज्ञान को संस्थागत वैधता मिल जाती है। क्या कोई समाज सचमुच प्रगति की आकांक्षा कर सकता है, जहां शिक्षक कक्षा में नहीं, बल्कि सड़कों पर अन्य कार्य करता हुआ अधिक उपयोगी समझा जाए?

वक्त बनाम विवेक

अमित कुमार

तेजी से फैलते उपभोक्तावादी तंत्र के बीच 'फास्ट–कामर्स' यानी तुरंत सामान हासिल करना या उसकी आपूर्ति करने का तंत्र एक ऐसी आक्रामक व्यवस्था बनकर उभरा है, जो सुविधा के नाम पर समाज की संवेदनात्मक परतों, बाजार की स्वाभाविक लय और अर्थव्यवस्था की स्थायी संरचनाओं को भीतर ही भीतर क्षीण कर रहा है। मनुष्य की आवश्यकताओं को तात्कालिकता में बांधकर यह प्रारूप न केवल हमारी जीवन–दृष्टि को उथला बना रहा है, बल्कि पूंजी के एकाधिकारवादी विस्तार को सामाजिक अनिवार्यता के रूप में आरोपित कर रहा है।

तत्काल आपूर्ति के इस कारोबार का उभार किसी साधारण तकनीकी प्रगति का संकेत भर नहीं है। यह आधुनिक पूंजीवादी संरचना की वह शाखा है, जो मानव जीवन को उत्पादन–उपभोग की निरंतर दौड़ में धकेलकर उसकी संवेदनशीलता, सामुदायिक आत्मा और उसके आर्थिक विवेक को क्रमशः नष्ट कर रहा है। सुविधा के चकाचौंध भरे आवरण के भीतर छिपी यह व्यवस्था उपभोक्ता को उस बिंदु तक ले जाती है, जहां तात्कालिक संतुष्टि को जीवन का मूल मूल्य मान लिया जाता है और किसी वस्तु की प्राप्ति में अगर कुछ क्षणों का भी विलंब हो जाए, तो व्यक्ति उसे व्यक्तिगत असुविधा नहीं, बल्कि जीवन में अस्वीकार्य बाधा समझ बैठता है। यही वह मनोवैज्ञानिक विकृति है, जिसे पूंजीवाद अपने महत्त्वाकांक्षी विस्तार के लिए पोषित करता है। एक ऐसा उपभोक्ता, जो संयम, प्रतीक्षा, विवेक और स्थानीय संबंधों की गरिमा को भूलकर लगातार, अनवरत, आवेगपूर्ण खरीदारी के चक्र में फंसा रहे।

यह तेज–रफ्तार प्रणाली स्थानीय बाजारों के लिए एक विषैली चुनौती बन चुकी है। पुरानी किराना संरचना, छोटे व्यापारों की आत्मनिर्भर प्रणाली और पड़ोस की जीवंत आर्थिक संस्कृति इस व्यवस्थित अतिक्रमण के आगे क्षीण होती जा रही है। तीव्रगामी वाणिज्य की विशाल कंपनियां अल्गोरिद्म पर आधारित मूल्य–निर्धारण और पूंजी के असीमित संसाधनों के बल पर ऐसे दाम प्रस्तुत करती हैं, जिनसे छोटे व्यापारी प्रतिस्पर्धा कर ही नहीं सकते। नतीजतन, स्थानीय अर्थव्यवस्था भयावह संकुचन की ओर बढ़ती है, आय के स्रोत केंद्रित होते जाते हैं और समाज का आर्थिक संतुलन टूटने लगता है। उपभोक्ता को सस्ती सुविधाओं का भ्रम मिलता है। मगर वास्तविकता यह है कि वह अपनी ही सामुदायिक आर्थिक सुरक्षा को घाटे के घाट उतार रहा होता है।

श्रम के क्षेत्र में भी यह प्रारूप अत्यंत अमानवीय परिस्थितियां निर्मित करता है। मिनटों में आपूर्ति की आकांक्षा सामान पहुंचाने वाले उन कर्मियों पर असाधारण दबाव डालती है, जिनके पास सुरक्षा, स्थायित्व, बीमा या सम्मानजनक श्रम–नीतियों का न्यूनतम आधार भी नहीं होता। पूंजीवादी संरचना उनकी थकान, जोखिम, समय और जीवन को एक ऐसे अदृश्य लागत–तंत्र में बदल देती है, जिसे उपभोक्ता सुविधा के नाम पर सहज ही स्वीकार कर लेता है। यह वही जटिल पूंजीवादी विडंबना है, जहां लाभ का संचय ऊपर केंद्रित होता जाता है और श्रम का बोझ नीचे तक धकेल दिया जाता है।

तत्काल आपूर्ति का चलन मानव समाज की उन स्वाभाविक प्रक्रियाओं को नष्ट करता है, जिनके माध्यम से नस्लें, समुदाय और पड़ोस अपने भीतर सामाजिक आदान–प्रदान, संवाद और सह–अस्तित्व की संस्कृति विकसित करते थे। अब मानव संपर्क का स्थान स्क्रीन ले चुकी है, बाजारों की विविधता की जगह विभिन्न एप की एकरूपता ने ले ली है और सामुदायिक सहयोग की जगह व्यक्ति की अकेली उपभोग–यात्रा ने कब्जा कर लिया है। यह परिवर्तन सभ्यता को गति तो देता है, पर गहराई से खाली भी करता है।

कारोबार के इस स्वरूप का एक गहन दुष्प्रभाव पर्यावरणीय ह्रास के रूप में सामने आता है। तीव्र आपूर्ति की इस व्यवस्था में साजो–सामान की आपूर्ति के सूक्ष्म तंत्र का जो असंगत विस्तार हुआ है, वह सड़क–जाल, वाहन–उपयोग और ईंधन–उपभोग के रूप में एक ऐसी अदृश्य पर्यावरणीय आपदा रच रहा है, जिसकी कीमत न वर्तमान उपभोक्ता समझ रहा है और न ही पूंजी–चालित कंपनियां स्वीकार करने को तैयार हैं। हर घंटे, हर मिनट, हर सेकंड को लक्ष्य बनाकर चलने वाली डिलीवरी–प्रणाली का अर्थ है अनगिनत छोटे पैकेट, असीमित प्लास्टिक, अनवरत वाहनों की आवाजाही और कार्बन–उत्सर्जन का बढ़ता दबाव। यह तरीका जलवायु–संवेदनशील देशों, विशेषकर वैश्विक दक्षिण की अर्थव्यवस्थाओं पर अतिरिक्त बोझ डालता है। पूंजीवाद का स्वभाव ही यही है कि वह लागत को प्रकृति पर थोपकर लाभ को अपने केंद्र में समेट ले। तीव्र आपूर्ति इसी प्रवृत्ति का वर्तमान और अत्यधिक उग्र रूप है। उपभोक्ता को जो त्वरित सुविधा मिलती है, उसकी वास्तविक पर्यावरणीय कीमत पृथ्वी आने वाली पीढ़ियों से वसूलेगी। यह सच जितना भयावह है, उतना ही अनदेखा भी। अगर समाज इस प्रणाली की पर्यावरण–विरोधी संरचना को न पहचाने, तो वह सुविधा के मोह में अपने पारिस्थितिक भविष्य को दांव पर लगा देगा।

तीव्र आपूर्ति एक ऐसा आधुनिक मिथक बन चुका है, जो सुविधा को प्रगति और तात्कालिकता को आधुनिकता का पर्याय बताता है। मगर इस चमकीली सतह के नीचे एक गहरा संरचनात्मक संकट छिपा है– संकुचित होता स्थानीय बाजार, शोषित होता श्रम, व्यवस्थित रूप से नियंत्रित होता उपभोक्ता और टूटता हुआ सामाजिक ताना–बाना। अगर समाज इस स्वरूप को बिना विवेक स्वीकार करता रहा, तो वह धीरे–धीरे ऐसी आर्थिक निर्भरता में फंस जाएगा, जहां विकल्प, स्वतंत्रता और समुदाय– ये तीनों ही मूल्य पूंजीवादी मशीनरी के आगे अप्रासंगिक हो जाएंगे।

दुनिया मेरे आगे

> **तत्काल आपूर्ति का चलन मानव समाज की उन स्वाभाविक प्रक्रियाओं को नष्ट करता है, जिनके माध्यम से नस्लें, समुदाय और पड़ोस अपने भीतर सामाजिक आदान–प्रदान, संवाद और सह–अस्तित्व की संस्कृति विकसित करते थे। अब मानव संपर्क का स्थान स्क्रीन ले चुकी है और सामुदायिक सहयोग की जगह व्यक्ति की अकेली उपभोग–यात्रा ने कब्जा कर लिया है**

संकल्प से सिद्धि

अब भारत केवल स्वप्न नहीं देखता, बल्कि उन्हें हकीकत में बदलने का अदम्य साहस रखता है। हमारी विकास यात्रा संकल्प से सिद्धि के उस मंत्र पर टिकी है, जहां हर बाधा एक नए अवसर में बदल जाती है। पिछले कुछ वर्षों, विशेषकर चंद्रयान–3 की ऐतिहासिक सफलता ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारत अब एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित हो चुका है। यह केवल एक तकनीकी मिशन नहीं था, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के आत्मविश्वास की सामूहिक जीत थी। इसी कड़ी में गगनयान की गूंज और आदित्य–एल1 के जरिए सूर्य के रहस्यों को सुलझाने की दिशा में बढ़ाए गए कदमों ने भारत को अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में दुनिया का अग्रणी देश बना दिया है। विकास की यह लहर केवल अंतरिक्ष तक सीमित नहीं है। वर्ष 2026 की दहलीज पर खड़ा देश अब दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से अग्रसर है। 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के तहत चिप का स्वदेशी निर्माण हमारी तकनीकी संप्रभुता का जीवंत प्रतीक बन चुका है।

– समीक्षा मिश्रा, जम्मू

सफलता का पैमाना

आज के दौर में सफलता का पैमाना बदल गया है। मानवीय मूल्यों की जगह अब भौतिक संपदा ने ले ली है। धन केवल एक साधन है, लेकिन विडंबना यह है कि इस समय समाज में यह साधन न रह कर स्वयं में एक 'साध्य' बन गया है। जब साधन ही लक्ष्य बन जाए, तो सामाजिक और नैतिक पतन तय है। धन के प्रति बढ़ता मोह एक मानसिक रोग की तरह फैल रहा है। जब कोई व्यक्ति अपनी प्रगति की तुलना दूसरे की संपत्ति से करने लगता है, विशेषकर यह सोच कर कि मुझे फलां से ज्यादा धन चाहिए, तो वह स्वस्थ प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि एक गहरी बेचैनी को जन्म देता है। यह तुलना व्यक्ति के संतोष को छीन लेती है और उसे एक ऐसी अंधी दौड़ में धकेल देती है जिसका कोई अंत नहीं है। जब धन कमाना ही एकमात्र उद्देश्य बन जाता है, तो व्यक्ति यह भूलने लगता है कि धन कैसे कमाया जा रहा है। जल्दी अमीर बनने की चाह में लोग मेहनत के पारंपरिक रास्तों को त्याग रहे हैं।

– प्रसिद्ध यादव, फुलवारी, पटना

लत का हासिल

सोशल मीडिया दोधारी तलवार की तरह है, जो आभासी ही सही, लेकिन लोगों को जोड़ती है। मगर साथ ही लत, चिंता, अवसाद और नींद में खलल जैसी परेशानियां भी पैदा करती है। अत्यधिक उपयोग से मस्तिष्क पर भी प्रभाव पड़ता है। सोशल मीडिया के खिलाफ 19 वर्षीय एक अमेरिकी युवती अदालत तक चली गई। आरोप लगाया गया कि सोशल मीडिया मंच को इस तरह से बनाया गया है कि यह युवा उपयोगकर्ताओं की मानसिक सेहत के लिए हानिकारक है। इस महिला का आरोप है कि सोशल मीडिया के सभी मंचों ने उसे लत लगा दी और उसकी मानसिक सेहत पर नकारात्मक प्रभाव डाला। हालांकि मुकदमे की शुरुआत से ठीक पहले सोशल मीडिया के एक मंच ने समझौता कर लिया, लेकिन बाकी के खिलाफ मामला आगे बढ़ रहा है। यह उन मुकदमों की कड़ी में पहला मामला है जिनमें आरोप लगाया गया कि सोशल मीडिया लत पैदा करता है, जिससे नुकसान होता है।

– जंग बहादुर सिंह, जमशेदपुर

बिखरते रिश्ते

समाज इतनी तेजी से बदल रहा है कि संबंध एक शब्द बन कर रह गया है। या कहें कि कहने के लिए हम किसी से संबंध बना तो लेते हैं, लेकिन उसे निभाने में सफल नहीं हो पाते। इन दिनों संबंधों में दूरी या अलगाव आम बात होती जा रही है। वह मां–बाप और बच्चों के बीच हो या फिर पति–पत्नी के बीच, कई बार हम इन्हें सोच के फर्क की बात कह कर न्यायसंगत मान लेते हैं, लेकिन पति–पत्नी के बीच विच्छेद में थोड़ी अलग बात भी है। आज के समय मे जहां रिश्ते बनाने से पहले लोग एक दूसरे को अच्छी तरह जानने के बाद शादी का निर्णय लेते हैं, तो फिर कुछ समय बाद ही सोच में ऐसा क्या बदलाव आ जाता है जिससे संबंधों में दरार आ जाती है। सच है कि दो लोगों की सोच हमेशा एक जैसी नहीं हो सकती, लेकिन हर बार इसका समाधान अलगाव तो नहीं हो सकता।

– अभिषेक जैसवाल, मैहर, मप्र

हमें लिखें, हमारा पता : edit.jansatta@expressindia.com | chaupal.jansatta@expressindia.com

विकासपुरी, जनकपुरी हिंसा मामले में पूर्व सांसद सज्जन कुमार बरी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 22 जनवरी।

सिख विरोधी दंगा मामले में दिल्ली की एक अदालत का फैसला।

दिल्ली की एक अदालत ने पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार को 1984 के सिख विरोधी दंगों के दौरान राष्ट्रीय राजधानी के जनकपुरी और विकासपुरी इलाकों में हिंसा भड़काने से संबंधित मामले में गुरुवार को बरी कर दिया। अदालत ने यह कहते हुए बरी कर दिया कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित करने में विफल रहा। कुमार साल 2018 से जेल में बंद हैं, जब दिल्ली हाई अदालत ने एक-दो नवंबर 1984 को पालम कालोनी में पांच लोगों की हत्या से जुड़े मामले में उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

विशेष न्यायाधीश दिग्विनय सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि अदालत पीड़ितों और उनके परिवारों की ओर से झेली गई पीड़ा को समझती है, लेकिन उसका निर्णय 'भावनाओं से परे' होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मामले में आरोपी को दोषी ठहराने का फैसला पेश किए गए सबूतों के आधार पर ही किया जाना चाहिए। दुर्भाग्य से, अभियोजन पक्ष ने जिन गवाहों से जिरह की, उनमें से ज्यादातर के बयान सुनी-सुनाई बातों पर आधारित हैं और/या वे ऐसे गवाह हैं, जिन्होंने तीन दशकों तक आरोपी का नाम नहीं लिया। ऐसे गवाहों द्वारा आरोपी की पहचान किए जाने पर भरोसा करना 'जोखिम भरा होगा और इससे अन्याय हो सकता है।' उन्होंने कहा कि इस बात का कोई पुख्ता सबूत नहीं है कि कुमार अपराध स्थल पर मौजूद थे या उन्हें वहां किसी ने देखा था। इस घटना के सिलसिले में दंगाई भीड़ को उकसाने या साजिश रचने का भी कोई सबूत नहीं है।

इस बीच, शिकायतकर्ता हरविंदर सिंह के वकील मनिंदर सिंह ने निचली अदालत के फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती देने के संकेत दिए। मनिंदर ने कहा कि हम पहले फैसले का गहन अध्ययन करेंगे और फिर दिल्ली उच्च न्यायालय में अपील दायर करेंगे।

वसंत पंचमी से पहले सुप्रीम कोर्ट का फैसला

भोजशाला : पूजा व नमाज दोनों की इजाजत

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 22 जनवरी।

सूर्योदय से सूर्यास्त तक हिंदुओं को पूजा-अर्चना करने, जबकि मुसलमानों को अपराह्न एक बजे से तीन बजे तक नमाज अदा करने की अनुमति दी है।
पीठ ने यह भी निर्देश दिया कि नमाज के लिए आने वाले मुस्लिम समुदाय के लोगों की सूची जिला प्रशासन को दी जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित विवादित भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद स्थल पर वसंत पंचमी के दिन शुक्रवार को सूर्योदय से सूर्यास्त तक हिंदुओं को पूजा-अर्चना करने, जबकि मुसलमानों को अपराह्न एक बजे से तीन बजे तक नमाज अदा करने की अनुमति दी है। कोर्ट ने गुरुवार को यह भी निर्देश दिया कि नमाज के लिए आने वाले मुस्लिम समुदाय के लोगों की सूची जिला प्रशासन को दी जाए।

हिंदू और मुस्लिम समूहों ने 23 जनवरी शुक्रवार को भोजशाला परिसर में धार्मिक रस्मों के लिए अनुमति मांगी थी। उस दिन वसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजा भी है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति जायमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने दोनों पक्षों से परस्पर सम्मान और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए, राज्य और जिला प्रशासन के साथ सहयोग करने की अपील की। पीठ ने कहा कि अतिरिक्त महाधिवक्ता और महाधिवक्ता, दोनों ने उचित सुझाव दिया है कि यह जानने के बाद कि कल (शुक्रवार) दोपहर एक से तीन बजे के बीच नमाज के लिए मुस्लिम समुदाय से कितने लोगों के आने की संभावना है, परिसर के भीतर एक विशेष और अलग स्थान उपलब्ध कराया जाए, ताकि निर्धारित समय पर नमाज अदा की जा सके।

न्यायालय ने कहा कि इसी प्रकार, पहले की तरह, वसंत पंचमी के अवसर पर पारंपरिक अनुष्ठान के लिए हिंदू समुदाय को एक अलग स्थान उपलब्ध कराया जाए। पीठ ने जिला प्रशासन को उस स्थान पर कानून व्यवस्था बनाए रखने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जिला प्रशासन आगंतुकों के लिए निशुल्क उपयुक्त पास जारी कर सकता है या किसी भी अप्रिय घटना को टालने और अनुष्ठानों/रस्मों को शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए अन्य उचित उपाय कर सकता है। हिंदू समुदाय, भोजशाला को वाग्देवी (देवी सरस्वती) का मंदिर मानता है, जबकि मुस्लिम समुदाय इसे कमाल मौला मस्जिद कहता है।

यह स्थल भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) द्वारा संरक्षित 11वीं शताब्दी का स्मारक है। एएसआइ द्वारा सात अप्रैल 2003 को की गई एक व्यवस्था के तहत, हिंदू समुदाय के सदस्य मंगलवार को भोजशाला परिसर में पूजा-अर्चना करते हैं, जबकि मुस्लिम समुदाय के सदस्य शुक्रवार को परिसर में नमाज अदा करते हैं।

न्यायालय 'हिंदू फ्रंट फार जस्टिस' द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रहा। याचिका में, वसंत पंचमी पर हिंदुओं को पूजा-अर्चना करने का विशेष अधिकार देने का अनुरोध किया गया था। अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन के मार्फत दायर याचिका पर मंगलवार को तत्काल सुनवाई के लिए उल्लेख किया गया था। जैन ने कहा था कि एएसआइ के 2003 के आदेश में शुक्रवार के दिन वसंत पंचमी पड़ने से उत्पन्न होने वाली स्थिति का समाधान नहीं किया गया है। उन्होंने वसंत पंचमी पर पूरे दिन हिंदुओं के लिए विशेष, निर्बाध पूजा-अर्चना की अनुमति देने का अनुरोध किया था। सुनवाई के दौरान, जैन ने दलील दी कि सूर्योदय से सूर्यास्त तक पूजा और हवन होंगे और उन्होंने पूरे दिन पूजा करने की अनुमति देने का अनुरोध किया।

'विश्व की समस्याओं का समाधान भारतीय परंपराओं में निहित है'

जनसत्ता संवाददाता
हरिद्वार, 22 जनवरी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि विश्व की समस्याओं का समाधान भारतीय परंपराओं में निहित है। शाह ने हरिद्वार में अखिल विश्व गायत्री परिवार के शताब्दी वर्ष समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जो भारत और उसकी संस्कृति को समझता है, वह जानता है कि विश्व की समस्त समस्याओं का समाधान भारतीय परंपराओं में निहित है। उत्तराखंड की पावन भूमि विशेषकर सप्तर्षि भूमि हरिद्वार में आकर हजारों वर्षों की तपस्या की ऊर्जा का अनुभव होता है।

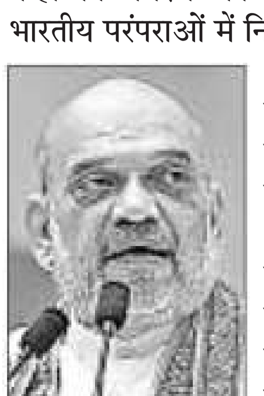

शांतिकुंज के संस्थापक पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के योगदान का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि भारत उनके उपकारों से कभी ऋणमुक्त नहीं हो सकता क्योंकि उन्होंने गायत्री मंत्र को जन-जन तक सर्वसुलभ बनाया, वैश्विक मानवतावाद की अवधारणा को सुदृढ़ किया और वैज्ञानिक अध्यात्मवाद को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया। पंडित श्रीराम शर्मा का सरल सूत्र 'हम बदलेंगे, युग बदलेगा' राष्ट्र परिवर्तन की कुंजी है और गायत्री महामंत्र केवल संस्कृत का मंत्र नहीं, बल्कि जप करने वाले साधक के भीतर सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने वाला जीवन मंत्र है। उन्होंने सनातन धर्म में व्याप्त विकृतियों को दूर कर आध्यात्मिकता को सामाजिक सरोकारों से जोड़ा तथा समानता, संस्कृति, एकता और अखंडता के मूल्यों को सुदृढ़ किया। पंडित श्रीराम शर्मा ने 'व्यक्ति निर्माण से समाज निर्माण और राष्ट्र निर्माण' के विचार को व्यवहार में उतारने का मार्ग प्रशस्त किया।

सत्र
बंगलुरु में कर्नाटक विधानसभा से बाहर निकलते समय राज्यपाल थावरचंद गहलोत को रोकने की कोशिश की गई।

निर्वाचन आयोग का नया एप 'ईसीआइनेट' जारी

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने भ्रामक सूचनाओं से मुकाबले का हथियार बताया

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 22 जनवरी।

एप 40 से अधिक मोबाइल और वेब एप्लिकेशन को एकीकृत करेगा।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने गुरुवार को मतदाताओं, अधिकारियों और राजनीतिक दलों के लिए एक नया डिजिटल ऐप जारी किया। उन्होंने 'ईसीआइनेट' को गलत सूचनाओं के प्रसार की चुनौती से निपटने के लिए एक औजार करार दिया क्योंकि इस पर चुनाव संबंधी सभी तथ्य उपलब्ध हैं।

'ईसीआइनेट' अपने 40 से अधिक मौजूदा मोबाइल और वेब एप्लिकेशन को एकीकृत करेगा तथा सभी चुनाव-संबंधी गतिविधियों के लिए एक एकल मंच प्रदान करेगा। यह नया मंच उपयोगकर्ताओं पर कई एप डाउनलोड करने, 'नेविगेट करने' और विभिन्न आइडी याद रखने के बोझ को कम करेगा। इसके अतिरिक्त, ईसीआइनेट उपयोगकर्ताओं को अपने डेस्कटाप या स्मार्टफोन पर प्रासंगिक चुनावी डेटा तक पहुंचने में भी सक्षम बनाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए कि डेटा यथासंभव सटीक है, ईसीआइनेट पर डेटा केवल निर्वाचन आयोग के अधिकृत अधिकारी द्वारा दर्ज किया जाएगा।

संबंधित अधिकारी द्वारा की गई प्रविष्टि यह सुनिश्चित करेगी कि हितधारकों को उपलब्ध कराया गया डेटा यथासंभव सटीक है। हालांकि, किसी भी टकराव की स्थिति में वैधानिक प्रपत्रों में विधिवत भरा हुआ प्राथमिक डेटा मान्य होगा। ईसीआइनेट, वोटर हेल्पलाइन ऐप, वोटर टर्नआउट एप, 'सीविजिल', सुविधा, सक्षम और केवाइसी एप जैसे मौजूदा एप को समाहित कर देगा, जिसके कुल मिलाकर 5.5 करोड़ से अधिक डाउनलोड हो चुके हैं।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने वाले देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों को उनकी भाषाओं में और उनके कानूनों के अनुसार इसी तरह का उपकरण विकसित करने में सहायता की पेशकश की। कुमार ने बताया कि सम्मेलन के दौरान विभिन्न चुनाव प्रबंधन निकायों के प्रमुखों ने भ्रामक सूचना के विषय पर चिंता व्यक्त की थी।

राज्यपाल ने तीन वाक्य में समाप्त किया संबोधन

कर्नाटक : मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने उन्हें केंद्र सरकार की 'कठपुतली' करार दिया

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 22 जनवरी।

कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने गुरुवार को राज्य विधानमंडल के संयुक्त सत्र में अपना परंपरागत अभिभाषण केवल तीन वाक्यों (सरकार द्वारा तैयार किए गए विस्तृत भाषण के पहले और आखिरी वाक्यों समेत) में समाप्त कर दिया जिसे लेकर मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने राज्यपाल पर अपना खुद का विचार व्यक्त करने का आरोप लगाया और उन्हें केंद्र सरकार की 'कठपुतली' करार दिया। गैर-भाजपा शासित तीन दक्षिणी राज्यों (केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक) में दो दिनों में राज्यपाल और सरकार के बीच तीसरी बार टकराव हुआ है। विधानसभा व विधानपरिषद में अपने संक्षिप्त संबोधन के बाद गहलोत सत्ताधारी कांग्रेस सदस्यों के विरोध के बीच सदन से बाहर चले गए, जिन्होंने उन्हें घेरने का भी प्रयास किया। राज्यपाल ने मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर, विधान परिषद अध्यक्ष बसवराज होरट्टी, विपक्ष के नेताओं, मंत्रियों और सदस्यों का अभिवादन करते हुए अपना अभिभाषण शुरू किया।

राज्यपाल ने हिंदी में कहा कि मैं राज्य विधानमंडल के संयुक्त सत्र में आप सभी का हार्दिक स्वागत करता हूं। मुझे कर्नाटक विधानमंडल के एक और संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए प्रसन्नता हो रही है। मेरी सरकार राज्य के आर्थिक, सामाजिक एवं भौतिक विकास को दोगुना करने के लिए प्रतिबद्ध है। जय हिंद, जय कर्नाटक। कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एचके पाटिल समेत सत्ता पक्ष के अन्य विधायक आश्चर्य से खड़े हो गए और गहलोत से अभिभाषण पूरा करने का अनुरोध किया। जैसे ही राज्यपाल निकास द्वार की ओर बढ़े, विधान परिषद सदस्य बीके हरिप्रसाद समेत सत्ताधारी विधायकों ने नारे लगाकर उनका घेराव करने की कोशिश की लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें हटा दिया।

वहीं, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राज्य विधानसभाओं का सत्र राज्यपाल के अभिभाषण से शुरू किए जाने की प्रथा को समाप्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वह इस संबंध में संसद में संवैधानिक संशोधन लाने का प्रयास करेंगे। राज्यपाल थावरचंद गहलोत के राज्य विधानमंडल के संयुक्त सत्र में अनुमोदित भाषण पढ़ने से इनकार करने से उपजे विवाद स्टालिन ने यह प्रतिक्रिया व्यक्त की।

जनगणना के पहले चरण में पूछे जाएंगे 33 सवाल, अधिसूचना जारी

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 22 जनवरी।

केंद्र सरकार ने गुरुवार को 33 प्रश्नों की सूची जारी की, जो एक अप्रैल से शुरू होने वाले जनगणना के पहले चरण के दौरान नागरिकों से पूछे जाएंगे। राजपत्र अधिसूचना में, भारत के रजिस्ट्रार जनरल मृत्युंजय कुमार नारायण ने घर के फर्श और छत में प्रयुक्त सामग्री, वहां रहने वाले विवाहित जोड़ों की संख्या, घर का मुखिया पुरुष है या महिला, उपभोग किए जाने वाले अनाज का प्रकार, बुनियादी एवं आधुनिक आवश्यकताओं तक पहुंच और स्वामित्व वाले वाहनों के प्रकार जैसे प्रश्न सूचीबद्ध किए हैं।

अधिसूचना में कहा गया है, 'केंद्र सरकार निर्देश देती है कि सभी जनगणना अधिकारी, भारत की जनगणना 2027 के संबंध में आवास गणना और घर-सूचीकरण के माध्यम से जानकारी एकत्र करने के लिए उक्त सभी सूचीबद्ध प्रश्न पूछ सकते हैं।' प्रश्नों की शुरुआत भवन संख्या, मकान के फर्श, दीवारों और छत में प्रयुक्त मुख्य सामग्री के बारे में पूछकर की जाएगी। इसके बाद जनगणना अधिकारी मकान के उपयोग, उसकी स्थिति और उसमें रहने वाले व्यक्तियों की संख्या के बारे में पूछेंगे।

जनगणना अधिकारी मकान के मुखिया के बारे में भी जानकारी एकत्र करेंगे, जैसे नाम और वे महिला हैं या पुरुष, क्या मुखिया अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति या अन्य समुदायों से संबंधित है और संपत्ति का स्वामी कौन है। पहला चरण - घरों की सूची तैयार करने का अभियान - इस वर्ष एक अप्रैल से 30 सितंबर के बीच प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश द्वारा निर्दिष्ट 30 दिनों की अवधि के दौरान होगा।

पेज 1 का बाकी

गाजा शांति निकाय से भारत का किनारा

राष्ट्र के साथ मिलकर न केवल पश्चिम एशिया में, बल्कि अन्य जगहों पर भी युद्धों को सुलझाने में मदद कर सकता है।' हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि बोर्ड संयुक्त राष्ट्र के साथ किस प्रकार सहयोग करेगा।पूरे घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी को ट्रंप के निमंत्रण के बारे में पूछे जाने पर कहा कि भारत ने अब तक इस पर कोई फैसला नहीं लिया है।

उन्होंने बताया कि भारत इस पहल के विभिन्न पहलुओं पर विचार कर रहा है क्योंकि इसमें कई संवेदनशील मुद्दे शामिल हैं। भारत फिलस्तीन मुद्दे के लिए 'दो-राष्ट्र समाधान' पर जोर दे रहा है, जिसमें इजराइल और फिलिस्तीन मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर शांति और सुरक्षा के साथ अगल-बगल रहें। 'शांति बोर्ड' में शामिल करने के लिए दिए गए आमंत्रण को अर्जेंटीना, अल्बानिया, आर्मेनिया, अजरबैजान, बहरीन, बेलारूस, बुल्गारिया, मिस्र, हंगरी, इंडोनेशिया, जॉर्डन, कजाखिस्तान, कोसोवो, मोरक्को, मंगोलिया, पाकिस्तान, कतर, सऊदी अरब, तुर्की, संयुक्त अरब अमीरात, उज्बेकिस्तान और वियतनाम ने स्वीकार किया है। फ्रांस, नार्वे, स्लोवेनिया, स्वीडन और ब्रिटेन उन देशों में शामिल हैं जो अभी बोर्ड में शामिल नहीं होंगे। ट्रंप द्वारा आमंत्रित, लेकिन अब तक कोई प्रतिबद्धता नहीं जताने वाले देशों में कंबोडिया, चीन, क्रोएशिया, साइप्रस, यूनान, इटली, पैराग्वे, रूस, सिंगापुर, थाईलैंड और यूक्रेन शामिल हैं। ट्रंप ने कहा, 'यह केवल अमेरिका के लिए नहीं है, यह पूरी दुनिया के लिए है। मुझे लगता है कि गाजा में सफलता मिलने के बाद हम इसे अन्य क्षेत्रों में भी लागू कर सकते हैं।' समारोह में उपस्थित नेताओं में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी शामिल थे। ट्रंप के 'शांति बोर्ड' को अमेरिका द्वारा गाजा और उसके बाहर शांति और स्थिरता लाने के लिए एक नए अंतरराष्ट्रीय निकाय के रूप में पेश किया जा रहा है। इस पहल से अटकलें लगाई जा रही हैं कि 'शांति बोर्ड' संयुक्त राष्ट्र के प्रतिद्वंद्वी निकाय के तौर पर उभर सकता है। मूल रूप से, इस 'शांति बोर्ड' को गाजा के पुनर्निर्माण के लिए शासन की देखरेख करने और धन के समन्वय का कार्य सौंपा जाना था,जो इजराइल की सेना की गत दो वर्ष तक चली कार्रवाई के दौरान तबाह हो गया है। हालांकि, बोर्ड के 'घोषणापत्र' में कहा गया है कि यह एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जो संघर्ष से प्रभावित या खतरे में पड़े क्षेत्रों में स्थिरता को बढ़ावा देने, विश्वसनीय और वैध शासन को बहाल करने और स्थायी शांति सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा।इसमें यह भी कहा गया है कि स्थायी शांति के लिए व्यावहारिक निर्णय, सामान्य ज्ञान पर आधारित समाधान और उन दृष्टिकोणों और संस्थानों से अलग होने का साहस आवश्यक है जो अक्सर विफल रहे हैं।

ट्रंप के नेतृत्व में गठित बोर्ड के शीर्ष स्तर में विशेष रूप से राष्ट्राध्यक्ष ही शामिल होंगे। अमेरिका पहले ही घोषणा कर चुका है कि 'शांति बोर्ड' गाजा के संघर्ष से शांति और विकास की ओर संक्रमण के दौरान रणनीतिक निगरानी प्रदान करने, अंतरराष्ट्रीय संसाधनों को जुटाने और जवाबदेही सुनिश्चित करने की ट्रंप की 20 सूत्री योजना को पूरा करने में एक आवश्यक भूमिका निभाएगा।ट्रंप द्वारा प्रस्तावित 20 सूत्री योजना में गाजा को एक आतंकवाद-मुक्त क्षेत्र बनाना शामिल है जो अपने पड़ोसियों के लिए कोई खतरा पैदा न करे और इसे गाजा पट्टी के लोगों के लाभ के लिए पुनर्विकसित किया जाए। वाइट हाउस ने पिछले सप्ताह 'शांति बोर्ड' की परिकल्पना को साकार करने के लिए एक संस्थापक कार्यकारी बोर्ड के गठन की घोषणा की। कार्यकारी समिति में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर, पश्चिम एशिया मामलों के लिए अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकाफ, व्यवसायी और ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर और विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा को शामिल किया गया है।

दस जवानों की मौत, 11 घायल

बताया कि सेना का एक वाहन हादसे का शिकार हो गया, जिसमें 10 जवानों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। सेना के व्हाइट नाइट कोर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना में, डोडा में खराब मौसम के बीच दुर्गम इलाके से गुजर रहा सेना का एक वाहन सड़क से फिसलकर खाई में जा गिरा। इस वाहन में आतंकवाद विरोधी अभियान के लिए जा रहे सैनिक सवार थे। हादसे में कई जवान हताहत हुए हैं। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर हादसे पर गहरी पीड़ा व्यक्त की। उन्होंने कहा, हादसे से अत्यंत व्यथित हूं। हमने अपने बहादुर सैन्यकर्मियों को खो दिया। देश उनकी सेवाओं के लिए उन्हें हमेशा याद रखेगा। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की ईश्वर से कामना करता हूं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हादसे पर गहरा दुख जताया। राजनाथ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मैं डोडा में हुए सड़क हादसे से बेहद दुखी हूं, जिसमें हमने भारतीय सेना के 10 बहादुर जवानों को खो दिया। मेरी हार्दिक संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने डोडा की घटना को अत्यंत पीड़ादायक बताया। एक्स पर पोस्ट कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में हम सब वीर जवानों के शोकाकुल परिवारों के साथ खड़े हैं। सेना के उत्तरी कमांडर ने कहा कि जनरल आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा और कमान के सभी रैंक के जवान वीरों को सलाम करते हैं और दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में जान गंवाने वाले सैनिकों के असामयिक निधन पर हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा, उत्तरी कमान के सभी सदस्य शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता से खड़े हैं और हादसे में घायल हुए जवानों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं।

किसानों ने मजदूरों को रास्ता दिखाया, एकजुट हों : राहुल

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 22 जनवरी।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम' (मनरेगा) की जगह लाए गए 'विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम' को लेकर गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी तथा केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और लोगों का आह्वान किया कि वे सरकार के इस कदम के खिलाफ एकजुट होकर खड़े हों।

उन्होंने कांग्रेस के प्रकोष्ठ 'रचनात्मक कांग्रेस' द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'मनरेगा बचाओ मोर्चा' में यह आरोप भी लगाया कि भाजपा ने तीनों 'काले' कृषि कानून लाकर किसानों के साथ जो किया था, वही अब वह मनरेगा को खत्म कर मजदूरों के साथ करना चाहती है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि भाजपा एक ऐसा हिंदुस्तान चाहती है जिसमें एक राजा सारे फैसले करे तथा देश के गरीब, अडाणी और अंबानी पर पूरी तरह निर्भर हो जाएं। राहुल गांधी ने कहा कि मनरेगा ने गरीबों को अधिकार दिया था। इसके पीछे यह सोच थी कि जिसे भी काम की जरूरत हो, वह सम्मान के साथ काम मांग सके। मनरेगा को पंचायती राज के तहत चलाया जाता था। मनरेगा में लोगों की आवाज थी, उनका अधिकार था जिसे नरेंद्र मोदी खत्म करने में लगे हैं। कुछ साल पहले भाजपा ने 'तीन काले कृषि कानून' लाकर किसानों पर आक्रमण किया था लेकिन किसानों और हम सबने केंद्र पर दबाव डाल कर उसे रोक दिया। अब उसी तरह का हमला मजदूरों पर करने की कोशिश हो रही है।

तमिलनाडु में राजग की बैठक, प्रधानमंत्री आज करेंगे चुनावी शंखनाद

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 22 जनवरी।

प्रधानमंत्री की रैली से पहले अन्नाद्रमुक नीत राजग की बैठक, परखा गया गठबंधन का गणित, गठबंधन में हुई दिनाकरन की वापसी

तमिलनाडु में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर अन्नाद्रमुक नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की चली लंबी बैठकों के बाद शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनावी शंखनाद करेंगे। राज्य की 234 विधानसभाओं के लिए शुरू हो रहे प्रचार की शुरुआत प्रधानमंत्री उपनगरीय क्षेत्र मदुरांतकम से करेंगे।

साल 2021 में हुए सोलहवीं विधानसभा चुनाव में राजग को हार का सामना करना पड़ा था। इसे देखते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता और तमिलनाडु चुनाव के लिए पार्टी प्रभारी पीयूष गोयल ने सहयोगी दलों के साथ कई दौर की बैठकें कीं। गोयल ने आगामी विधानसभा चुनावों में इस गठजोड़ के शानदार जीत हासिल करने का दावा करते हुए द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के 'भ्रष्ट और वंशवादी शासन' का अंत होने की बात कही।

बाद में, दोनों नेताओं ने संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। पलानीस्वामी ने कहा कि 23 जनवरी की चेन्नई के पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से पहले एक निर्णायक मोड़ साबित होगी, क्योंकि यह 'भ्रष्ट द्रमुक सरकार' की पराजय का मार्ग प्रशस्त करेगी। गोयल की अन्नाद्रमुक महासचिव के ग्रीनवेज रोड स्थित आवास में नाश्ते पर हुई बैठक का उद्देश्य प्रधानमंत्री की चुनावी रैली से पहले राज्य में राजग को अंतिम आकार देना था। तमिलनाडु में राजग का नेतृत्व अन्नाद्रमुक कर रही है, और राज्य में विपक्षी गठबंधन के घटक दलों में भाजपा, पीएमके (अंबुमणि गुट), एएमएमके और पूर्व केंद्रीय मंत्री जीके वासन के नेतृत्व वाली तमिल मनीला कांग्रेस शामिल हैं।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री गोयल ने मांग की कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे और उप मुख्यमंत्री उदयनिधि को पद से हटाए। सनातन धर्म पर कथित नफरती भाषण के लिए उदयनिधि के खिलाफ मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश पारित करने के सिलसिले में उन्होंने यह मांग की। गोयल ने कहा कि हम उदयनिधि स्टालिन की राष्ट्रविरोधी टिप्पणियों का सख्त विरोध करते हैं। मैं मांग करता हूं कि उन्हें सरकार से हटाया जाए और उनके नफरती भाषण, लोगों को बांटने और सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने को लेकर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

पलानीस्वामी से मुलाकात के दौरान गोयल ने प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के नव निर्वाचित अध्यक्ष नितिन नवीन की ओर से शुभकामनाएं दीं। गोयल ने 'एक्स' पर कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में पलानीस्वामी जी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में राजग 'भ्रष्ट, अक्षम, समझौतावादी और विकास विरोधी द्रमुक सरकार' को पूरी तरह से सत्ता से बाहर कर देगा। उन्होंने कहा कि हम बुनियादी ढांचा, विकास और सुशासन लाएंगे। हम महिलाओं, बच्चों, युवाओं, मछुआरों, किसानों और समाज के हर वर्ग के लिए काम करेंगे।

खबर कोना

मुंबई में शिवाजी पार्क परेड मैदान में गणतंत्र दिवस परेड के पूर्वाभ्यास में भाग लेते पुलिसकर्मी।

पश्चिमी समर्पित माल गलियारा से जुड़ेगा न्यू रेवाड़ी-कुंभावास खंड

नई दिल्ली, 22 जनवरी (ब्यूरो)।

दिल्ली-एनसीआर से नवी मुंबई तक सीधे तीव्र माल ढुलाई के लिए तैयार हो रहे पश्चिमी समर्पित माल गलियारा से न्यू रेवाड़ी-कुंभावास खंड जुड़ सकता है। समर्पित माल ढुलाई गलियारा निगम लिमिटेड (डीएफसीसीआइएल) इस दिशा में संभावनाएं तलाश रहा है। साथ ही माल को उतारे व चढ़ाने के लिए अन्य विकल्प की तलाश की जा रही है। दरअसल, डीएफसीसीआइएल के अधिकारियों ने उत्तर रेलवे के अधिकारियों के साथ न्यू दादरी-रेवाड़ी-अटेली खंड का संयुक्त निरीक्षण किया। इस दौरान तैयार हो रहे गलियारे पर मालगाड़ियों के परिचालन, तकनीकी व्यवस्थाओं और भविष्य में संपर्क की समीक्षा की गई। इस दौरान डीएफसीसीआइएल के निदेशक (परिचालन एवं व्यवसाय विकास) शोभित भटनागर, उत्तर रेलवे की प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक डाक्टर मोनिका अग्निहोत्री ने न्यू दादरी से अटेली तक रेल अवसंरचना, वायाडक्ट और सुरंगों की सुरक्षा व कार्यक्षमता का आकलन किया गया। अधिकारियों ने न्यू दादरी स्टेशन पर सुविधाओं की समीक्षा, निरीक्षण किया।

पेटेंट की प्रक्रिया पूरी होने के बाद जारी होंगी धान की दो नई किस्में

नई दिल्ली, 22 जनवरी (ब्यूरो)।

कम उर्वरक, कम कीटनाशक और सूखे(कम पानी) में भी जीनोम संपादन जरिए फसलों की बेहतर पैदावार के लिए वैज्ञानिकों ने धान की दो किस्में विकसित की हैं। अलग-अलग प्रजनन और जैव प्रौद्योगिकी उपकरणों का इस्तेमाल कर विकसित की गई दोनों किस्में, पेटेंट संबंधी प्रक्रिया के पूरा होने पर वाणिज्यिक रूप से जारी की जाएंगी। वैज्ञानिकों ने फसल सुधार के जरिए चावल की दोनों किस्में(कमला और डीएसटी, राइस-1) विकसित की है। कमला की बालियों में बालियों में दाने अधिक हैं, जिससे पैदावार में भी बढ़ोतरी हुई है। बीपीटी 5204 में सुधार के बाद नई किस्म कमला विकसित की गईं। चावल की दूसरी किस्म, डीएसटी-1 जो एटीयू 1010 का सुधार है। इस किस्म में सूखा और लवणता बर्दाश्त करने की क्षमता होने की वजह से बेहतर पैदावार की पर्याप्त संभावना है। इससे उन क्षेत्रों चावल की बेहतर पैदावार हो सकेगी, जहां कम पानी या सूखे की वजह से अब तक चिंता बनी हुई थी।

बलौदाबाजार-भाटापारा के इस्पात संयंत्र में विस्फोट, छह मजदूरों की मौत

नई दिल्ली, 22 जनवरी (भाषा)।

छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में गुरुवार सुबह एक इस्पात संयंत्र में हुए विस्फोट में छह मजदूरों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। जिलाधिकारी दीपक सोनी ने बताया कि यह घटना बकुलाही गांव में स्थित 'रियल इस्पात एंड पावर लिमिटेड' में सुबह नौ बजकर 40 मिनट पर हुई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घटना के बाद संयंत्र से दूर-दूर तक धुएं का गुबार उठता देखा गया। मजदूरों के शव जली हुई हालत में थे। ज्यादातर मजदूर बिहार व झारखंड के निवासी थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, भट्ठी से जुड़े 'डस्ट सेटलिंग चैंबर' (डीएससी) में 'विस्फोट के बाद से रिसाव होने लगा। 'डीएससी' वह जगह होती है जिसमें उच्च तापमान वाली राख पहुंचाई जाती है। रिसाव के कारण गरम राख कर्मचारियों पर गिर गई जिससे छह कर्मचारियों की मौके पर ही मौत हो गई।

दावोस में केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू और गुजरात के उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने कहा

भारत एक दशक में महत्त्वपूर्ण वैश्विक आर्थिक शक्ति बना

दावोस, 22 जनवरी (भाषा)।

भारत ने पिछले दशक में एक 'उभरती' अर्थव्यवस्था की अपनी से छवि से बाहर निकल कर खुद को 'महत्त्वपूर्ण' वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में तब्दील किया है जिसकी नींव मजबूत वृद्धि एवं व्यापक डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा है। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू और गुजरात के उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने यहां आयोजित एक सत्र में यह बात कही।

सीआइआइ और केपीएमजी द्वारा आयोजित सत्र में नायडू ने बुधवार को कहा कि भारत आज विश्वास, पैमाने एवं नवाचार के संगम पर खड़ा है। भारत अपने स्थिर लोकतांत्रिक संस्थानों के जरिए भरोसेमंद व्यवस्था, अपनी विविधता एवं आकार के जरिए मजबूती और किफायती एवं मूल्यवर्धित समाधान देकर प्रासंगिकता प्रदान करता है। संघवी ने इस बात पर जोर दिया कि दशकों तक भारत को एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में देखा जाता रहा लेकिन आज की सच्चाई कुछ और है।

उन्होंने कहा, 'भारत अब केवल उभरता हुआ देश नहीं रहा बल्कि वह वैश्विक वृद्धि के लिए, मजबूत आपूर्ति शृंखलाओं के लिए, लोकतांत्रिक स्थिरता के लिए तथा नवाचार, निरंतरता एवं समावेशी विकास के भविष्य के लिए निर्णायक भूमिका निभा रहा है।' इसी भावना को दोहराते हुए नायडू ने कहा, 'भारत को अब केवल एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में परिभाषित नहीं किया जा सकता। भारत वैश्विक आर्थिक व्यवस्था के लिए अनिवार्य बनता जा रहा है।' नायडू ने विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक के इतर आयोजित सत्र में कहा कि भारत की वर्तमान वृद्धि व्यापक है, डिजिटल रूप से सक्षम है, मजबूत अवसंरचना से समर्थित एवं समावेशी है। उन्होंने कहा, 'यह वही वास्तविक बदलाव है जो भारत ने पिछले एक दशक में देखा है। भारत के विकास माडल में सबसे महत्त्वपूर्ण बदलावों में से एक डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का निर्माण रहा है।

दावोस में विदेशी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात करते गुजरात के उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी ।

स्मृति ईरानी की अगुआई वाले गठबंधन ने 20 लाख डालर जुटाए

भारत में महिला उद्यमियों के लिए 10 करोड़ डालर का कोष बनाने की योजना पर काम कर रहीं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की बैठक में महज दो दिनों के भीतर 20 लाख डालर की प्रतिबद्धता जुटा ली है। यह कोष देशभर की महिला-स्वामित्व वाली एक लाख लघु इकाइयों को सहयोग देने के लिए प्रस्तावित है। स्विट्जरलैंड के दावोस में जारी इस बैठक के दौरान ईरानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में उन्हें 2024 में दावोस में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने का अवसर मिला था।

महाशक्तियों के लिए यह साथ आने का अवसर : मर्ज

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित एफटीए पर हस्ताक्षर से चंद दिनों पहले जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने गुरुवार को कहा कि 'महाशक्तियों का युग' नियम-आधारित मुक्त व्यापार का समर्थन करने वाले देशों के लिए एक अवसर है।

संदेश साफ, हमारे साथ साझेदारी करें और भविष्य से जुड़ें : वैष्णव

दावोस, 22 जनवरी (भाषा)।

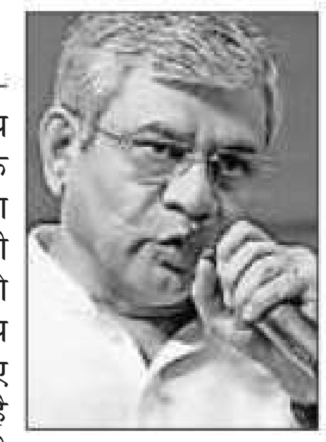

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को कहा कि भारत ने आर्थिक परिदृश्य के सभी क्षेत्रों में साझेदारी के लिए अपनी स्पष्ट इच्छा जाहिर की है और वैश्विक कर्ज से जुड़ी चिंताओं के बावजूद देश की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। वैष्णव ने यहां कहा कि इस बार का संदेश है कि भारत के साथ साझेदारी करें और भविष्य से जुड़ें।'

यहां मौजूद सभी 10 राज्यों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए सहकारी एवं प्रतिस्पर्धी संघवाद के मंत्र के अनुरूप अपनी संभावनाओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा, 'यहां भारत का संदेश बिल्कुल स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री ने पिछले 11 वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था को किस तरह बदला और (क्षेत्रों के लिए) खोला है।मंत्री ने कहा कि भारत ने दुनिया को यह भी बताया है कि वह नए विचारों के लिए भी खुला है। उन्होंने कहा, 'चाहे सेमीकंडक्टर उद्योग हो, कृत्रिम मेधा (एआइ) हो, विनिर्माण हो, हरित ऊर्जा हो या कोई अन्य क्षेत्र...हम हर जगह दुनिया के साथ साझेदारी करना चाहते हैं।'

यहां 10 राज्यों की भागीदारी पर उन्होंने कहा, 'सभी राज्य मेहनत कर रहे हैं और जब राज्य विकास करते हैं तो देश अपने आप विकसित होता है। प्रधानमंत्री मोदी का राज्य स्तर का अनुभव अब पूरे देश को लाभ पहुंचा रहा है।' अमीर देशों में बढ़ते कर्ज को लेकर भारत की चिंता को लेकर किए सवाल पर वैष्णव ने कहा कि अपनी व्यापक आर्थिक एवं वित्तीय स्थिति को देखते हुए भारत उन कुछ देशों में शामिल है जिनका कर्ज स्तर कम है।

यूरोपीय संघ ने निर्यात लाभ छूट को रोका, भारत से कारोबार पर असर संभावित

नई दिल्ली, 22 जनवरी (भाषा)।

यूरोपीय संघ (ईयू) ने एक जनवरी, 2026 से भारत और दो अन्य देशों को सामान्यीकृत तरजीही व्यवस्था (जीएसपी) के तहत कुछ क्षेत्रों को दिए गए विशेष निर्यात लाभ को स्थगित कर दिया है।

यह कदम 27 देशों वाले इस समूह को भारत से होने वाले निर्यात पर असर डालेगा। यह घटना इस लिहाज से महत्त्वपूर्ण है कि भारत और यूरोपीय संघ 27 जनवरी को मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) पर बातचीत पूरी होने की घोषणा कर सकते हैं।

यूरोपीय संघ के आधिकारिक जर्नल के मुताबिक, यूरोपीय आयोग ने सितंबर, 2025 में नियम जारी किए थे, जिनके तहत जीएसपी लाभ पाने वाले कुछ देशों- भारत, इंडोनेशिया और केन्या के लिए यह निर्यात छूट एक जनवरी 2026 से 31 दिसंबर 2028 तक लागू नहीं होगी। इसका मतलब है कि अब तक 12 फीसद शुल्क वाले किसी वस्त्र उत्पाद पर जीएसपी के तहत 9.6 फीसद शुल्क ही देना पड़ता था, लेकिन अब पूरी 12 फीसद दर लागू होगी।

यह छूट अब लगभग सभी प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों- खनिज, रसायन, प्लास्टिक, रबर, वस्त्र और परिधान, पत्थर एवं सिरेमिक, कीमती धातुएं, लोहा एवं इस्पात, मशीनरी, इलेक्ट्रिकल वस्तुएं और परिवहन उपकरण से हटा दी गई है। ये क्षेत्र भारत के यूरोपीय निर्यात का प्रमुख आधार हैं। 87 फीसद निर्यात अब उच्च आयात शुल्क के अधीन होंगे।

चुनाव आयोग ने तृणमूल विधायक पर मुकदमा दर्ज करने को कहा

कोलकाता, 22 जनवरी (भाषा)।

चुनाव आयोग ने पिछले सप्ताह पश्चिम बंगाल के फरक्का प्रखंड विकास कार्यालय (बीडीओ) में हुई तोड़फोड़ के संबंध में राज्य की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के विधायक मोनिरुल इस्लाम के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश गुरुवार को दिया। आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि आयोग ने जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि गुरुवार शाम पांच बजे तक प्राथमिकी दर्ज कराएं। उन्होंने बताया कि स्थानीय विधायक मोनिरुल इस्लाम ने अपने समर्थकों के साथ कथित तौर पर फरक्का बीडीओ कार्यालय के बाहर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान 'जनता के उत्पीड़न' के विरोध में प्रदर्शन किया। बाद में प्रदर्शनकारियों ने कार्यालय में तोड़फोड़ की।

चुनाव आयोग ने घटना का संज्ञान लिया और पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार से बात की और प्राथमिकी दर्ज करने को कहा। पुलिस ने निर्देश का पालन किया, लेकिन प्राथमिकी में विधायक को बतौर आरोपी नामजद नहीं किया।

चुनाव आयोग ने अब निर्देश दिया है कि इस्लाम को नामजद करते हुए नई प्राथमिकी दर्ज की जाए। अधिकारी ने कहा कि यह अशांति बूथ स्तरीय अधिकारियों के एक वर्ग के प्रदर्शनों के कारण भड़की, जिन्होंने पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान नागरिकों के उत्पीड़न का आरोप लगाया।

त्योहार

भोपाल में गणतंत्र दिवस समारोह से पहले गुरुवार को राष्ट्रीय झंडे की खरीदारी करती महिलाएं।

डाक विभाग का लक्ष्य राजस्व में 30 फीसद की वृद्धि करना : सिंधिया

नई दिल्ली, 22 जनवरी (ब्यूरो)।

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को कहा कि डाक विभाग ने चालू वित्त वर्ष में राजस्व में 30 फीसद की वृद्धि हासिल करने का लक्ष्य रखा है। डाक विभाग (डीओपी) की 2025-26 तीसरी (अक्तूबर-दिसंबर) तिमाही समीक्षा के बाद मंत्री ने कहा कि छह में से पांच क्षेत्रों के राजस्व में वृद्धि दर्ज की गई जबकि अमेरिकी सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के कारण अंतरराष्ट्रीय डाक का राजस्व स्थिर रहा।

सिंधिया ने कहा, '2025-26 के लिए हमारा लक्ष्य 17,546 करोड़ रुपए है जिसका मतलब है कि हम वित्त वर्ष 2024-25 के 13,240 करोड़ रुपए से एक ही वित्त वर्ष में राजस्व में 30 फीसद की वृद्धि का लक्ष्य रख रहे हैं।'

राजस्व लक्ष्य से ढाई फीसद पीछे रही रेलवे की ढुलाई

राकेश शर्मा
नई दिल्ली, 22 जनवरी।

भारतीय रेलवे का अप्रैल से नवंबर 2025 के बीच माल परिवहन लक्ष्य से करीब ढाई फीसद पीछे रहा। हालांकि साल 2024 के मुकाबले करीब तीन फीसद से अधिक की बढ़त दर्ज हुई है।

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के नवंबर 2025 माह की बुनियादी ढांचा क्षेत्र की समीक्षा रपट के मुताबिक रेलवे ने अप्रैल-नवंबर 2025 के लिए रेलवे ने 1098.640 मिलियन टन रेलवे राजस्व माल यातायात का लक्ष्य रखा था। लेकिन रेलवे 1070.790 मिलियन टन ही रेलवे राजस्व माल यातायात कर सकी। इसमें 50 फीसद हिस्सेदारी कोयले की रही। जबकि लौह अयस्क की हिस्सेदारी 11 फीसद, सीमेंट नौ फीसद, कंटेनर सेवा छह फीसद, पिग आयरन व तैयार इस्पात पांच फीसद, खनिज तेल (पीओएल) और खाद्यान्न तीन-तीन फीसद, उर्वरक चार फीसद, लौह को छोड़कर स्टील प्लांट के लिए कच्चा माल दो फीसद और अन्य वस्तुएं करीब सात फीसद रही। वहीं साल 2024 में अप्रैल-नवंबर के दौरान रेलवे राजस्व माल यातायात का आंकड़ा 1037.080 मिलियन टन दर्ज किया गया।

रपट के मुताबिक रेलवे ने नवंबर 2025 के दौरान 135.71 मिलियन टन राजस्व अर्जित करने वाला माल परिवहन किया। यह यह महीने के लक्ष्य का 97.21 फीसद रहा और पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 4.24 फीसद अधिक है।

भू-राजनीतिक तनाव घटने से बाजार में लौटी तेजी

रुपया सात पैसे सुधरकर 91.58 प्रति डालर पर बंद

मुंबई, 22 जनवरी (भाषा)।

घरेलू शेयर बाजारों में मजबूती और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) के संभावित हस्तक्षेप से रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले गुरुवार को रिकार्ड निचले स्तर से मामूली सुधार के साथ सात पैसे बढ़कर 91.58 प्रति डालर पर बंद हुआ। देशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि दावोस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सकारात्मक टिप्पणियों से भी बाजार धारणा में सुधार हुआ। ट्रंप ने कहा कि ग्रीनलैंड को लेकर भविष्य के एक समझौते का ढांचा तय हो गया है और एक फरवरी से यूरोपीय देशों पर प्रस्तावित शुल्क को फिलहाल लागू नहीं किया जाएगा।

अंतर-बैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 91.54 पर खुला। कारोबार के दौरान रुपए ने 91.48 के उच्च स्तर और 91.68 के निचले स्तर को भी छुआ। लेकिन अंत में यह 91.58 प्रति डालर पर बंद हुआ जो इसके अब तक के सबसे निचले स्तर से सात पैसे अधिक है। बुधवार को रुपया 68 पैसे टूटकर डालर के मुकाबले अपने सर्वकालिक निचले स्तर 91.65 पर बंद हुआ था।

एफआइआइ ने 1,787.66 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर बेचे, जबकि डीआइआइ ने 4,520.47 करोड़ रुपए की खरीदारी की।

सेंसेक्स 398 अंक चढ़ा, निफ्टी में 132 अंकों की बढ़त

वैश्विक बाजारों में मजबूती और ग्रीनलैंड मामले में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नरम रुख अपनाने से गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार लगातार तीन सत्रों की गिरावट से उबरने में सफल रहे। सेंसेक्स 398 अंक चढ़ गया जबकि निफ्टी में 132 अंकों की तेजी रही। कारोबारियों ने कहा कि अमेरिकी डालर के मुकाबले रुपए में हल्का सुधार आने और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी निवेशक धारणा को समर्थन मिला। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स उतार-चढ़ाव के बीच 97.74 अंक बढ़कर 82,307.37 अंक पर बंद हुआ।

सुप्रीम कोर्ट से चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज करने का आग्रह | पुनरीक्षण | बिना किसी ठोस आधार के जांच नहीं की जा सकती

निर्वाचन आयोग ने निष्पक्ष, न्यायसंगत और उचित बताया

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 22 जनवरी।

निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) करने संबंधी निर्णय को 'निष्पक्ष, न्यायसंगत और उचित' बताया और सुप्रीम कोर्ट से बिहार में इस प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज करने का आग्रह किया। आयोग ने दलील दी कि कुछ गैर सरकारी संगठनों और नेताओं के इशारे पर विशेष पड़ताल के नाम पर बिना किसी ठोस आधार के जांच नहीं की जा सकती।

एडीआर (एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स), पीयूसीएल (पीपुल्स यूनियन फार सिविल लिबर्टी) तथा कुछ सांसदों के कहने पर बिना किसी ठोस आधार के जांच की अनुमति नहीं दी जा सकती। वरिष्ठ वकील ने बिहार समेत विभिन्न राज्यों में निर्वाचन आयोग द्वारा एसआइआर करने के निर्णय को चुनौती देने संबंधी याचिकाओं की अंतिम सुनवाई के दौरान ये दलीलें पेश कीं। उन्होंने उस फैसले का जिक्र किया जिसमें शीर्ष अदालत ने मतपत्रों को फिर से लागू करने और इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को रद्द करने की याचिका खारिज कर दी थी। उन्होंने कहा कि संक्षेप में, हमें यूरोप का अनुसरण करना चाहिए। अगर वे ईवीएम को अपनाते हैं, तो हमें भी इसे अपनाना चाहिए। और अगर वे मतपत्रों को अपनाते हैं, तो हमें भी इसे अपनाना चाहिए। एक व्यक्ति अखबार में लेख लिखता है और दूसरा व्यक्ति उसी का हवाला देते हुए उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर करता है।

निर्वाचन आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने कहा कि बिहार एसआइआर में जिन 66 लाख लोगों के नाम हटाए गए थे, उनमें से कोई भी इस अदालत या हाई कोर्ट में नहीं आया और न ही उन्होंने निर्वाचन आयोग के समक्ष कोई याचिका दायर की।

द्विवेदी ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जायमाल्य बागची की पीठ से अपील की कि वे एसआइआर का बचाव करते हुए याचिकाओं को खारिज कर दें और साथ ही जुर्माना भी लगाया जाये, क्योंकि एसआइआर की कवायद लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, वैधानिक शक्तियों का एक वैध और पारदर्शी प्रयोग है।

द्विवेदी ने दलील दी कि एक बार जब निर्वाचन आयोग 1950 के अधिनियम की धारा 21(3) के तहत अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करता है, तो विशेष पुनरीक्षण करने का तरीका और प्रक्रिया पूरी तरह से उसके विवेक पर निर्भर करती है। बिहार में लगभग 20 साल से एसआइआर कवायद नहीं की गई थी और इसे शहरीकरण और जनसंख्या के आवागमन समेत बदलती जनसांख्यिकीय परिस्थितियों को देखते हुए किया गया। हालांकि, प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि अगर निर्वाचन आयोग का यह तर्क मान लिया जाता है कि धारा 21(3) बिना किसी रोक-टोक के विवेक का अधिकार देती है, तो 'मामला वहीं खत्म हो जाएगा।' न्यायमूर्ति बागची ने सवाल किया कि क्या बदला हुआ नागरिकता ढांचा मौजूदा एसआईआर का कारण था, और कहा कि निर्वाचन आयोग के आदेश में साफ तौर पर सीमा पार या अवैध प्रवासन को इसका आधार नहीं बताया गया था।

न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि आमतौर पर 'प्रवासन' शब्द का मतलब कानूनी आवाजाही होता है। एक राज्य से दूसरे राज्य में जाना संवैधानिक अधिकार है। द्विवेदी ने कहा कि यह संशोधन पहले कभी लागू नहीं किया गया था।

व्यक्ति एक विचार के लिए जान दे सकता है, पर उसकी मौत के बाद वही विचार हजारों जिंदगियों में प्रतिबिंबित हो सकता है। - सुभाष चंद्र बोस

मतभेद की रेखाएं

दावोस में नाटो प्रमुख मार्क रूट के साथ वार्ता के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बेशक यूरोपीय देशों पर दस फीसदी टैरिफ लगाने के अपने फैसले से पीछे हट गए हों, लेकिन पिछले कुछ समय से अमेरिका और यूरोप के ऐतिहासिक गठजोड़ में मतभेद की रेखाएं तो उभरती दिख ही रही हैं। उल्लेखनीय है कि दोनों के बीच अविश्वास का दौर तो रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान ही शुरू हो गया था, जब ट्रंप ने अमेरिका की पुरानी नीति को बदलते हुए पुतिन के प्रति गर्माहट और यूक्रेन के प्रति ठंडा रवैया दिखाना शुरू किया था। हालांकि, फिर ट्रंप अपनी शैली के अनुरूप बदलते दिखे। ग्रीनलैंड के मुद्दे ने दोनों पक्षों के बीच विवादों को फिर हवा दी है, जहां ट्रंप की आक्रामकता पर प्रतिक्रिया देते हुए यूरोपीय संघ ने भी अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को स्थगित कर दिया है। नाटो प्रमुख से बातचीत के बाद ट्रंप ने ग्रीनलैंड को लेकर भविष्य के एक समझौते तक पहुंचने की बात कही है, लेकिन विश्व आर्थिक फोरम के मंच से ट्रंप ने जिस तरह से यूरोपीय देशों को आड़े हाथों लिया, उससे अमेरिका व यूरोप के बीच गहराते मतभेद ही उजागर होते हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की टिप्पणी इस संबंध में उल्लेखनीय है कि हम नियमविहीन दुनिया की तरफ बढ़ रहे हैं, जिसमें साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षाएं फिर से उभर रही हैं। इस बीच, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन की इस चेतावनी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि ट्रंप जिस राह पर चल रहे हैं, उसके नतीजे खतरनाक हो सकते हैं। भारत के लिए अच्छी बात यह है कि यूरोपीय संघ नई ऊर्जा के साथ उसकी तरफ देख रहा है। दोनों के बीच ऐतिहासिक व्यापार समझौते पर आगामी 27 जनवरी को दस्तखत होने हैं, जिसे 'मदर ऑफ ऑल डील' कहा जा रहा है। इसके अतिरिक्त, यूरोपीय संघ ने भारत के साथ एक नए रक्षा समझौते को भी मंजूरी दी है। ये समझौते भारत के लिए भी अहम हैं, लेकिन चूंकि बहुध्रुवीय विश्व में कोई भी गठबंधन स्थायी नहीं हो सकता, भारत को

अपनी रणनीतिक स्वतंत्रता की रक्षा करते हुए संभलकर ही आगे बढ़ना होगा। जहां तक बात यूरोप और अमेरिका के बीच संबंधों के भविष्य की है, तो वे टूटन की कगार पर भले न हों, लेकिन बदलते समय की कसौटी पर इनकी मजबूत परीक्षा जरूर हो रही है।

उम्मीद पर दुनिया कायम है

भारत के शीर्ष निर्यात गंतव्य अभी भी अमेरिका, चीन और यूएई हैं। आयात स्रोत भी चीन, अमेरिका, हांगकांग, यूएई और आयरलैंड ही हैं। यानी अनिश्चितताओं के बावजूद, निर्यात व आयात की समग्र संरचना नहीं बदली है। भविष्य की चुनौतियों के मद्देनजर भारत का निर्यात परिदृश्य सतर्क, लेकिन उम्मीदों से भरा लग रहा है।

बढ़ती वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के बीच निर्यात के बारे में भविष्यवाणी करना आसान काम नहीं है। 2026 की शुरुआत को अभी दो हफ्ते से थोड़ा ही ज्यादा समय हुआ है, लेकिन साल ने आते ही वैश्विक राजनीति में जबर्दस्त हलचल मचा दी है। इसी कड़ी में अमेरिकी सेना द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को बेहद चौंकाने वाले तरीके से पकड़े जाने की खबर ने दुनिया भर में सुर्खियां बटोरी हैं। इस घटना ने तेल बाजारों में उथल-पुथल मचा दी है और भू-राजनीति के स्थापित नियमों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। साथ ही यह बहस भी तेज हो गई है कि क्या हम अंतरराष्ट्रीय संबंधों के एक नए, अधिक अनिश्चित और अप्रत्याशित दौर में प्रवेश कर रहे हैं।

कई जानकारों का कहना है कि ट्रंप का यह कदम वेनेजुएला में लोकतंत्र बहाल करने के इरादे से कहीं अधिक है। ऐसा वेनेजुएला के तेल और दुर्लभ खनिजों पर नियंत्रण करने के इरादे से किया गया है, क्योंकि इस देश के पास दुनिया का सबसे बड़ा प्रमाणित कच्चे तेल का भंडार है, जो करीब 303 अरब बैरल है और यह वैश्विक भंडार का लगभग 17 प्रतिशत हिस्सा है। उधर ईरान विरोध प्रदर्शनों से उबल रहा है और पता नहीं आने वाले समय में यह किस दिशा में जाएगा। भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बावजूद, भारत ने अब तक आर्थिक विकास और निर्यात, दोनों मामलों में मजबूती दिखाई है। हालांकि, मौजूदा अनिश्चितताओं को देखते हुए, पिछला प्रदर्शन भविष्य के प्रदर्शन का संकेत नहीं है। भारत की निर्यात बढ़ोतरी का परिदृश्य सतर्क, लेकिन आशा भरा दिखाई दे रहा है। उम्मीद है कि ऐसा सेवा क्षेत्र, इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मा क्षेत्र के विकास से होगा।

पिनाकी चक्रवर्ती
एनआईपीएफपी के पूर्व निदेशक

यह भी बताया गया है कि आयात में बढ़ोतरी के कारण भारत का वस्तु व्यापार घाटा बढ़ गया है। आयात में बढ़ोतरी हमेशा खराब नहीं होती, क्योंकि भारतीय निर्यात काफी हद तक आयात पर निर्भर रहता है। यह जानना भी जरूरी है कि दिसंबर में अमेरिका को होने वाला निर्यात महीने-दर-महीने बढ़ा है। ट्रंप प्रशासन द्वारा ज्यादा टैरिफ लगाए जाने के बावजूद, अमेरिका से निर्यात की मांग बढ़ी है। हालांकि, दिसंबर 2025 में भारत का कुल निर्यात 74 अरब डॉलर रहने का अनुमान है, जो दिसंबर 2024 की तुलना में 1.01 प्रतिशत की नकारात्मक वृद्धि है। कुल आयात 80.94 अरब डॉलर रहने का अनुमान है, जो दिसंबर 2024 की तुलना में 6.17 प्रतिशत की सकारात्मक वृद्धि है। मौजूदा वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों (अप्रैल-दिसंबर) में भी अमेरिका को होने वाला निर्यात करीब 10 प्रतिशत बढ़कर 65.88 अरब डॉलर तक पहुंच गया। इसी अवधि में भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय वस्तु व्यापार 105.31 अरब डॉलर रहा, जिसमें भारत ने 26.45 अरब डॉलर का व्यापार अधिशेष (ट्रेड सरप्लस) दर्ज किया। इसकी तुलना में पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में द्विपक्षीय व्यापार 94.97 अरब डॉलर था और भारत का व्यापार अधिशेष 25.09 अरब डॉलर रहा था।

भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई। भारत के निर्यात में कुछ सुधार देखने को मिला, तो चीन से आयात तेजी से बढ़ा है। यह रुझान साफ तौर पर चीनी मध्यवर्ती और इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों पर भारत की बढ़ती निर्भरता को दर्शाता है। यही कारण है कि वित्त वर्ष 2025-26 के अप्रैल से दिसंबर के दौरान भारत का कुल व्यापार निर्यात बढ़कर 330.29 अरब डॉलर पर पहुंच गया था, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 322.41 अरब डॉलर था। हालांकि, मौजूदा वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में आयात बढ़कर 578.61 अरब डॉलर हो गया, जिसके चलते वस्तु व्यापार घाटा 248.3 अरब डॉलर तक पहुंच गया।

गौरतलब है कि, भारत के शीर्ष निर्यात गंतव्य अभी भी अमेरिका, चीन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) हैं। भारत के आयात स्रोत भी चीन, अमेरिका, हांगकांग, यूएई और आयरलैंड ही हैं। दूसरे शब्दों में, कई अनिश्चितताओं के बावजूद, निर्यात और आयात की समग्र संरचना नहीं बदली है। हालांकि, निर्यात बाजार और आयात स्रोत में निश्चितता और अनुमानितता सुनिश्चित करने के लिए यह जरूरी है, लेकिन इस सामान्य व्यावसायिक स्थिति को हल्के में नहीं लिया जा सकता। यह खासकर राष्ट्रपति ट्रंप के आक्रामक रवैये के संदर्भ में महत्वपूर्ण है, जो भारतीय निर्यात पर 500 फीसदी टैरिफ लगाने और ईरान के साथ व्यापार करने वाले सभी देशों पर 25 फीसदी एकतरफा टैरिफ लगाने की धमकी दे रहे हैं।

बढ़ती अनिश्चितताओं, जिनमें से अधिकांशतः ट्रंप प्रशासन की वजह से हैं, को कम करने के लिए भारत को अपने निर्यात बाजार में विविधता लाने की जरूरत है। इस संदर्भ में, यह बताना जरूरी है कि भारत का लक्ष्य 2030 तक 20 खरब अमेरिकी डॉलर का निर्यात करना है। यह तभी संभव हो सकता है, जब नए बाजार तक पहुंचा जाए और उत्पादों में ज्यादा विविधता लाई जाए।

अगर हम भारत के वस्तु निर्यात को देखें, तो 70 फीसदी से ज्यादा निर्यात देश के कुछ बड़े विकसित राज्यों से होता है। ये राज्य भारत के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि में भी काफी योगदान देते हैं। इसलिए, ऐसी नीतियां लागू करने की जरूरत है, जो निर्यात मांग में उतार-चढ़ाव को कम कर सकें, जिसके लिए निर्यात के लिए नए बाजार खोजने होंगे। आखिरकार, कुछ ऐसे क्षेत्र भी होते हैं, जिनका निर्यात में योगदान शायद उतना अधिक न हो, लेकिन ऐसे क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाएं बहुत ज्यादा होती हैं। उदाहरण के लिए, रत्न व आभूषण और चमड़ा उद्योग बहुत ज्यादा रोजगार देने वाले निर्यात सेक्टर हैं।

नीति आयोग ने हाल ही में निर्यात तैयारी सूचकांक (एक्सपोर्ट प्रिपेयर्डनेस इंडेक्स-ईपीआई) की रूपरेखा जारी की है। इस रिपोर्ट के अनुसार, महाराष्ट्र और तमिलनाडु निर्यात तैयारी सूचकांक में शीर्ष राज्य हैं। ईपीआई निर्यात नीति, व्यावसायिक माहौल, आधारभूत संरचना की गुणवत्ता और निर्यात के नतीजों के आधार पर निर्यात की तैयारी का मूल्यांकन करने के लिए अलग-अलग आंकड़ों का इस्तेमाल करता है। हालांकि, ईपीआई का पहला संस्करण अगस्त, 2020 में प्रकाशित हुआ था, लेकिन ताजा संस्करण इन अनिश्चित समय में राज्यों द्वारा नीतियां बनाने और निर्यात बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण वैल्यू एडिशन (मूल्यवर्धन) है। चूंकि, राज्य ही विकास और निर्यात के वाहक हैं, इसलिए उम्मीद है कि सोच-समझकर अपनाया गया तरीका आगे अनिश्चितता के झटके को कम करेगा।

edit@amarujala.com

खास

इस वसंत आम्रमंजरी का संदेश

■ **हजारी प्रसाद द्विवेदी**

यह विश्व अद्भुत है, पर उसे समझने के लिए जूझने वाला मनुष्य उससे भी ज्यादा आश्चर्यजनक। आम्रमंजरी इसी अचरज का संदेश लेकर आती है।

हर साल वसंत पंचमी पर आम्रमंजरी (आम के बौर) को मेरी आंखें खोजती हैं। बचपन में सुना था कि वसंत पंचमी के पहले अगर यह दिख जाए, तो उसे हथेली पर रगड़ लेना चाहिए, क्योंकि ऐसी हथेली साल भर तक बिच्छू के डंक को आसानी से उतार देती है। वसंत पंचमी से पहले अगर आम्रमंजरी दिख जाती है, तो बिच्छू की याद अवश्य आ जाती है। सोचता हूं आम्रमंजरी और बिच्छू में क्या संबंध है?

विद्वान (पंडित) लोग कहते हैं कि आम्र शब्द अम्र या अम्ल का रूपांतर है। अम्र अर्थात खट्टा। वैदिक आर्यों में इस फल की कोई विशेष कदर नहीं थी। लेकिन अमृत शब्द कुछ इसी अम्र के अम्रित (खट्टा बना हुआ) से बना-बिगड़ा होगा। बाद में आम्र संसार का सबसे मीठा फल और अम्रित 'अमृत' बन गया। अपना-अपना भाग्य है। शब्दों के भी भाग्य होते हैं। परंतु यह सब अनुमान ही अनुमान है। पर बिच्छू के साथ आम का संबंध चक्कर में डाल देने वाला जरूर है। मैं जब आम की मनोहर मंजरियों को देखता हूं, तब बिच्छू की याद आ जाती है। बिच्छू संसार का सबसे पुराना, खूसट, सबसे क्रोधी और दकियानूस जीव है। प्रायः मोहक वस्तुओं को देखकर मनहूस लोगों की याद आ ही जाती है।

जरा तुक मिलाइए। आम्रमंजरी मदन देवता का अमोघ बाण है और बिच्छू मदन विध्वंसी महादेव का अचूक बाण। परसाल भी मैंने वसंत पंचमी के पहले आम्र मुकुल देखे थे। पर वे बड़ी जल्दी मुरझा गए। उन्हें दोबारा फूलना पड़ा। मुझे बड़ा अद्भुत लगा। आगे-आगे क्यों फूलते हो बाबा, जरा रुककर ही फूलते।

मेरे एक मित्र ने कहा कि नववधू के समान बेचारी यह आम्रमंजरी जरा-सा बाहर झांकने निकली और हमारे जैसे मनहूसों को देखकर लजा गई। यह उसकी कल्पना थी। पर अगर यह बात सच होती, तो मैं कहीं मुंह दिखाने लायक नहीं रहता। कालिदास ने इसी प्रकार आम्रमंजरी को सकुचाते देखा था। *शकुंतला* नाटक में वह उसका कारण भी बता गए हैं। उन्होंने इन्हें वसंत काल का 'जीवितसर्वस्व' कहा है। *कामशास्त्र* में सुवसंतक नामक उत्सव की चर्चा है। *सरस्वती कंठाभरण* में लिखा है कि सुवसंतक वसंतावतार के दिन को कहते हैं। वसंतावतार, यानी जिस दिन वसंत पृथ्वी पर अवतरित होता है। *मात्स्यसूक्त* और *हरिभक्तिविलास* ग्रंथों में इसी दिन को वसंत का प्रादुर्भाव दिवस माना गया है। इस दिन मदन देवता की पहली पूजा विहित है। यह भी अच्छा तमाशा है। जन्म हो वसंत का और उत्सव मदन देवता का। पर आम्रमंजरी व बिच्छू का चक्कर मुझे अब भी चक्कर में डाले हुए है।

कालिदास ने एक जगह आम्र कोरकों को यह आशीर्वाद दिलाया कि तुम कामदेव के पांच बाणों से अभ्यधिक बाण बनो। पर पंडित जी लोग कहते हैं कि इसका अर्थ है पांच बाणों में सबसे तीक्ष्ण। पुराणों की गवाही पर मान लिया जा सकता है कि असुरों की आखिरी हार अनिरुद्ध और ऊषा के विवाह के अवसर पर हुई थी। असुरों की ओर से भोलेनाथ का समूचा दल उमड़ पड़ा था। उनके दल में भूत-प्रेत, बेताल, पिशाच आदि थे, तो सांप व बिच्छू भी रहे होंगे। शिवजी श्रीकृष्ण से गुंथे थे, प्रद्युम्न अर्थात कामदेव स्कंद (देवसेनापति) से। *भागवत* में यह कथा विस्तार से बताई गई है। इस लड़ाई में असुर बुरी तरह हारे। शिवजी भी हारे। कैसे और कब प्रद्युम्न ने आम्रकोरकों का बाणसंधान किया और बेचारा बिच्छू परास्त हुआ। यह कहानी इतिहास में दबी रह गई, पर लोग जान गए हैं।

आम की मंजरी विधाता का वरदान है, पर आम का फल मनुष्य की बुद्धि का परिणाम। यह विशाल विश्व अद्भुत है, पर इसको समझने के लिए प्रयत्न करने वाला और इसे करतलगत करने के लिए जूझने वाला यह मनुष्य और भी आश्चर्यजनक है। आम्रमंजरी इसी अचरज का संदेश लेकर आती है।

आशा करता हूं इस बार आम्रमंजरी को मुरझाना नहीं पड़ेगा।

-'आम फिर बौरा गए' निबंध का अंश

पतझड़ से भय कैसा

वृद्धावस्था में ही देखने की दृष्टि तेज होती है, भले ही आंखें थकी हों। जहां शोर कम होता है, पर बातों का अर्थ साफ सुनाई देता है। डर केवल उन्हें ही लगता है, जिन्होंने जीवन को 'कल' पर टाल दिया। जिसने हर मौसम को जिया, उसे पतझड़ से भय कैसा?

जीवन कोई सीधी रेखा नहीं, बल्कि एक महासागर है। हम अक्सर इस भ्रम में रहते हैं कि हमें बस एक ही दिशा में चप्पू चलाना है, लेकिन समय की लहरें हमें घुमाती हैं, मोड़ती हैं और फिर उन अनजाने तटों पर ले जाती हैं, जिनके बारे में हमने कभी सपने में भी नहीं सोचा था।

जीनेट विंटर्सन

याद रखें, जो किनारा पीछे छूट गया, वह खोया नहीं है, बल्कि वह आपकी नींव है। बचपन में वृद्धावस्था एक लोककथा जैसी लगती है, जवानी में वही एक दूर की चेतावनी, लेकिन आज? आज यह एक जीवंत अनुभव की तरह है। आप समय के साथ बुजुर्ग नहीं होते, बल्कि समय के साथ और अधिक जवां होते जाते हैं।

वृद्धावस्था हार नहीं है। यह प्रमाण है कि आप टिके रहे, कि आप बहे नहीं, टूटे नहीं। जैसे ढलता सूरज दिन को खत्म नहीं करता, बल्कि आकाश को रंगों से भर देता है, वैसे ही उम्र चेहरे पर रेखाएं नहीं, अर्थ छोड़ती है। झुर्रियां समय की कविता हैं, धीमे कदम गहराई का संकेत हैं, और थकान इस बात का सबूत कि आपने जीवन से दूरी नहीं बनाई। यह उम्र ठहरना सिखाती है। वृद्धावस्था हमें सिखाती है कि हर चीज को मुट्ठी में भींच कर रखना जरूरी नहीं। कुछ चीजों को मुक्त कर देना ही सबसे बड़ी स्वतंत्रता है। यही

मुड़-मुड़ के देख

वह उम्र है, जहां देखने की दृष्टि तेज होती है, भले ही आंखें थकी हों। जहां शोर कम होता है, लेकिन बातों का अर्थ साफ सुनाई देता है। डर केवल उन लोगों को लगता है, जिन्होंने जीवन को 'कल' पर टाल दिया है। लेकिन जिसने हर मौसम को जिया है, उसे पतझड़ से क्या भय? सफेद बाल और कुछ थकी हुई मांसपेशियां कोई दुर्घटना नहीं हैं, वे आपकी लंबी यात्रा का विजय स्मारक हैं।

समय को अपना शत्रु मत बनाइए, उसे अपना सहयात्री बनाइए। जब अगर आपको लगे कि समुद्र की लहरों ने आपको किसी नए, अपरिचित किनारे पर ला खड़ा किया है, तो घबराइए मत। शायद यही वह स्थान है, जहां आप वह बन सकते हैं, जो आप हमेशा से बनने के लिए जन्मे थे।

बच्चों को नैतिकता कौन सिखाएगा

अपने नाती की नैतिकता से जुड़ी दुविधा पर पैंसठ वर्षीय नानी को मनोवैज्ञानिक नीलकंठ ने कुछ यों समझाया-

पिछले दिनों मेरा नाती हमारे घर आया था, जिसे उसकी मामी (मेरी बहू) ने कुछ उपहार दिए, लेकिन उसने धन्यवाद तक नहीं कहा। क्या यह उसकी नैतिक विफलता है?

आपने अपने नाती के व्यवहार को खराब आदत या नैतिक कमी का मामला बताया है, लेकिन मुझे इसके पीछे एक चाहत सुनाई दे रही है। हम खुद से कितना भी कह लें कि तोहफे का लेन-देन कोई खास बात नहीं है, पर सच्चाई यह है कि उनका अक्सर भावनात्मक महत्व होता है, जिसमें दोनों पक्ष वास्तव में पहचान चाहते हैं। देने वाला अपनी सोच और निवेश के लिए पहचान चाहता है, जबकि लेने वाला यह पक्का करना चाहता है कि उसे सच में संज्ञान में लिया गया है। वास्तव में दोनों मौन स्वर में पूछ रहे होते हैं कि क्या मैं आपके लिए मायने रखता हूं? और अगर रखता हूं, तो कितना?

जब हमें लगता है कि हमें देखा या सराहा नहीं जा रहा है, तो दुख भरी भावनाएं अच्छे चरित्र या सही शिष्टाचार के बारे में चिंता के रूप में खुद को छिपा लेती हैं, क्योंकि दर्द को बाहर निकालना यह कहने से ज्यादा आसान होता है, 'मुझे लगता है कि मैं तुम्हारे लिए जरूरी नहीं हूं।' लेकिन याद रखिए कि बच्चे अपने माता-पिता या अन्य वरिष्ठ पारिवारिक व्यक्तियों से ही सीखते हैं, और मुझे लगता है कि आपकी समस्या का संबंध आपके नाती से ज्यादा आपकी बेटी से है, जिसकी परवरिश आपने खुद की है।

अपनी बेटी से यह शिकायत करने के बजाय कि उसके बच्चों को अपनी मामी का धन्यवाद करना चाहिए, मैं यह कहना चाहूंगा कि आपको खुद ही इस बारे में अपने नाती से बात करनी चाहिए। मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं, क्योंकि आजकल ज्यादातर

किशोर उम्र के बच्चे माता-पिता के कहे बगैर ऐसा नहीं करते, और मुझे लगता है कि आपकी बेटी के आपकी बहू के साथ रिश्तों में अपनी कुछ भावनाएं हो सकती हैं, जिसकी वजह से बच्चे ने अपनी मामी के प्रति कोई भावना या प्रतिक्रिया नहीं दिखाई।

सबसे पहले, तो आप अपनी दुखती भावनाओं को अपने नाती के चरित्र के बारे में फैसला करने से अलग करें। उसे इस तरह की नैतिक सीख देना दादी-नानी का भी कर्तव्य है। दूसरा, आप यह सोचें कि वास्तव में आप चाहती क्या हैं-अपने नाती से बदले में धन्यवाद और कृतज्ञता अथवा अपनी तीसरी पीढ़ी से ज्यादा जुड़ाव और सम्मान?

अगर आप उनसे धन्यवाद चाहती हैं, तो उसे चेतावनी दे सकती हैं कि धन्यवाद कहे बिना कोई उपहार नहीं मिलेगा, लेकिन मुझे नहीं लगता कि जबर्दस्ती व्यक्त की गई कृतज्ञता की बातें ही आप सच में चाहती हैं।

अगर आप सच्चा जुड़ाव और सराहना चाहती हैं, तो आप मन में किसी भी तरह का शिकायत भाव लाए बगैर अपनी बेटी और नाती से सकारात्मक ढंग से बात करें।

*जिंदगी की दूसरी पारी बहुत महत्वपूर्ण होती है। हर शुक्रवार इस पर आपको नया पढ़ने को मिलेगा। आप अपने विचार, अनुभव या समस्याएं **edit@amarujala.com** पर भेज सकते हैं, विशेषज्ञों की मदद से हम कोशिश करेंगे कि संवाद का पुल बन सके।*

91 की उम्र में भी फिटनेस को लेकर गजब का जज्बा

फ्लोरिडा के जैक्सनविले की रहने वाली 91 वर्षीया डॉटी डोरियन ने अपनी पेलोटन फिटनेस बाइक पर 2,900 से ज्यादा बार एक्सरसाइज (राइड्स) करने का रिकॉर्ड बनाया है। वह मानती हैं कि अगर आप अपने शरीर को सक्रिय रखेंगे, तभी वह स्वस्थ रहेगा। वह कोई आम बुजुर्ग नहीं, बल्कि एक ट्रायथलीट (दौड़, तैराकी और साइकिलिंग करने वाली खिलाड़ी) रही हैं। 90 के पार होने के बाद भी उन्होंने व्यायाम करना नहीं छोड़ा। हुआ कुछ यों कि पेलोटन एप पर उम्र की श्रेणी सिर्फ '60' तक ही थी। डॉटी को लगा कि 60 और 90 साल के व्यक्ति की आपस में तुलना करना गलत है। उन्होंने लगातार 14 महीनों तक कंपनी को पत्र लिखे और बात की। आखिरकार जुलाई 2025 में पेलोटन ने उनकी बात मानकर अपने एप में '90 प्लस' और '100 प्लस' साल की नई आयु श्रेणियां जोड़ीं। उनके जीवन और संघर्ष पर 'बियॉन्ड ट्रायथलॉन' नामक एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी बनी है। इसके अलावा, यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ फ्लोरिडा (यूएनएफ) में उनके सम्मान में 'डॉटी डोरियन फिटनेस सेंटर' भी बनाया गया है।

वरिष्ठ नागरिकों के काम की संस्थाएं

- *विशेज एंड ब्लेसिंग्स* 'मन का तिलक' जैसे कार्यक्रमों के जरिये बुजुर्गों की मदद करने वाली संस्था है। यह संस्था परित्यक्त और असहाय बुजुर्गों के लिए मुफ्त में वृद्धाश्रम उपलब्ध कराती है, जहां उन्हें पौष्टिक भोजन, चिकित्सीय देखभाल, और प्रेमपूर्ण वातावरण प्रदान किया जाता है। यहां बुजुर्गों के लिए योग व मनोरंजन की सुविधाएं मौजूद हैं। इन सुविधाओं के जरिये उन्हें घर जैसा माहौल मिलता है। अधिक जानकारी के लिए इसकी आधिकारिक वेबसाइट wishesandblessings.net या 8448839110 पर संपर्क किया जा सकता है।
- *हेल्दी एजिंग इंडिया* संस्था बेसहारा व मानसिक रूप से पीड़ित बुजुर्गों को भोजन, आवास जैसी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराती है। यह मोबाइल यूनिट्स, क्लीनिकों, आंख के शिविरों तथा वृद्धाश्रमों के जरिये मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं भी प्रदान करती है। संस्था बुजुर्गों को सम्मान के साथ जीवन जीने में मदद करने के साथ ही, जरूरतमंद बच्चों को शिक्षित करने का काम भी करती है। अधिक जानकारी के लिए इसकी आधिकारिक वेबसाइट healthyagingindia.org या 7042936007 पर संपर्क कर सकते हैं।

पीएम आज तमिलनाडु में करेंगे चुनावी शंखनाद, केरल को देंगे चार नई ट्रेनें

प्रधानमंत्री मदुरंथकम में विशाल जनसभा को करेंगे संबोधित, एनडीए के सहयोगी दल भी रहेंगे मौजूद

अमर उजाला ब्यूरो/एजेंसी

नई दिल्ली/चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को केरल और तमिलनाडु के दौरे पर रहेंगे। तमिलनाडु के मदुरंथकम (चेंगलपट्टू) में एक विशाल जनसभा को संबोधित कर तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए के अभियान की शुरुआत करेंगे। इससे पहले पीएम केरल के तिरुवनंतपुरम में चार नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के साथ ही कई विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे। इसके बाद पीएम तिरुवनंतपुरम से चेन्नई पहुंचेंगे और वहां से हेलिकॉप्टर के जरिये मदुरंथकम जाएंगे। वे दोपहर 3 बजे रैली को संबोधित करेंगे और शाम 5 बजे दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

तमिलनाडु के लिए भाजपा के चुनाव प्रभारी पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को सहयोगी दलों के साथ बैठक कर एकजुटता सुनिश्चित की है। उन्होंने के पलानीस्वामी से मिलने के बाद दावा किया कि आगामी अप्रैल में राज्य में अन्नाद्रमुक (एआईएडीएमके) के नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन सत्ता में आएगा। जानकारी के मुताबिक, पीएम की रैली के दौरान मंच पर अन्नाद्रमुक (एआईएडीएमके) सहित एनडीए के सभी घटक दलों के नेता मौजूद रहेंगे। पीयूष गोयल ने विश्वास जताया है कि अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाला यह गठबंधन द्रमुक के भ्रष्ट और वंशवादी शासन को खत्म कर सत्ता में आएगा। उन्होंने सनातन धर्म पर टिप्पणी को लेकर उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन को पद से हटाने की मांग भी की। केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और कहा कि यह रैली द्रमुक शासन को उखाड़ फेंकने के लिए एक निर्णायक मोड़ साबित होगी।

केरल में कई विकास परियोजनाओं का करेंगे शुभारंभ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को तमिलनाडु में चुनावी शंखनाद से पहले केरल का दौरा करेंगे। इस दौरान वे चार नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। रेल कनेक्टिविटी को बढ़ावा देते हुए वे तीन अमृत भारत एक्सप्रेस सहित चार सेवाएं शुरू करेंगे। ये ट्रेनें केरल को तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश से जोड़ेंगी। प्रधानमंत्री केरल में पीएम स्वनिधि क्रेडिट कार्ड भी लॉन्च करेंगे। ब्याज मुक्त क्रेडिट की यह सुविधा रेहड़ी-पटरी वालों को तत्काल नकदी और डिजिटल लेनदेन में मदद करेगी। प्रधानमंत्री केरल के एक लाख लाभार्थियों को पीएम स्वनिधि के तहत ऋण भी वितरित करेंगे।

■ पीएम विज्ञान के क्षेत्र में प्रधानमंत्री मोदी तिरुवनंतपुरम में सीएसआईआर-एनआईआईएसटी नवाचार और उद्यमिता हब की आधारशिला रखेंगे। यह केंद्र आयुर्वेद और आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी पर केंद्रित होगा। इसके अलावा, प्रधानमंत्री श्री चित्रा तिरुनल संस्थान में एक अत्याधुनिक रेडियोसर्जरी केंद्र की नींव रखेंगे और पूजापुरा में एक आधुनिक प्रधान डाकघर का उद्घाटन करेंगे। ये परियोजनाएं स्वास्थ्य, शिक्षा और व्यापार को नई गति प्रदान करेंगी।

चुनाव आयोग ने लॉन्च किया नया एप ईसीआईनेट, भ्रामक सूचनाओं को रोकेगा

40 से अधिक मौजूदा मोबाइल और वेब एप को एकीकृत भी करेगा

सीईसी ज्ञानेश कुमार

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने नया एप ईसीआईनेट लांच किया है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने कहा कि यह भ्रामक सूचना का मुकाबला करने का एक हथियार है। सीईसी के मुताबिक एप की लॉन्चिंग के साथ ही भारत मंडपम में चल रहे लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने वाले देशों को इसी तरह का उपकरण विकसित करने में सहायता की पेशकश की गई।

कुमार ने बताया कि सम्मेलन के दौरान विभिन्न चुनाव प्रबंधन निकायों के प्रमुखों ने भ्रामक सूचना के विषय पर चिंता व्यक्त की थी। उन्होंने 'ईसीआईनेट' को गलत सूचनाओं के प्रसार की चुनौती से निपटने के लिए एक औजार करार दिया। ईसीआईनेट अपने 40 से अधिक मौजूदा मोबाइल और वेब एप्लिकेशन को एकीकृत करेगा व सभी चुनाव-संबंधी गतिविधियों के लिए एक एकल मंच प्रदान करेगा। ब्यूरो

इन सभी एप का होगा एकीकरण

ईसीआईनेट, वोटर हेल्पलाइन एप, वोटर टर्नआउट एप, सीविजिल, सुविधा, सक्षम और केवाईसी एप जैसे मौजूदा एप को समाहित कर देगा, जिसके कुल मिलाकर 5.5 करोड़ से अधिक डाउनलोड हो चुके हैं। इसके माध्यम से अब तक 150 करोड़ से ज्यादा दस्तावेजों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है। ज्ञानेश कुमार ने बताया कि दुनिया के देशों ने इस प्लेटफार्म को लेकर काफी उत्साह दिखाया है। आयोग देशों के चुनाव प्रबंधन निकाय की आवश्यकता के अनुरूप इसे डिजाइन करके उपलब्ध करा सकता है।

न्यूज डायरी

लश्कर भर्ती मॉड्यूल केस में कर्नाटक के युवक को दस साल की सजा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के लिए युवाओं को भर्ती करने और उन्हें कट्टरपंथी बनाने की साजिश के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत ने एक व्यक्ति को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के निवासी सैयद एम इदरीस को आईपीसी और यूएपीए की विभिन्न धाराओं के तहत दोषी ठहराया गया है। अदालत ने उस पर 70,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। एनआईए ने अप्रैल 2020 में पश्चिम बंगाल पुलिस से इस मामले की जांच अपने हाथ में ली थी। इदरीस को एक अन्य व्यक्ति के साथ गिरफ्तार किया गया था। ब्यूरो

केरल : पूर्व विधायक थमरकशन और उनका गुट एनडीए में शामिल

तिरुवनंतपुरम। केरल के पूर्व विधायक एवी थमरकशन और उनका गुट आधिकारिक तौर पर एनडीए (एनडीए) में शामिल हो गया है। थमरकशन को पिछले साल अगस्त में जनाधिपत्य संरक्षण समिति (जेएसएस) से पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण निष्कासित कर दिया गया था। उन्होंने अपने गुट का विलय एनडीए के सहयोगी दल हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेकुलर) में किया है। एजेंसी

गोवा नाइटक्लब अग्निकांड का आरोपी पूर्व सरपंच रेडकर का आत्मसमर्पण

पणजी। गोवा के एक नाइटक्लब में आग लगने की घटना से जुड़े मामले में अरपोरा-नागोवा के पूर्व सरपंच रोशन रेडकर ने बृहस्पतिवार को स्थानीय कोर्ट में आत्म समर्पण कर दिया। बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा पीठ ने बुधवार को रेडकर की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। पिछले महीने दिसंबर में गोवा के बर्च बाय रोमियो लेन नाम के एक नाइटक्लब में भीषण आग लग गई थी, जिसमें 25 लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस ने इस मामले में पूर्व सरपंच रेडकर के अलावा अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। एजेंसी

मिजोरम : असम राइफल्स ने जब्त की 15.42 करोड़ की हेरोइन, तस्कर फरार

आइजोल। मिजोरम के चम्फाई जिले में म्यांमार सीमा के पास असम राइफल्स ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 15.42 करोड़ रुपये मूल्य की हेरोइन जब्त की है। रक्षा प्रवक्ता के अनुसार, खुफिया सूचना के आधार पर दिलतलांग गांव में मंगलवार को मोबाइल चेक पोस्ट लगाया गया था। जांच के दौरान एक संदिग्ध दोपहिया वाहन को रोका गया, जिसमें से 2 किलो हेरोइन बरामद हुई। हालांकि, अंधेरे का फायदा उठाकर दोनों तस्कर भागने में सफल रहे। ब्यूरो

उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ के चलते फिर करवट बदलेगा मौसम

हिमाचल, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख में आज बारिश, ओलावृष्टि व आंधी-तूफान के आसार

अमर उजाला नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर भारत में सक्रिय एक के बाद एक पश्चिमी विक्षोभ के कारण मौसम का मिजाज तेजी से बदलने वाला है। मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में 23 जनवरी को अचानक मौसम बदलेगा और गरज-चमक के साथ तेज बारिश व बिजली गिरने की आशंका है, जिसको देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, पंजाब, हरियाणा और हिमालयी क्षेत्रों में बारिश, ओलावृष्टि, आंधी-तूफान और तेज हवाओं के साथ मौसम और अधिक सक्रिय रहने की संभावना जताई गई है।

इन दिनों उत्तर भारत, उत्तर-पश्चिम भारत और हिमालयी क्षेत्रों में मौसम के अचानक बदलाव का मुख्य कारण एक नहीं बल्कि कई पश्चिमी विक्षोभ हैं। आईएमडी के ताजा बुलेटिन के अनुसार एक पश्चिमी विक्षोभ इस समय उत्तरी पाकिस्तान के ऊपर सक्रिय है, जो लगभग 3.1 किमी की ऊंचाई पर स्थित है। इसके साथ ही ऊपरी वायुमंडल में लगभग 5.8 किमी की ऊंचाई पर एक निम्न दबाव वाला क्षेत्र (ट्रफ) बना हुआ है, जो पश्चिमी हवाओं के साथ जुड़ी हुई है। इसके अलावा पूर्वोत्तर ईरान के ऊपर एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है, जबकि उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ऊपर ऊपरी हवा में चक्रवाती प्रसार बना हुआ है। उपोष्णकटिबंधीय पश्चिमी जेट स्ट्रीम का पूर्वोत्तर भारत के ऊपर बहना भी मौसम को और अधिक अस्थिर बना रहा है। इन मौसमी परिस्थितियों के चलते जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद में भारी बारिश का अनुमान है, जहां 64.5 से 115.5 मिमी तक वर्षा हो सकती है। इन क्षेत्रों के साथ-साथ पंजाब में भी आंधी-तूफान, बिजली गिरने और ओलावृष्टि की आशंका जताई गई है। हरियाणा में 50 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ बारिश और वज्रपात हो सकता है, जिससे फसलों और सामान्य जनजीवन पर असर पड़ने की संभावना है।

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में बृहस्पतिवार को घने कोहरे के बीच डल झील में शिकारे का लुत्फ उठाते पर्यटक।

रोहतांग सहित लाहौल-स्पीति की ऊंची चोटियों पर गिरे फाहे

हिमाचल प्रदेश में मौसम के करवट बदलते ही बृहस्पतिवार को रोहतांग सहित लाहौल-स्पीति की चोटियों पर बर्फ के फाहे गिरे। शुक्रवार को कुल्लू, चंबा और लाहौल-स्पीति में भारी बर्फबारी का ऑरेंज अलर्ट जारी हुआ है। अन्य जगह बारिश-ओलावृष्टि का येलो अलर्ट है। 26 से 28 जनवरी तक प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों में मौसम खराब रहने के आसार हैं। इसके साथ ही उत्तराखंड, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान में भी मौसम में बदलाव होगा। पूर्वी राजस्थान में गरज-चमक के साथ बारिश और 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है, जबकि पश्चिमी राजस्थान में हल्की से मध्यम बारिश के साथ आंधी-तूफान हो सकता है।

सुबह और रात में कोहरे की चेतावनी

आईएमडी के अनुसार 23 जनवरी को पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में सुबह और रात के समय घना कोहरा छाने की संभावना है। 24 से 26 जनवरी के बीच राजस्थान में भी कोहरे के हालात बन सकते हैं, जिससे यातायात प्रभावित हो सकता है।

तापमान में उतार-चढ़ाव जारी...आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार उत्तर-पश्चिम भारत में अगले दो दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन इसके बाद तापमान में फिर गिरावट आने की संभावना है। मध्य भारत में फिलहाल तापमान में किसी बड़े बदलाव के संकेत नहीं हैं, हालांकि बाद में हल्की ठंड बढ़ सकती है।

मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह : समुद्री क्षेत्रों में भी मौसम बिगड़ने के संकेत हैं। अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। अरब सागर में 45 से 55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं के और मजबूत होकर 65 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है। मौसम विभाग ने मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी है।

कभी बात करना मुनासिब नहीं था, आज विश्वभर में गूंज रहे हिंदुत्व के नारे : शाह

शांतिकुंज के शताब्दी समारोह में बोले गृह मंत्री-श्रीराम शर्मा आचार्य ने हम बदलेंगे युग बदलेगा से जगाई अध्यात्म की अलख

हरिद्वार। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि युग परिवर्तन के लिए पं. श्रीराम शर्मा आचार्य ने ध्येय वाक्य 'हम बदलेंगे युग बदलेगा' देकर अध्यात्म की अलख जगाई है। इससे न केवल देश का सनातनी एकजुट हुआ बल्कि आज विश्व के 80 से अधिक देशों में परिवर्तन की अखंड ज्योति जल गई। एक समय था जब हिंदुत्व की बात करना भी मुनासिब नहीं था, वहीं आज विश्वभर में हिंदुत्व के नारे गूंज रहे हैं।

हरिद्वार के बैरागी द्वीप में आयोजित शांतिकुंज के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि भारतवर्ष पं. श्रीराम शर्मा आचार्य के उपकारों से कभी मुक्त नहीं हो सकेगा। इतिहासकार भी इसे मानने के लिए बाध्य होंगे कि देश के महापुरुषों और आध्यात्मिक जीवन को ऊर्जा देने वाले अनेक संतों के जीवन पर मेरा गहन अध्ययन है।

शाह ने कहा कि आज गायत्री परिवार के कार्यक्रम में आया हूं इसलिए नहीं कह रहा हूं, यह सत्य है कि आचार्य जी का कर्ज देश के सनातनियों पर है। उन्होंने कहा कि यह अखंड ज्योति की शताब्दी आगे और लोग भी इसे दो सौ वर्ष तक लेकर जाएंगे। शाह ने कहा कि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य ने एक जीवन में करोड़ों लोगों को व्यक्ति निर्माण के आंदोलन के साथ जोड़ा। यह केवल भक्ति के साथ जोड़ना ही नहीं बल्कि अध्यात्म के रास्ते पर प्रशस्त करने की मुहिम थी।

एक-एक कदम चलें तो देश 140 करोड़ कदम आगे चलेगा : गृह मंत्री शाह ने दिल्ली के एक कार्यक्रम में बच्ची के पूछे सवालों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जब वह आचार्य के ध्येय वाक्य को कोट कर रहे थे तो बच्ची ने पूछा कि केवल एक कदम बढ़ने से क्या होगा। इस पर उनका जवाब था कि यही एक कदम देश के अगर 140 करोड़ लोगों के बढ़ेंगे तो देश 140 करोड़ कदम आगे बढ़ेगा। शाह ने कहा कि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य ने भी एक कदम बढ़ाया और आज उस मुहिम और जनजागरण अभियान में 15 करोड़ कदम बढ़ते चले गए। हरिद्वार की पुण्यभूमि को उन्होंने ऋषियों संतों और मनीषियों के तप साधना के रूप में प्रणाम किया। संवाद

समारोह को संबोधित करते गृह मंत्री शाह।

संस्कृति की रक्षा से ही सीमा की सुरक्षा सुनिश्चित : राजनाथ

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि गायत्री परिवार का मानवता के विकास के लिए किया जा रहा कार्य अतुलनीय है। संस्कृति की रक्षा से ही सीमा की सुरक्षा सुनिश्चित है। उन्होंने कहा कि पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य ने व्यक्ति की चेतना तक पहुंचने का कार्य किया। उन्होंने सिद्ध किया कि विज्ञान और अध्यात्म एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि, एक-दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने कहा कि दीप महायज्ञ केवल एक अनुष्ठान नहीं, बल्कि, खंड-खंड में बिखरी चेतना को अखंड ज्योति में रूपांतरित करने की जीवन साधना है। रक्षामंत्री समारोह में वर्चुअल रूप से जुड़े।

टीएमसी विधायक इस्लाम पर एफआईआर दर्ज करने के ईसी ने दिए निर्देश

कोलकाता। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने पश्चिम बंगाल के अधिकारियों को फरक्का (मुर्शिदाबाद) के ब्लॉक विकास अधिकारी (बीडीओ) दफ्तर में हुई तोड़फोड़ के मामले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विधायक मनीरुल इस्लाम के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करने का निर्देश दिया है।

एसआईआर का विरोध करते हुए बीडीओ दफ्तर में की थी तोड़फोड़

चुनाव आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, ईसी ने मुर्शिदाबाद के जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) और जिलाधिकारी को विधायक इस्लाम के खिलाफ बृहस्पतिवार शाम 5 बजे तक एफआईआर दर्ज कर अनुपालन रिपोर्ट सौंपने को कहा था। इससे पहले स्थानीय प्रशासन की दर्ज की गई एफआईआर में विधायक का नाम शामिल नहीं था। आयोग ने इस पर संज्ञान लेते हुए अब विशेष रूप से विधायक का नाम शामिल कर नई एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है।

केरल विधानसभा में सबरीमला सोना चोरी मुद्दे पर हंगामा

एलडीएफ मंत्रियों ने लगाया आरोप-सोनिया से जुड़े हैं तार

तिरुवनंतपुरम/कोल्लम। केरल विधानसभा में बृहस्पतिवार को सबरीमला मंदिर से सोना गायब होने के मुद्दे पर सत्ताधारी एलडीएफ और विपक्षी यूडीएफ के बीच जमकर जुबानी जंग हुई। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने देवस्वोम मंत्री वीएन वसावन के इस्तीफे की मांग करते हुए सदन की कार्यवाही बाधित की। विपक्ष ने सीपीआई-एम पर मंदिर में लूट का आरोप लगाया।

हंगामे के कारण विधानसभा की कार्यवाही 27 जनवरी तक के लिए स्थगित

जवाब में, एलडीएफ मंत्रियों एमबी राजेश और वी शिवनकुट्टी ने आरोप लगाया कि इस मामले के तार सोनिया गांधी से जुड़े हैं। उन्होंने दावा किया कि मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी ने उनसे दिल्ली में मुलाकात की थी। शिवनकुट्टी ने सोनिया गांधी की गिरफ्तारी और पूछताछ की भी मांग की। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के सुझाव पर विपक्ष के निरंतर हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही 27 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने एलडीएफ के आरोपों को मानसिक संतुलन खोने जैसा बताया।

सबरीमला तंत्री एसआईटी हिरासत में : कोल्लम की एक सतर्कता अदालत ने सबरीमला मंदिर के मुख्य पुजारी (तंत्री) कंडाररू राजीवारू को एक दिन की एसआईटी हिरासत में भेज दिया है। राजीवारू श्रीकोविल (गर्भगृह) के दरवाजों से सोना गायब होने के मामले में 13वें आरोपी हैं। उन्हें पूछताछ के लिए तिरुवनंतपुरम ले जाया गया है। एजेंसी

यूआईडीएआई बायोमेट्रिक लॉक वाला नया आधार एप 28 जनवरी को करेगा लॉन्च

नई दिल्ली। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) अपना नया आधार एप 28 जनवरी को लॉन्च करेगा। इस एप के जरिए हर नागरिक को अपना आधार संबंधित संस्था को दिखाने, प्रमाणित करने व शेयर करने की सुविधा दी गई है। इसके जरिये कोई भी अपने आधार की पूरी जानकारी के बजाय संक्षिप्त जानकारी भी दे सकता है। इसके अलावा बायोमेट्रिक लॉक व अनलॉक व ऑनलाइन ही मोबाइल नंबर अपडेट की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।

यूआईडीएआई सीईओ भुवनेश कुमार ने बताया कि 28 जनवरी को भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण का स्थापना दिवस समारोह है। समारोह के मुख्य अतिथि सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव होंगे। खास बात यह कि एप में ऑफलाइन वेरिफिकेशन की सुविधा भी होगी। कोई भी नागरिक अब घर बैठे ही आधार कार्ड में अपना मोबाइल नंबर अपडेट करा सकेगा। एप का उपयोग कर ओटीपी व फेस ऑथेंटिकेशन के जरिएये मोबाइल नंबर में बदलाव कर सकता है। निकट भविष्य में नाम व ईमेल में संशोधन की सुविधा भी उपलब्ध होगी। साइबर ठगी से बचने के लिए मास्कड आधार की सुविधा भी एप में हैं। ब्यूरो

जल संकट की दहलीज पर दुनिया के 100 बड़े शहर, दिल्ली व बीजिंग की हालत सबसे खराब

नासा के आंकड़ों में चेन्नई व तेहरान के स्रोत तेजी से सूख रहे

नई दिल्ली/वाशिंगटन। दुनिया के 100 सबसे शहर जल संकट की दहलीज पर है। इसमें भारत की राजधानी दिल्ली और चीन के बीजिंग के हालात सबसे ज्यादा गंभीर हैं। हालिया अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की मैपिंग और मीडिया रिपोर्ट में चेताया गया है कि इनमें से 39 शहर ऐसे क्षेत्रों में स्थित हैं, जहां जल संकट अत्यधिक गंभीर श्रेणी में है। इन शहरों में सार्वजनिक आपूर्ति और उद्योगों के लिए पानी की निकासी, उपलब्ध स्रोतों से कहीं अधिक हो रही है। नासा की ओर से साझा किए गए वैश्विक मानचित्र में चेन्नई और तेहरान तेजी से सूख रहे हैं। इन शहरों में हर साल धरती 324 अरब घन मीटर ताजा पानी खोती जा रही है। एजेंसी

आकाश का आज अनोखा श्रृंगार...चांद बिखेरेगा मुस्कान और शनि-नेपच्यून की चमकेंगी आंखें

नैनीताल (गिरीश रंजन तिवारी)। आसमान में शुक्रवार की शाम एक अनोखी खगोलीय कलाकृति रचने जा रही है। दक्षिण-पश्चिमी में चंद्रमा, शनि और नेपच्यून की खास स्थिति एक स्माइली जैसी बनेगी। इस दुर्लभ दृश्य में पतला बढ़ता हुआ चंद्रमा एक कोमल मुस्कान की तरह दिखाई देगा जबकि उसके ऊपर शनि और नेपच्यून दो चमकती आंखों का आभास देंगे।

यह मनोहारी दृश्य सूर्यास्त के लगभग 60 से 90 मिनट बाद दक्षिण-पश्चिमी आकाश में नजर आएगा। चंद्रमा और शनि तो नंगी आंखों से ही साफ दिखाई देंगे लेकिन नेपच्यून को देखने के लिए सामान्य दूरबीन या छोटा टेलीस्कोप आवश्यक होगा। ग्रहों और चंद्रमा की यह ज्यामितीय संगति अंतरिक्ष की सटीकता और सौंदर्य की अद्भुत छटा बिखेरेगी। ऐसा खास संयोग मीन नक्षत्र में नजर आएगा। यह दृश्य कुछ अवधि तक ही रहेगा। संवाद

एअर इंडिया हादसा

एफएएस की रिपोर्ट में सॉफ्टवेयर की खामियां, सर्किट ब्रेकर ट्रिप, शॉर्ट सर्किट का जिक्र

खुलासा...ड्रीमलाइनर में पहले से थे गंभीर तकनीकी दोष

अमर उजाला नेटवर्क

वाशिंगटन/ नई दिल्ली। अहमदाबाद में पिछले साल 12 जून को हुए एअर इंडिया विमान हादसे को लेकर नया और गंभीर दावा सामने आया है। अमेरिकी विमानन सुरक्षा अभियानकर्ताओं का कहना है कि जिस बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर की दुर्घटना में 260 लोगों की जान गई, उसमें पहले से ही तकनीकी खामियों और सुरक्षा दोषों का लंबा रिकॉर्ड मौजूद था, जिसमें उड़ान के दौरान आग लगने की घटना भी शामिल है।

अमेरिका स्थित फाउंडेशन फॉर एविएशन सेफ्टी (एफएएस) ने अपने निष्कर्षों से जुड़ी एक प्रस्तुति अमेरिकी सीनेट को सौंपी है। संगठन का दावा है कि उसके पास मौजूद दस्तावेज यह दिखाते हैं कि हादसे का शिकार विमान सेवा में आने के पहले दिन से ही तकनीकी समस्याओं से जूझ रहा था। हालांकि हादसे की आधिकारिक जांच अभी जारी है और बोइंग ने इस पर टिप्पणी करने से इन्कार किया है। हादसे में शामिल विमान, जिसका पंजीकरण वीटी-एएनबी था, बोइंग 787 श्रृंखला के शुरुआती विमानों में से एक था। इसने पहली उड़ान 2013 के अंत में भरी और 2014 की शुरुआत में एयर इंडिया के बेड़े में शामिल हुआ। बीबीसी न्यूज के अनुसार इंजीनियरिंग और निर्माण से जुड़ी खामियों, गुणवत्ता नियंत्रण में चूक और रखरखाव से जुड़ी कमियों के जटिल और भ्रमित करने वाले संयोजन के कारण उत्पन्न हुईं। इन विफलताओं में इलेक्ट्रॉनिक्स और सॉफ्टवेयर की खराबियां, बार-बार सर्किट ब्रेकर ट्रिप होना, वायरिंग को नुकसान, शॉर्ट सर्किट, विद्युत आपूर्ति का बाधित होना और पावर सिस्टम के हिस्सों का जरूरत से ज्यादा गर्म होना शामिल बताया गया है।

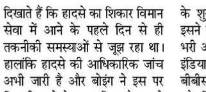

अमेरिकी सीनेट तक पहुंची रिपोर्ट

एफएएस की यह रिपोर्ट अमेरिकी सीनेट की परमानेंट सबकमेटी ऑन इन्वेस्टिगेशंस को भेजी गई है। यह वही समिति है जिसने पिछले वर्ष बोइंग की टूटी हुई सुरक्षा संस्कृति पर सुनवाई की थी। एफएएस का कहना है कि उसकी चिंताएं केवल अहमदाबाद हादसे तक सीमित नहीं हैं। संगठन ने दावा किया है कि उसने अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में सैकड़ों 787 विमानों से जुड़े लगभग 2000 फेल्योर रिपोर्ट्स का अध्ययन किया है। इनमें वायरिंग बे में पानी के रिसाव जैसे मामले भी शामिल हैं, जिन पर पहले एफएए (फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन) भी चिंता जता चुका है।

पायलटों पर फोकस को लेकर बढ़ा विरोध

इस विवरण के बाद अमेरिका और भारत में कई टिप्पणीकारों ने हादसे के लिए पायलट की गलती की संभावना जताई। लेकिन इसके बाद पीड़ितों के वकीलों, सुरक्षा अभियानकर्ताओं, पायलट संघों और तकनीकी विशेषज्ञों की ओर से कड़ा विरोध सामने आया। उनका कहना है कि पायलटों पर ध्यान केंद्रित करना भ्रामक खामी की जांच प्रभावित हो रही है।

■ एफएएस प्रमुख की तीखी प्रतिक्रिया

फाउंडेशन फॉर एविएशन सेफ्टी का नेतृत्व एड पियर्सन कर रहे हैं। वे वर्षों से बोइंग की सुरक्षा और गुणवत्ता प्रणालियों के मुखर आलोचक रहे हैं। एड पियर्सन ने एयर इंडिया हादसे की प्रारंभिक रिपोर्ट को बेहद शर्मनाक बताया है।

कर्नाटक : मूडा मामले में ईडी ने 20 करोड़ की नई संपत्तियां कीं अटैच

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कर्नाटक में मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मूडा) से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत 20 करोड़ से अधिक की नई संपत्तियां अटैच की हैं। इसके साथ ही ईडी अब तक मामले में 460 करोड़ की संपत्तियां अटैच कर चुका है।

ईडी अधिकारियों ने बताया कि अटैच की गईं नई संपत्तियों में 10 अचल संपत्तियां शामिल हैं, जिनमें मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण की छह अवैध रूप से आवंटित जमीनें भी शामिल हैं। ईडी ने मूडा की जमीनों के अवैध आवंटन के आरोप में सितंबर 2025 में मूडा के पूर्व आयुक्त जीटी दिनेश कुमार को गिरफ्तार किया था। वह वर्तमान में जेल में बंद हैं। ब्यूरो

भविष्य के युद्धों में सेनाएं देगी क्वांटम तकनीक से दुश्मनों को जवाब : सीडीएस

जनरल चौहान ने जारी की सेना की क्वांटम मिशन नीति

नई दिल्ली। भविष्य के युद्धों में तकनीकी बढ़त हासिल करने के लिए सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने सैन्य क्वांटम मिशन की नीतिगत रूपरेखा का दस्तावेज जारी किया है। यह तीनों सेनाओं में विशिष्ट क्वांटम तकनीक के एकीकरण के लिए एक स्पष्ट नीति और रोडमैप पेश करता है।

सैन्य प्रौद्योगिकी की तेजी से बदलती दुनिया में यह मिशन सुनिश्चित करेगा कि सेनाएं भविष्य के युद्ध में तकनीकी रूप से हावी रहें। दस्तावेज में क्वांटम तकनीक के चार महत्वपूर्ण क्षेत्रों- क्वांटम कंप्यूटिंग, क्वांटम सामग्री व उपकरण, क्वांटम संचार और क्वांटम सेंसिंग व मेट्रोलॉजी पर ध्यान केंद्रित किया गया है। ब्यूरो

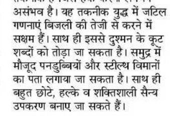

तकनीक से ये होगा फायदा

भविष्य में युद्ध सिर्फ टैंकों या विमानों से नहीं बल्कि डाटा और कोडिंग से जीते जाएंगे। क्वांटम तकनीक एक ऐसी तकनीक है जिसे हैक करना लगभग असंभव है। यह तकनीक युद्ध में जटिल गणनाएं बिजली की तेजी से करने में सक्षम हैं। साथ ही इससे दुश्मन के कूट शब्दों को तोड़ा जा सकता है। समुद्र में मौजूद पनडुब्बियों और स्टील्थ विमानों का पता लगाया जा सकता है। साथ ही बहुत छोटे, हल्के व शक्तिशाली सैन्य उपकरण बनाए जा सकते हैं।

एजुकेशन & कॅरिअर

छोटा-सा बदलाव ही जिंदगी की एक बड़ी कामयाबी का हिस्सा होता है।

अमर उजाला Job Alert

Real-time job alerts
amarujala.com/jobs

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड

कॉन्स्टेबल के पदों पर रिक्तियां

32679 पद

आवेदन की अंतिम तिथि : 30 जनवरी, 2026
आयु-सीमा : न्यूनतम 18 वर्ष व अधिकतम 22 व 25 वर्ष
यहां आवेदन करें : uppbpb.gov.in

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड में संभावनाएं ■ 260 पद

इलेक्ट्रीशियन, पेंटर व अन्य पदों पर निकली भर्ती
आवेदन की अंतिम तिथि 07 फरवरी, 2026
आयु-सीमा अधिकतम उम्र 45 वर्ष निर्धारित
यहां आवेदन करें
cochinshipyard.in

एनआईआरडीपीआर में रिक्तियां ■ 98 पद

सीनियर कैपेसिटी बिल्डिंग कंसल्टेंट आदि पदों पर भर्ती
आवेदन की अंतिम तिथि 29 जनवरी, 2026
योग्यताएं मास्टर डिग्री व अन्य निर्धारित पात्रताएं
यहां आवेदन करें
career.nirdpr.in

बिहार तकनीकी सेवा आयोग ■ 2809 पद

जूनियर इंजीनियर के पदों पर उम्मीदवार करें आवेदन
आवेदन की अंतिम तिथि : 30 जनवरी, 2026
वेतनमान : रुपये 9,300 से लेकर रुपये 34,800 तक निर्धारित
यहां आवेदन करें : btsc.pariksha.nic.in

सुप्रीम कोर्ट ने जारी किया विज्ञापन ■ 90 पद

लॉ क्लर्क-कम-रिसर्च एसोसिएट्स के पदों पर मौके
आवेदन की अंतिम तिथि 07 फरवरी, 2026
आयु-सीमा न्यूनतम 20 वर्ष व अधिकतम 32 वर्ष
यहां आवेदन करें
sci.gov.in

नालको में रोजगार के अवसर ■ 48 पद

मैनेजर के पदों पर योग्य उम्मीदवार करें अप्लाई
आवेदन की अंतिम तिथि 02 फरवरी, 2026
पात्रताएं इंजीनियरिंग व अन्य निर्धारित योग्यताएं
यहां आवेदन करें
nalcoindia.com

योग्य उम्मीदवार करें आवेदन...

- **भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना :** प्रोजेक्ट असिस्टेंट का पद खाली।
  इंटरव्यू की अंतिम तिथि : 30 जनवरी, 2026
- iitp.ac.in
- **सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया :** बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट सुपरवाइजर का पद रिक्त।
  आवेदन की अंतिम तिथि : 31 जनवरी, 2026
- centralbank.bank.in

अपनी प्रतिक्रियाओं और सुझावों के लिए हमें udaan@amarujala.com पर ई-मेल करें।

अपनी छाप छोड़ने की कोशिश करें

कामों को सिर्फ निपटाएं नहीं, बल्कि उन्हें थोड़े और अच्छे ढंग से कैसे किया जाए, यह भी सोचें

एलिजाबेथ हेस
हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू

व्या आप चाहते हैं कि लोग आपको आगे भी याद रखें? तो इसकी शुरुआत आज से करें। कार्यस्थल पर कुछ लोग सिर्फ अपना काम करते हैं, जबकि कुछ लोग साथियों की मदद करते हैं, नई चीजें सीखते हैं और हर काम को बेहतर बनाने की कोशिश करते हैं। ऐसे लोग बॉस और सहकर्मियों से अच्छे रिश्ते बनाते हैं और अच्छे पेशेवर के रूप में पहचाने जाते हैं। इसलिए अगर आप भी सबसे अलग पहचान बनाना चाहते हैं, तो सिर्फ अपनी नौकरी तक सीमित न रहें। हमेशा कुछ नया सीखने के लिए तैयार रहें। यही आदतें आपको यादगार बनाती हैं।

Harvard Business Review

■ थोड़ा रुकें और अपने बारे में सोचें
अगर आप जिंदगी में कुछ खास और बड़ा करना चाहते हैं, तो इसकी शुरुआत खुद को समझने से होती है। सबसे पहले थोड़ा रुककर अपने बारे में सोचें। खुद से ईमानदारी से पूछें कि मैं वास्तव में अपने जीवन में क्या पाना चाहता हूं? इस सवाल का जवाब मन में ही न रखें, बल्कि समय निकालकर इसे कागज पर लिखें। फिर एक सूची बनाएं और उसमें उन सभी लक्ष्यों को साफ-साफ लिखें, जिन्हें आप हासिल करना चाहते हैं। जब आप अपने सपनों को शब्दों में उतारते हैं, तो वे ज्यादा स्पष्ट हो जाते हैं और उन्हें पूरा करने की दिशा भी दिखने लगती है।

■ दूसरों के अनुभव सुनें
अगर आप सच में आगे बढ़ना और सफल होना चाहते हैं, तो यह समझना जरूरी है कि कार्यस्थल पर लोग आपको कैसे देखते हैं। इसके लिए अपने कुछ भरोसेमंद सहकर्मियों या अपने मैनेजर से ईमानदार राय लें। आप उनसे आमने-सामने या ई-मेल के जरिये पूछ सकते हैं कि मेरे काम और व्यवहार से लोगों पर कैसा प्रभाव पड़ता है और किन बातों में मुझे सुधार करने की जरूरत है। उनके अनुभव सुनने से आपको अपनी खूबियों और कमियों दोनों को समझने में मदद मिलेगी।

■ टीम को साथ लेकर चलें
सिर्फ अपनी खूबियों और कौशल पर ध्यान देना ही काफी नहीं होता। साथ ही यह भी जरूरी है कि आप अपने सहकर्मियों के प्रयासों को समझें और उनकी कद्र करें। एक अच्छा लीडर वही होता है, जो केवल खुद को बेहतर न बनाए, बल्कि अपनी टीम के लोगों की बात भी सुने और उनके विचारों को महत्व दे। इसलिए अपने साथियों का साथ दें, जरूरत पड़ने पर उनकी मदद करें और उनके अच्छे काम की खुलकर सराहना करें। इससे टीम मजबूत होती है और आप भी एक बेहतर नेतृत्वकर्ता बनते हैं।

■ भरोसेमंद छवि बनाएं
भविष्य में लोग आपको किस रूप में याद करेंगे, यह आपके रोज के व्यवहार पर निर्भर करता है। दूसरों के दिल में जगह बनाने के लिए बड़े काम नहीं, बल्कि छोटे-छोटे सच्चे प्रयास काफी होते हैं। लोगों का भरोसा जीतने की कोशिश करें, उनकी बात ध्यान से सुनें और उनकी राय को महत्व दें। यही आदतें आपको एक अच्छी और भरोसेमंद छवि देती हैं।

खुद को परखें

1. पैराकेम्फेरिया अल्बा नामक अदरक की एक नई प्रजाति किस राज्य में खोजी गई है?
   (a) अरुणाचल प्रदेश
   (b) सिक्किम
   (c) महाराष्ट्र
   (d) त्रिपुरा
2. हाल ही में खबरों में रहा वधावन बंदरगाह किस राज्य में स्थित है?
   (a) आंध्र प्रदेश
   (b) गुजरात
   (c) ओडिशा
   (d) महाराष्ट्र
3. टाइप 096 तांग-श्रेणी की पनडुब्बी किस देश द्वारा विकसित की गई है?
   (a) चीन
   (b) जापान
   (c) ऑस्ट्रेलिया
   (d) इस्राइल

उत्तर : 1.a, 2.d, 3.a

सामान्य ज्ञान

भू-चुंबकीय तूफान

■ क्या है
यह एक प्राकृतिक घटना है, जिसमें सूर्य की तेज गतिविधि से पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र अस्थायी रूप से बिगड़ जाता है।

■ चर्चा में क्यों
एनओएए ने जी4 गंभीर भू-चुंबकीय तूफान की चेतावनी दी। इसके कारण अमेरिका और यूरोप के दक्षिणी हिस्सों में हरे-बैंगनी अरोरा (प्राकृतिक प्रकाश घटना) दिखे।

■ कैसे बनता है
यह तूफान तब बनता है, जब तेज सौर पवन कई घंटे पृथ्वी के उल्टे चुंबकीय क्षेत्र के साथ टकराती है। सबसे बड़े तूफान कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) से बनते हैं, जिसमें भारी मात्रा में प्लाज्मा पृथ्वी तक पहुंचता है।

■ इससे होने वाले प्रभाव
भू-चुंबकीय तूफान आयनमंडल को गर्म करता और फैलाता है, जिससे अरोरा दिखते हैं और रेडियो, जीपीएस, उपग्रह सिस्टम, बिजली ग्रिड व पाइपलाइन प्रभावित हो सकते हैं।

फेलोशिप अलर्ट

ओशन लीडर्स फेलोशिप प्रोग्राम-2026

ओशन लीडर्स फेलोशिप-2026 के लिए आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। यह दुनिया भर के उम्मीदवारों के लिए आठ माह की अवधि वाली एक पूर्णतः वित्तपोषित फेलोशिप है। यह फेलोशिप विशेष रूप से वैश्विक 30×30 पहल पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य वर्ष 2030 तक पृथ्वी की 30 प्रतिशत भूमि और महासागरों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। उम्मीदवार समुद्री संरक्षित क्षेत्रों (एमपीए) तथा जैव विविधता लक्ष्यों के राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी कार्यान्वयन को गति देने के लिए कार्य करेंगे। आवेदन के समय उम्मीदवार की न्यूनतम आयु 18 वर्ष व अधिकतम आयु 35 वर्ष होनी चाहिए। इसके साथ ही, समुद्री संरक्षण, जलवायु परिवर्तन या पर्यावरण नीति के क्षेत्र में नेतृत्व क्षमता या प्रबल संभावनाएं प्रदर्शित करना आवश्यक है। आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 फरवरी, 2026 निर्धारित की गई है। योग्य आवेदक आधिकारिक लिंक soalliance.org/ocean-leaders-fellowship पर जाकर ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

स्पेशल पुस्तक
अमर उजाला उड़ान

ऑनलाइन खरीदने के लिए QR कोड को तुरंत स्कैन करें।
रेलवे भर्ती की सभी परीक्षाओं में कारगर
■ नवीनतम परीक्षा पैटर्न पर आधारित
अधिक जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 18001211166 या व्हाट्सएप नंबर 7065047252 पर सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक संपर्क कर सकते हैं।
प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ-साथ मोटिवेशनल किताबें amazon.in और udaan.amarujala.com पर उपलब्ध।

अंतरराष्ट्रीय पहल

केएआईएसटी-एक्स ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप

केएआईएसटी-एक्स ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप-2026 के लिए आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। यह केएआईएसटी एडवांस्ड इंस्टीट्यूट फॉर साइंस द्वारा अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए एक वित्तपोषित इंटर्नशिप कार्यक्रम है। इसकी अवधि सात सप्ताह की होगी और यह 1 जुलाई से 14 अगस्त, 2026 तक आयोजित की जाएगी। इस इंटर्नशिप का उद्देश्य स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को केएआईएसटी की प्रयोगशालाओं में शोध गतिविधियों में भाग लेने का अवसर प्रदान करना है। चयनित उम्मीदवारों को वास्तविक खर्च के आधार पर, अधिकतम 10,00,000 साउथ कोरियाई वॉन (केआरडब्ल्यू) सहित अन्य वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाएगी। आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 फरवरी, 2026 निर्धारित की गई है। योग्य आवेदक आधिकारिक लिंक tinyurl.com/w9x6jmw पर जाकर ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

कच्ची धूप

Fun & Learn

बाल कविता

एकता कोचर रेलन

जीवन पतंग

पापा पापा पतंग उड़वा दो,
नीली, पीली सब कटवा दो।
वो देखो,
पापा वो कितनी ऊंची,
आंखें भी मैंने थोड़ी भींची।
मुझे भी ऊंची उड़वा दो,
वो काली से आगे पहुंचा दो।
पापा देखो,
सब कितनी सुंदर प्यारी,
इक झाड़ियों में फँसी बेचारी।
बेटा...
अच्छा अब बातों में न लगाओ,
चरखड़ी संभालो,पतंग उड़वाओ।
चरखड़ी ठीक से पकड़नी होगी,
हां, थोड़ी ढील भी देनी होगी।
वरना,
ध्यान भटकते ही गोता खाएगी,
तुम्हारी पीली पतंग कट जाएगी।
न-न पापा ऐसा न करना,
फिर मूड खराब होगा वरना।
पापा बया,
फिर हम हार जाएंगे,
अपनी पतंग को कैसे बचाएंगे
पापा बोले,
बेटा आगे-पीछे को कैसा खेल,
समझो इसको जैसे रेल।
चलते जाओ छुक-छुक-छुक,
जीवन सफर में बस कभी न रुक।

किसकी परछाई कहां?

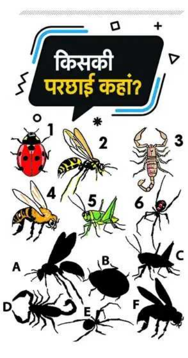

उत्तर : 1. B, 2. A, 3. D, 4. F, 5. C, 6. E

नोट : 'कच्ची धूप' को लेकर अगर कोई सुझाव हो तो मेल करो : kidz@del.amarujala.com

गंध तुम्हारी यादों का दरवाजा है

बच्चो, तुमने यह अनुभव किया होगा कि कोई खास गंध अचानक तुम्हें बीते समय की याद दिलाती है। लेकिन सवाल यह है कि गंध हमारी यादों को इतनी प्रभावी ढंग से क्यों जगा देती है?

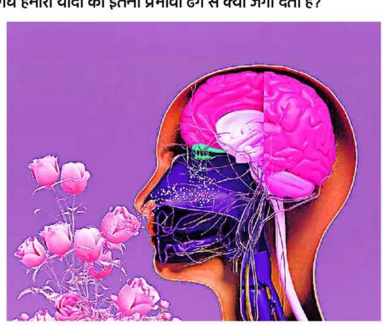

चाहे रंगों की खुशबू हो, जिससे तुमने बचपन में खेला हो या फिर वह कपड़े धोने का साबुन, जो तुम्हारे दादा-दादी हमेशा इस्तेमाल करते थे या कोई ऐसी, चीज जो तुम्हारे अतीत से जुड़ी हो और जिसे तुम कब का भूल चुके हो। जो भी हो, तुमने यह अनुभव जरूर किया होगा- कभी कोई खास गंध अचानक तुम्हारे मन में बीते समय की कोई जीवंत याद ले आती है। लेकिन सवाल यह है कि गंध तुम्हारी यादों को इतने प्रभावी ढंग से क्यों जगा देती है, वह भी उन यादों को जिन्हें तुम बहुत पहले भूल चुके होते हो?

■ घ्राण स्मृति का रहस्य
इस प्रक्रिया को 'ओलफैक्ट्री मेमोरी' यानी घ्राण स्मृति कहा जाता है। इसका एक कारण यह है कि गंध तुम्हारी सबसे पुरानी इंद्रिय है। यहां तक कि सबसे साधारण बैक्टीरिया भी अपने आसपास मौजूद रासायनिक संकेतों को महसूस कर सकते हैं। यही क्षमता धीरे-धीरे तुम्हारे सूंघने की शक्ति के रूप में विकसित हुई है।

तुम्हारी सूंघने की प्रणाली बेहद जटिल है। किसी गंध को महसूस करने का मतलब है लाखों सूक्ष्म गंध-अणुओं का सांस के साथ भीतर जाना, जो तुम्हारी नाक में मौजूद लाखों संवेदनशील न्यूरॉन्स को सक्रिय करते हैं। ये न्यूरॉन्स अलग-अलग गंध-अणुओं के प्रति प्रतिक्रिया करते हैं और मस्तिष्क को संकेत भेजते हैं। मानव नाक में लगभग 450 प्रकार के गंध-ग्राही होते हैं, जिनकी मदद से तुम सैद्धांतिक रूप से एक ट्रिलियन तक अलग-अलग गंधों में अंतर कर सकते हो। ये सभी संकेत मस्तिष्क के एक भाग 'ओलफैक्ट्री बल्ब' में पहुंचते हैं, जहां इन्हें समझकर गंध के रूप में पहचाना जाता है।

ओलफैक्ट्री बल्ब मस्तिष्क के उस हिस्से के पास होता है जो यादों और भावनाओं से जुड़ा है- यानी हिप्पोकैंपस और अमिगडाला। यही कारण माना जाता है कि गंध तुम्हारी भावनाओं और यादों से इतनी गहराई से जुड़ी होती है। यही वजह है कि कोई गंध हमें अचानक हंसा सकती है, रुला सकती है या किसी भूले-बिसरे पल में ले जा सकती है। जबकि दृश्य, ध्वनि या स्पर्श जैसी अन्य इंद्रियां मस्तिष्क के भावनात्मक हिस्सों से इतनी सीधे नहीं जुड़तीं।

■ गंध और यादों का अनोखा रिश्ता
क्या कभी तुमने महसूस किया है कि किसी खास गंध ने तुम्हें अचानक बचपन में पहुंचा दिया? जैसे ही मिट्टी की सौंधी खुशबू आई, तुम खुद को स्कूल के मैदान में खेलते हुए देखने लगे या किसी पुराने इत्र की महक ने किसी प्रिय व्यक्ति की याद दिला दी। यह कोई संयोग नहीं है, बल्कि मानव मस्तिष्क की एक अद्भुत विशेषता है। दरअसल, गंध केवल नाक से महसूस नहीं होती, वे सीधे दिल और दिमाग से जुड़ जाती हैं। यही कारण है कि कोई साधारण-सी खुशबू भी जीवन के किसी अनमोल क्षण की याद दिला सकती है।

आज वैज्ञानिक मानते हैं कि गंध के जरिये स्मृति को जाग्रत करने की यह शक्ति मनोविज्ञान और चिकित्सा में भी उपयोगी हो सकती है। अल्जाइमर और डिमेंशिया जैसे रोगों में गंधों के जरिये मरीजों की याददाश्त को सक्रिय करने के प्रयोग किए जा रहे हैं। अगली बार जब कोई खुशबू तुम्हें अतीत में ले जाए, तो मुस्कुराओ, क्योंकि वह सिर्फ गंध नहीं, तुम्हारी स्मृतियों का दरवाजा है।

पढ़ो और जानो -

प्यारे बच्चो, पिज्जासॉरस एक मजेदार और कल्पनाशील चित्र-पुस्तक है, जो डायनासोर और पिज्जा जैसे दो बेहद लोकप्रिय विषयों को शानदार तरीके से जोड़ती है। टैमी सॉयर द्वारा लिखी गई यह किताब हल्के-फुल्के हास्य, चुटीले संवाद और रंगीन चित्रों के जरिये तुम्हें अंत तक बांधे रखती है।
लेखिका ने तुम्हारी भावनाओं को ध्यान में रखते हुए डायनासोर्स को उन मानवीय भावनाओं के साथ पेश किया है, जिनसे तुम आसानी से जुड़ जाते हो। पिज्जासॉरस का किरदार खास तौर पर आकर्षक है, क्योंकि वह न सिर्फ अलग है, बल्कि अंत में सबके लिए खुशियां भी लेकर आता है। किताब की जीवंत चित्रशैली इसे और प्रभावशाली बनाती है।
यह किताब विशेष रूप से छोटे बच्चों को पढ़कर सुनाने के लिए आदर्श है। किताब में जिस तरह से हास्य, कल्पना और दोस्ती का सुंदर मिश्रण किया गया है, वह इसे यादगार बनाता है। डबलडे बुक्स फॉर यंग रीडर्स प्रकाशन से छपी यह किताब जल्द ही बाजार में आने वाली है।

23 जनवरी, 1997 आज का दिन

मेडेलीन अलब्राइट तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के शासनकाल में अमेरिका की पहली महिला विदेश मंत्री बनी थीं। इससे पहले उन्होंने यूएन में अमेरिकी राजदूत के रूप में भी अपनी सेवाएं दी थीं।

- 1789 : जॉर्जटाउन कॉलेज की स्थापना वाशिंगटन में हुई थी।
- 1964 : अमेरिकी संविधान के 24वें संशोधन को मंजूरी मिली थी।
- 1977 : अमेरिकी टेलीविजन कार्यक्रम 'रूट्स' का प्रीमियर हुआ था।
- 2011 : अमेरिकी फिटनेस गुरु और मोटिवेशनल स्पीकर जैक लालेन का निधन हुआ था।

व्रत त्योहार

आज : माघ शुक्ल पक्ष पंचमी।
कल : मंदार षष्ठी, शिशिर ऋतु, सूर्य उत्तरायणे, दक्षिण गोले। **राहुकाल :** प्रातः 09.00 से 10.30 तक।

कल का पंचांग

विक्रमी संवत 2082, 04 माघ मास शक 1947, माघ मास 11 प्रविष्टे, 04 सावान हिजरी 1447, माघ शुक्ल पक्ष षष्ठी 24.39 तक उपरांत सप्तमी, उत्तराभाद्रपदा नक्षत्र 14.15 तक उपरांत रेवती नक्षत्र, शिव योग 14.01 तक उपरांत सिद्ध योग, कौलव करण 13.12 तक उपरांत तैतिल करण, चंद्रमा मीन राशि में दिन-रात।

■ सूर्योदय : 07.17
■ सूर्यास्त : 17.49
(भारतीय मानक समयानुसार)

राशिफल

amarujala.com/astrology
■ पं. विनोद त्यागी

मेष : अटके कार्य में सफलता मिलेगी। नौकरी में सम्मान बढ़ेगा। व्यवसाय में धन लाभ होगा। व्यय पर नियंत्रण रखें।

वृष : स्वश्रम से कार्य विशेष में सफलता मिलेगी। नौकरी में वर्चस्व बना रहेगा। व्यवसाय में जोखिम से हानि संभव है।

मिथुन : पूर्व नियोजित योजना सफल होगी। नौकरी में स्थान परिवर्तन संभव है। संतान पक्ष से सुख मिल सकता है।

कर्क : आत्मबल बना रहेगा। योजनाएं साकार होंगी। नौकरी में व्यस्त रहेंगे। व्यावसायिक स्थिति से चिंतित रहेंगे।

सिंह : नए कार्य में पूंजी निवेश न करें। नौकरी में मन नहीं लगेगा। व्यवसाय में लाभ होगा। यात्रा हो सकती है।

कन्या : सकारात्मक सोच बनाए रखें। नौकरी में कार्य कुशलता का लाभ मिलेगा। व्यवसाय में लाभ होगा।

तुला : दिनमान अनुकूल रहेगा। अर्थ प्राप्ति सुलभ रहेगी। व्यवसाय में लाभ होगा। घर में आनंद बना रहेगा।

वृश्चिक : धैर्य बनाए रखें। नए कार्य में परेशानी होगी। नौकरी में वाद-विवाद से बचें। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी।

धनु : राजनीतिक संबंध सहायक रहेंगे। दौड़-भाग अधिक रहेगी। व्यवसाय में अल्प लाभ हो सकता है।

मकर : क्रोध एवं वाणी पर नियंत्रण रखें। नए कार्य का प्रस्ताव आ सकता है। सरकारी क्षेत्र में सफलता मिलेगी।

कुंभ : मानसिक अस्थिरता बनी रहेगी। प्रतिकूल समाचार मिल सकता है। नौकरी में अधिकारी अनुकूल रहेंगे।

मीन : नौकरी में उन्नति हो सकती है। किसी राजनीतिक व्यक्ति से परिचय होगा। व्यवसाय में धन लाभ होगा।

जन्मदिन

रमेश सिप्पी, निर्देशक

इस वर्ष लोकप्रियता में वृद्धि होगी। शुभचिंतकों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। इस वर्ष उतावलेपन में निर्णय लेने से बचें। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। इस वर्ष साझेदारी में किसी नए व्यवसाय का प्रारंभ हो सकता है। स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष अनुकूल रहेगा।

सुडोकू

1		9						
	7					3	9	5
					3		4	
6	5		4					9
		3				5		
9					5		1	7
	9		6					
7	4	8					2	
					8			3

सुडोकू 81 वर्गों का ग्रिड है, जो 9 वर्गों के ब्लॉक में बंटा हुआ होता है। कुछ वर्गों के अंक लिखे हैं और खाली वर्गों में 1 से लेकर 9 तक के अंक लिखने होते हैं। कोई नंबर 1 पंक्ति, कॉलम या 9 वर्ग वाले छोटे ब्लॉक में दोबारा नहीं आ सकता है।

उत्तर

1	3	9	7	5	4	6	8	2
8	7	4	1	2	6	3	9	5
5	2	6	8	9	3	7	4	1
6	5	7	4	1	8	2	3	9
4	1	3	2	7	9	5	6	8
9	8	2	3	6	5	4	1	7
3	9	5	6	8	2	1	7	4
7	4	8	5	3	1	9	2	6
2	6	1	9	4	7	8	5	3

डेली हेल्थ कैप्सूल

कई बीमारियों में लाभ पहुंचाती है रसौत

रसौत में मौजूद असरकारक यौगिक बीमारियों से बचाव करके आपको सेहतमंद रखने में मदद करते हैं।

रसौत दारुहरिद्रा पौधे की जड़ या छाल से बनाया जाता है। इसका उपयोग आयुर्वेद और यूनानी चिकित्सा में किया जाता है। इसमें मौजूद बर्बेरिन सूजन को कम करता है, हानिकारक बैक्टीरिया से लड़ता है और खून को साफ रखने में मदद करता है। इसी कारण से रसौत को कई बीमारियों में उपयोगी माना जाता है। इसमें मौजूद तत्व

पाइल्स में राहत देने का काम करते हैं। रसौत के काढ़े का सेवन करने से या फिर शहद के साथ सेवन करने से लिवर को तंदुरुस्त रखने में मदद मिलती है और पीलिया में आराम मिलता है। बर्बेरिन ब्लड शुगर को भी संतुलित रखने में मददगार है। रसौत और शहद को बराबर मात्रा में मिलाकर प्रभावित स्थान पर लगाने से घाव और अल्सर ठीक हो सकता है। इसका उपयोग त्वचा से जुड़ी परेशानियों को दूर करने के लिए भी कर सकते हैं। आंखों में दर्द, जलन या खुजली होने पर रसौत को पलकों पर लगाएं, इससे लाभ मिलेगा। एक गिलास गरम पानी में रसौत की कुछ बूंदें मिलाकर गरारे करने से मुंह और गले के बैक्टीरिया नष्ट होते हैं। रसौत और आंवला चूर्ण का गरम पानी के साथ सेवन करने से पेशाब में होने वाली जलन दूर होती है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

रसौत का सेवन बहुत कम मात्रा में करें, क्योंकि यह ऊष्ण और तीक्ष्ण प्रकृति का होता है। पित्त विकार, गैस, अल्सर वाले लोग परहेज करें। हमेशा आयुर्वेदाचार्य की सलाह से ही सेवन करें।
-डॉ. नवदीप जोशी
प्राकृतिक चिकित्सक

संपादकीय जागरण

शुक्रवार, 23 जनवरी, 2026 : माघ शुक्ल – 5 वि. 2082

संकट को अनदेखा करने से वह समाप्त नहीं हो जाता

बैर बढ़ाता बांग्लादेश

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने अपनी टीम भारत न भेजने का फैसला कर खुद को न केवल टी-20 विश्व कप से बाहर होने की कगार पर खड़ा कर लिया, बल्कि भारत के प्रति अपने अंधविरोध को भी प्रकट कर दिया। अपनी टीम को भारत न भेजने का फैसला जिस तरह वहां की अंतरिम सरकार के खेल सलाहकार ने सुनाया, उससे यही स्पष्ट होता है कि सरकार ने ही बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को इसके लिए विवश किया कि वह खेल भावना का परिचय देने के स्थान पर भारत विरोधी भावनाएं भड़काने वाले काम करे। अब इसमें भी कोई संदेह नहीं रह जाता कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की कमान संभाले मोहम्मद यूनुस और उनके सहयोगी यही चाह रहे हैं कि चुनाव के मौके पर बांग्लादेश में भारत विरोधी माहौल बना रहे। इससे यही संकेत मिलता है कि यदि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में शामिल तत्व चुनाव बाद बनने वाली सरकार में आए तो वे भारत विरोध की राह पर चलते रहेंगे। इससे भारत की चुनौती बढ़ सकती है। अभी भी चुनौतियां कम नहीं हैं, क्योंकि वहां न केवल भारत विरोधी भावनाओं को भड़काने का काम जारी है, बल्कि हिंदुओं की हत्याओं का सिलसिला भी कायम है। यह भी साफ ही है कि इन हत्याओं पर बांग्लादेश सरकार तनिक भी संवेदनशील नहीं।

बांग्लादेश ने भारत में अपनी टीम न भेजने का फैसला इस बहाने लिया कि आइपीएल की टीम केकेआर ने उसके क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज कर दिया। अच्छा होता कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड इसकी नौबत नहीं आने देता और आइपीएल की नीलामी में बांग्लादेशी क्रिकेटरों को शामिल ही नहीं करता। मुस्तफिजुर को केकेआर से अलग करने के फैसले को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भारत विरोध का जरिया बना लिया। इसमें वहां की सरकार भी शामिल हो गई और वह भी तब जब उसके क्रिकेटर टी-20 विश्व कप में शामिल होने के इच्छुक थे। दुर्भाग्य से ऐसी इच्छा प्रकट करने वालों को भारत का एजेंट कहकर लांछित किया गया और यह भुला दिया गया कि यदि उसकी टीम टी-20 विश्व कप में हिस्सा नहीं लेती तो इसके दुष्परिणाम उसके क्रिकेटरों को ही भोगने पड़ेंगे। वे अंतराष्ट्रीय स्तर के प्रतिस्पर्धी माहौल के साथ आर्थिक लाभ से भी वंचित होंगे। आर्थिक हानि उसके क्रिकेट बोर्ड को भी उठानी पड़ेगी। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के बहकावे में आ गया। पाकिस्तान ने बांग्लादेश को इसके लिए खूब उकसाया कि वह भारत में खेलने से मना करे। अच्छा हो कि बांग्लादेश को यह समझ आ जाए कि यदि वह अपनी टीम भारत न भेजने के फैसले पर अड़ा रहा तो आइसीसी के पास उसकी जगह स्काटलैंड को शामिल करने के अलावा और कोई उपाय नहीं रहेगा।

दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति

बाहरी दिल्ली के किराड़ी क्षेत्र की शर्मा कालोनी में लोगों का नारकीय स्थिति में जीवन जीना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। स्थिति इसलिए और भी चिंताजनक है, क्योंकि ये देश के किसी दूरदराज के इलाके की बात नहीं है, बल्कि सरकारों और अधिकारियों की अनदेखी का शिकार ये शर्मा कालोनी राष्ट्रीय राजधानी का ही हिस्सा है। पांच हजार की जनसंख्या वाली इस कालोनी में 40 गलियां हैं, जिनमें से 35 बदहाल हैं। यहां कीचड़ और दो-दो फीट भरे गंदे पानी में छात्रों को लांग बूट पहनकर स्कूल जाना पड़ता है। जलभराव की वजह से यहां के 80 प्रतिशत घरों में सीलन आ गई है। पिछले मानसून के बाद से यहां से तीन हजार से अधिक लोग पलायन कर दूसरे स्थान पर रहने जा चुके हैं और गलियों का पानी घरों में घुसने के कारण डेढ़ हजार लोग अपने घरों में भूतल छोड़कर पहली मंजिल पर रहने को मजबूर हैं।

> सरकार को किराड़ी क्षेत्र की ऐसी सभी कालोनियों की चिंता करनी चाहिए, जहां लोगों को सामान्य जीवन जीने में मशक्कत करनी पड़ रही है

इस कालोनी की ये स्थिति हाल में नहीं हुई है। कई वर्षों से यहां ये स्थिति बनी हुई है, लेकिन किसी भी सरकार ने इसकी सुध नहीं ली और यहां के निवासियों को उनके हाल पर छोड़ दिया। ऐसा भी नहीं है कि सरकारों, जनप्रतिनिधियों या अधिकारियों की जानकारी में ये मामला नहीं है, लेकिन उन्होंने सब जानते हुए भी आंखें मूंदे रखीं। अब मौजूदा भाजपा सरकार को शर्मा कालोनी ही नहीं, किराड़ी क्षेत्र की ऐसी सभी कालोनियों की चिंता करनी चाहिए, जहां लोगों को सामान्य जीवन जीने में भी मशक्कत करनी पड़ रही है।

कह के रहेंगे — माधव जोशी

जागरण जनमत — कल का परिणाम

क्या ट्रंप के दूसरे कार्यकाल का पहला साल विश्व में अमेरिका का सम्मान घटाने वाला साबित हुआ है?

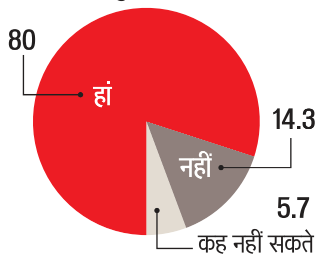

आज का सवाल

क्या आइसीसी को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड पर प्रतिबंध भी लगाने चाहिए?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है। सभी आंकड़े प्रतिशत में।

देश को दिशा दिखाते नेताजी के आदर्श

सीपी राधाकृष्णन

> नेताजी उन दुर्लभ राष्ट्रीय नेताओं में से थे, जिनमें बौद्धिक गहराई और निडर कर्म, दोनों का अद्भुत मेल था

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर देश उस महान जीवन को नमन करता है, जो साहस, त्याग और स्वतंत्रता के प्रति अटूट जुनून से भरा हुआ था। कम उम्र से ही नेताजी में एक दुर्लभ नैतिक दृढ़ता दिखाई देती थी। उन्होंने व्यक्तिगत सुख, सांसारिक महत्वाकांक्षाएं और यहां तक कि भारतीय सिविल सेवा में मिला प्रतिष्ठित पद भी छोड़ दिया, ताकि वे स्वयं को पूरी तरह भारत की आजादी के लिए समर्पित कर सकें। उनके लिए स्वतंत्रता कोई साधारण लक्ष्य नहीं, बल्कि एक पवित्र कर्तव्य थी, जिसके लिए अनुशासन, निर्भयता और सब कुछ बलिदान करने की तैयारी आवश्यक थी। गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने सुभाष चंद्र बोस को 'देशनायक' करार देते हुए कहा था कि कठिन समय में किसी भी देश को एक ऐसे प्रेरित और वीर नेता की आवश्यकता होती है, जो चुनौतियों से ऊपर उठकर पूरे जोश के साथ नेतृत्व कर सके।

नेताजी की जीवन-यात्रा कठिन फैसलों और अकेले दृढ़ संकल्प से भरी रही। जब आजादी पाने के लिए प्रचलित रास्ते उन्हें पर्याप्त नहीं लगे, तो उन्होंने अपना अलग मार्ग चुना। उन्होंने आजादी की लड़ाई को आजाद हिंद फौज (आइएनए) के माध्यम से एक अंतरराष्ट्रीय आंदोलन का रूप दिया। नेताजी ने पूरे विश्वास के साथ कहा था, 'दुनिया की कोई भी ताकत अब हमसे हमारे जन्मसिद्ध अधिकार स्वतंत्रता को नहीं छीन सकती।' उनका यह विश्वास आजाद हिंद फौज के रूप में साकार हुआ। नेताजी का ओजपूर्ण आह्वान-'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' और उनका यह कथन कि 'आजादी दी नहीं जाती, ली जाती है', यह दर्शाता है कि उनका अटूट विश्वास था कि स्वतंत्रता संघर्ष और सर्वोच्च बलिदान से ही प्राप्त होती है। साहस और आत्मसम्मान पर आधारित नेताजी का यह आह्वान भारत के हर क्षेत्र और हर समाज में गूंजा। विशेष रूप से देश के दक्षिणी भागों में, खासकर तमिल समाज के बीच, इसका गहरा प्रभाव पड़ा।

नेताजी की लोकप्रियता न केवल मद्रास प्रेसीडेंसी में बढ़ी, बल्कि मलाया, बर्मा और सिंगापुर में रहने वाले तमिल समुदायों में भी उनका संदेश गूंजा। 1920 के दशक की शुरुआत से ही नेताजी ने भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में मद्रास प्रेसीडेंसी के राजनीतिक महत्व को समझ लिया था। कांग्रेस के एक संगठक और राष्ट्रीय नेता के रूप में वे इस क्षेत्र के लोगों से लगातार जुड़े रहे। 3 सितंबर, 1939 को नेताजी जब मद्रास सेंट्रल स्टेशन पहुंचे, तब उनका स्वागत वकील और स्वतंत्रता सेनानी एस. श्रीनिवास अय्यंगार तथा पासुम्पोन यू. मुथुरामलिंगा थेवर सहित अनेक समर्थकों ने किया। इस यात्रा के दौरान नेताजी के करीबी सहयोगी पासुम्पोन यू. मुथुरामलिंगा थेवर तमिलनाडु में फारवर्ड ब्लाक के एक प्रमुख नेता के रूप में उभरे। उन्हें अक्सर 'दक्षिण के बोस' के रूप में याद किया जाता है। उन्होंने 'नेताजी' नाम से एक तमिल साप्ताहिक पत्रिका भी शुरू की। आइएनए में तमिल योगदान की एक विशेष बात यह थी कि इसके स्वयंसेवक दूर-दूर के क्षेत्रों से आए थे। इनमें रामु थेवर भी शामिल थे, जो मूल रूप से मद्रास प्रेसीडेंसी के रामनाड क्षेत्र से थे। लगभग चौदह वर्ष की उम्र में नेताजी से प्रेरित होकर वे आइएनए में शामिल हुए और बाद में उन्हें खुफिया कार्य की जिम्मेदारी सौंपी गई। भारत पहुंचने की कोशिश के दौरान उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और अलीपुर जेल में बंद कर दिया गया। अपनी मां को लिखे उनके पत्र गहरी कठिनाइयों और अडिग देशभक्ति की कहानी कहते हैं। मद्रास जेल में 1944 में उन्हें फांसी दिए जाने की जानकारी से अनजान उनकी मां 1948 तक उन्हें पत्र लिखती रहीं। सर्वोच्च बलिदान देने वाले रामु थेवर की उम्र उस समय केवल 18 वर्ष थी। एक और उल्लेखनीय व्यक्तित्व लेफ्टिनेंट आर. माधवन पिल्लै थे, जो बर्मा के रहने वाले एक तमिल थे। 2024 में पराक्रम दिवस समारोह के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की ओर से उनका सम्मान किया जाना प्रेरणादायक था।

अवधेश राजपूत

नेताजी सुभाष चंद्र बोस के आह्वान ने भारतीय महिलाओं के साहस को भी जगाया। 1943 में सिंगापुर के पदांग मैदान में उनके संबोधन ने मलाया की तमिल भारतीय महिलाओं को गहराई से प्रभावित किया, जिनमें से कई ने रबर बागानों में कठिन जीवन जिया था। भारत को कभी न देखने के बावजूद, लगभग एक हजार महिलाओं ने रानी झांसी रेजीमेंट के लिए स्वेच्छा से नाम लिखा। डा. लक्ष्मी स्वामीनाथन (कैप्टन लक्ष्मी सहगल) की वीरता व्यापक रूप से जानी जाती है, लेकिन जानकी थेवर, अंजलाई पोन्नुसामी और रसम्माह भूपालन का योगदान भी उतना ही प्रेरक है। जानकी थेवर ने अपनी हीरे की बाली आइएनए को दान कर दी और आगे चलकर रानी झांसी रेजीमेंट में एक वरिष्ठ नेतृत्व पद तक पहुंचीं। नेताजी ने एक बार कहा था कि यदि उनका पुनर्जन्म हो, तो वे तमिल के रूप में जन्म लेना चाहेंगे। नेताजी उन दुर्लभ राष्ट्रीय नेताओं में से एक थे, जिनमें बौद्धिक गहराई और निडर कर्म दोनों का अद्भुत मेल था। उनका मानना था कि राजनीतिक स्वतंत्रता तो केवल शुरुआत है। असली चुनौती एक मजबूत, एकजुट और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करना है, जो सभी को सम्मान और न्याय दे।

प्रधानमंत्री मोदी लगातार इस पर जोर देते रहे हैं कि औपनिवेशिक मानसिकता को त्यागा जाए, भारत के मूल्यों और स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान किया जाए और मन एवं आत्मा की सच्ची स्वतंत्रता की ओर बढ़ा जाए। यही वह आदर्श है, जिसके लिए नेताजी ने जीवन जिया और संघर्ष किया। यह दृष्टि सरकार द्वारा नेताजी की जयंती को 'पराक्रम दिवस' के रूप में मनाने, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के ऐतिहासिक द्वीपों का उनके सम्मान में नामकरण करने और कर्तव्य पथ पर उनकी प्रतिमा स्थापित करने में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। ये सभी कदम उनके अतुलनीय योगदान की राष्ट्रीय स्वीकृति हैं। नेताजी ने कहा था, 'एक व्यक्ति किसी विचार के लिए मर सकता है, लेकिन उसकी मृत्यु के बाद वह विचार हजारों जिंदगियों में साकार हो उठता है।' उनके आदर्श भारत का मार्गदर्शन करते हैं-न केवल स्मृति में, बल्कि कर्म में भी, क्योंकि राष्ट्र पराक्रम को प्रगति में बदलने के सामूहिक संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है।

(लेखक उपराष्ट्रपति हैं)

response@jagran.com

ट्रंप के सामने डटकर खड़े होना होगा

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक खासियत यह है कि वे कमजोर पहलुओं को निशाना बनाने में पीछे नहीं रहते और दृढ़ता के समक्ष ठिठक जाते हैं। यूरोप आज जिन समस्याओं से दो चार है, उनका एक प्रमुख कारण यही है कि लंबे समय से वह पूर्व में रूस तो पश्चिम की ओर से दस्तक दे रही चुनौतियों के प्रति बेपरवाह रहा। ट्रंप यही मानते हैं कि यूरोपीय नेता कमजोर हैं। उन्होंने यूरोपीय नेताओं को टैरिफ की धमकी दी तो वे उनके सामने झुक भी गए। इसे अपने लिए मौका समझते हुए ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर कब्जे और एक तरह से नाटो को समाप्त करने का शिगूफा छेड़ा और यूरोप को चेताया कि अगर इस राह में अवरोध खड़ा किया तो नए व्यापार युद्ध के लिए तैयार रहें। दावोस में यूरोपीय प्रतिरोध पर प्रतिक्रिया के बीच ग्रीनलैंड के मुद्दे पर उन्होंने यही कहा कि उसे हासिल करने के लिए वे बल प्रयोग नहीं करेंगे। हालांकि हाल-फिलहाल उन्होंने नए टैरिफ को भी अभी टालने के संकेत ही दिए हैं। इससे कुछ दिन पहले ही उन्होंने एक नक्शे में ग्रीनलैंड, कनाडा और वेनेजुएला को अमेरिका का हिस्सा दिखाया था।

ग्रीनलैंड पर ट्रंप के प्रलाप ने अंततः विश्व नेताओं को अमेरिकी खतरे के प्रति जागरूक करने का काम तो किया है। इसी संदर्भ में बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी. वेवर ने कहा, 'अब तक हमने व्हाइट हाउस में नए राष्ट्रपति की संतुष्टि के लिए पूरे प्रयास किए। यहां तक कि टैरिफ के मामले में भी हम इस उम्मीद से उदार रहे कि चलो यूक्रेन युद्ध में उनकी मदद हासिल होगी।' अब ऐसी उम्मीदें निराशा में बदलती जा रही हैं। वेवर के कहने का आशय यही है कि अब सभी लक्ष्मण रेखाएं लांघी जा रही हैं और समझना चाहिए कि खुशी-खुशी किसी के खेमे में रहना और दयनीय दशा वाले गुलाम वाली स्थिति में जमीन-आसमान का फर्क है। पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने भी कहा कि तुष्टीकरण केवल कमजोरी का संकेत है। उनका कहना है कि यूरोप कमजोर होना गवारा नहीं कर सकता, अपने सहयोगियों और न ही विरोधियों के सामने। वे मानते हैं कि तुष्टीकरण का कोई परिणाम नहीं मिलता और केवल अपमान एवं उत्पीड़न झेलना पड़ता है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने भी ट्रंप की ताजा टैरिफ धमकियों को अस्वीकार्य ठहराया है। एक तरह से उन्होंने ट्रंप को पुतिन के खतरे की भांति माना है कि कोई भी धमकी या डर हमें विचलित नहीं कर सकती, न यूक्रेन में और न ग्रीनलैंड में।

> समय की मांग यही है कि मित्र और सहयोगी देश अमेरिकी राष्ट्रपति की सनक के समक्ष समर्पण करना बंद करें

निकोलस क्रिस्टोफ

सहयोगियों को ही कुपित करते ट्रंप ● फाइल

यूरोप के मुकाबले उससे बाहर के नेता ट्रंप के विरुद्ध मुखर होने में खासे प्रभावी रहे। इनमें से एक हैं चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग। उन्होंने ट्रंप के कड़े टैरिफ के जवाब में दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर प्रतिबंध के जरिये अमेरिका को करारा जवाब देकर उसे रुख बदलने पर मजबूर तक कर दिया। वास्तव में उसके बाद से बीजिंग को लेकर ट्रंप के तेवर कई मामले में नरम दिखे हैं। फिर चाहे चीन को अत्याधुनिक चिप की आपूर्ति हो या जापान-ताइवान को डराने-धमकाने के उसके तौर-तरीकों को लेकर मौन धारण करना हो। दूसरे नेता हैं कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी। उनके पूर्ववर्ती जस्टिन ट्रूडो ने ट्रंप के प्रति नरमी दिखाई तो बदले में ट्रंप ने उनसे कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात कही। इसके उलट शुरुआत से ही कार्नी ने विनम्रता के साथ उतनी ही दृढ़ता भी दिखाई, जिसका परिणाम यह निकला कि ट्रंप का लहजा भी कुछ सम्मानजनक हुआ। ओटावा ने हाल में बीजिंग के साथ एक बड़ा व्यापार समझौता भी किया और कहा कि अमेरिका की तुलना में चीन अब कहीं कम अनिश्चितताओं वाला साझेदार है। दावोस में भी उनका संबोधन बहुत चर्चित रहा, जिसमें उन्होंने कहा कि अमेरिका अब उतना भरोसेमंद नहीं रहा इसलिए कनाडा को नई राह तलाशनी ही होगी। उनका कहना है कि जब व्यवस्था आपका संरक्षण नहीं करती तो अपनी रक्षा के उपाय स्वयं करने होंगे।

ये बातें पूरी तरह सच हैं। ट्रंप इसी तरह की दुनिया बना रहे हैं। यह अमेरिकियों और उसके पुराने सहयोगियों के लिए किसी त्रासदी से कम नहीं। इसलिए यह महत्वपूर्ण होगा कि ट्रंप अगर नए टैरिफ लगाएं तो यूरोप को इसका कड़ाई से जवाब देना चाहिए। विडंबना यह है कि ट्रंप राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से ग्रीनलैंड को लेकर रूस और चीन की चिंता का वितंडा खड़ा कर रहे हैं, जबकि वास्तविकता यही है कि पुतिन की इच्छा ग्रीनलैंड से अधिक नाटो के अस्तित्व समाप्ति की होगी, जिसे ट्रंप साकार भी कर सकते हैं। कुल मिलाकर आज न केवल रूस, बल्कि अमेरिका राष्ट्रपति दोनों मिलकर नाटो और अमेरिका की बनाई उस व्यवस्था को खंडित करने पर तुले हैं, जिसने 1945 के बाद से ही सभी को बहुत फायदा पहुंचाया है। एक अमेरिकी के रूप में यह मुझे अच्छा नहीं लगता कि नेताओं को अपने ही देश के विरुद्ध विद्रोह का बिगुल बजाने के लिए प्रोत्साहित करूं और यह राष्ट्र के प्रति वफादारी भी नहीं कही जाएगी, लेकिन वास्तविकता भी ऐसा नहीं है। ग्रीनलैंड पर कब्जे से अमेरिका को ऐसा कोई लाभ नहीं मिलने वाला, जैसा इराक के मामले में मिला। हम नहीं चाहते कि हमारे बच्चे फिजूल या कंधार की तरह नूक या टोरंटो में गश्त करते दिखें। समय की मांग यही है कि हमारे मित्र और सहयोगी देश अमेरिकी राष्ट्रपति की सनक के समक्ष समर्पण करना बंद करें।

(लेखक न्यूयार्क टाइम्स के स्तंभकार हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

अंतस का वसंत

वसंत पंचमी प्रकृति के परम सौंदर्य का प्रतीक है। इस अवसर पर चारों ओर प्रकृति में एक अद्भुत ऊर्जा एवं नवीनीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ हो जाती है। शीत के प्रभाव से वनस्पतियों में जो स्थिरता आ जाती है, वसंत का यह स्वर्णिम काल उसे प्राकृतिक स्थिरता में गति तथा नवीन ऊर्जा का संचार करता है, जिससे वातावरण में मधुरता का संचार हो जाता है। इसलिए इस अवसर को हमारे शास्त्रों में मधु मास कहा गया है।

केवल बाहर के वसंत को निहारने मात्र से जीवन परिवर्तित नहीं होता। प्रकृति के इस परम वैभव को भीतर उतारना भी हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। जिस क्षण हम अपने अंतस के आनंद के विषय में चिंतन करके पुरुषार्थी बनते हैं, उसी समय हमारे भीतर भी अद्भुत बदलाव दृष्टिगोचर होने लगता है। यह अवसर हमें बौद्धिक रूप से सजग बनने की प्रेरणा प्रदान करता है।

जबकि हमारे बाहर की प्रकृति अपने सौंदर्य के परम वैभव पर होती है। प्रकृति के इस सुरम्य वातावरण का प्रभाव हमारे भीतर भी दिखना चाहिए। हमारे अंतस में विद्यमान अज्ञान, निराशा, जड़ता, आसुरी प्रवृत्तियां, पुरुषार्थहीनता हमारी आध्यात्मिक उन्नति में बाधा उत्पन्न करते हैं, जिससे जीवन में सदैव अशांति और चिंता ही दिखाई देती है। इसे दूर करने के लिए आध्यात्मिक एवं बौद्धिक उत्कर्ष रूपी वसंत हमारे अंतस में भी घटित होना आवश्यक है। वसंत प्रकृति को सुसुप्त नींद से जगाता है। हमारे शास्त्रों में वसंत पंचमी ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी परम चेतना सरस्वती के आविर्भाव को समर्पित है। जब हमारे भीतर मानस पटल पर भी आध्यात्मिक शक्तियों का जागरण होता है तो हमारे भीतर भी वैसा ही आनंदमय वातावरण सृजित होता है जैसा इस अवसर पर बाहर के वातावरण में होता है। यह अवसर हमें अपने अंतस से जोड़ता है, जिससे बौद्धिक उत्थान की ओर मनुष्य बढ़ता है। हम भीतर से आनंदित एवं ऊर्जावान बनते हैं।

आचार्य दीप चंद भारद्वाज

पाठकनामा

pathaknama@nda.jagran.com

रेवड़ी संस्कृति पर रोक आवश्यक

संपादकीय 'मुफ्त की रेवड़ियां' पढ़ा। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए रेवड़ी संस्कृति नुकसानदेह है। अक्सर राजनीतिक दल सत्ता प्राप्ति के लिए लोकलुभावन वादों की झड़ी लगा देते हैं। रेवड़ी संस्कृति द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से वोट का सौदा किया जाता है। रेवड़ी संस्कृति में कोई भी दल किसी से पीछे नहीं रहना चाहता है। जबकि इस रेवड़ी संस्कृति की वजह से देश की अर्थव्यवस्था बिगड़ रही है और विकास योजनाएं प्रभावित हो रही हैं। रेवड़ी संस्कृति पर रोक लगाने में चुनाव आयोग विफल रहा है, इसलिए, सर्वोच्च न्यायालय द्वारा लोकलुभावन घोषणाओं पर सुनवाई के लिए तैयार होना स्वागतयोग्य कदम है। देश की एक बड़ी आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन कर रही है। देश के 80 करोड़ लोगों की मासिक आय लागभग पांच हजार रुपये है। आज देश में गरीबी सबसे बड़ी जाति बन चुकी है। इस वर्ग को मुफ्त योजनाओं के सहारे राजनीतिक दल अपने पाले में लाना चाहते हैं। बिहार के चुनाव परिणाम में भी रेवड़ी संस्कृति का योगदान था। लाडली बहन योजना, मैया सम्मान योजना, किसानों की कर्ज माफी, मुफ्त बिजली, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा और मुफ्त गैस सिलेंडर जैसे चुनावी वादे अब राज्य सरकारों के लिए चुनौती बन चुके हैं। मध्य प्रदेश में भाजपा की जीत में लाडली बहन योजना का अहम योगदान था। इस योजना का पूरा करने की वजह से आज सरकार के ऊपर कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा है। मुफ्त बिजली योजना की वजह से आज पंजाब में भूमिगत जल स्तर गिरता जा रहा है। रेवड़ी संस्कृति पर रोक लगाने का वक्त आ चुका है। यह राज्य और देश की अर्थव्यवस्था के लिए खतरा बन चुका है।

himanshushekhar.mca@gmail.com

शांति नहीं अशांति का नोबेल

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शांति के नोबेल पुरस्कार पाने के लिए इतने अशांत हैं कि वे इसे प्राप्त करने लिये किसी भी देश पर आक्रमण करने से भी नहीं चूक रहे। गधे को शेर और शेर को गधा बताना पड़े तो पड़े। शांति का नोबेल पाने के लिए उन्होंने खूब घोड़े दौड़ाए। अनेक देशों के बीच युद्ध छिड़वाए और उनके बीच युद्ध रुकवाने के लिए स्वयं को झूठा श्रेय देने के ढोल बजवाए। किंतु कोई भी चाल काम नहीं आई। तब झुंझलाकर उन्होंने वेनेजुएला पर हमला कर दिया। कभी मोदी की प्रशंसा के कसीदे बुनते हैं, तो दूसरी तरफ भारत को टैरिफ लगाने धमकी से भी बाज नहीं आ रहे। समझ नहीं आता कि जब ट्रंप की दृष्टि में मोदी इतने बढ़िया आदमी हैं तो फिर भारत पर विश्व के किसी भी देश से अधिक व्यापारिक कर लगाने की धमकी क्यों? ट्रंप का वश नहीं चला नहीं तो वे डालर के बदले में नोबेल खरीद लें। हद तो तब हो गई जब वेनेजुएला की कार्यकारी राष्ट्रपति और नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मारिया ने जब अपना नोबेल पुरस्कार ट्रंप को दिया। नोबेल के प्रविधान के अनुसार कोई भी नोबेल पुरस्कार किसी अन्य को स्थानांतरित नहीं किया जा सकता। 'शांति के इस दूत' को नोबेल के लिए इतना अशांत देखकर तो अब दुनिया ट्रंप से डर रही है।

डा. नरेंद्र टोंक, मेरठ।

वसंत पंचमी प्रकृति का उत्सव

भारत सिर्फ त्योहारों का नहीं बल्कि ऋतुओं का भी देश है। विद्यादायिनी मां सरस्वती को समर्पित वसंत पंचमी सिर्फ भारतीय सभ्यता व संस्कृति से जुड़ा ही त्योहार नहीं है, बल्कि यह हर भारतीय के ज्ञान और समृद्धि का प्रतीक है। यह त्योहार अज्ञान पर ज्ञान के विजय का त्योहार है। हमलोग वसंत पंचमी को ज्ञान और कला की देवी मां सरस्वती के वंदना के रूप में मनाते हैं। वसंत पंचमी वसंत ऋतु सर्दी के मौसम के बाद वसंत के आगमन के साथ ही प्रकृति में एक नए पन का संदेश भी देती है। यह त्योहार जीवन में नए परिवर्तन और उल्लास का त्योहार है, जो हमें निराशा और अवसाद को त्याग करके नई ऊर्जा के साथ सकारात्मक सोच से आगे पढ़ने की प्रेरणा देता है। वसंत पंचमी महत्व इसलिए भी है क्योंकि यह त्योहार हम सभी को नई शुरुआत को शुरू करने के लिए प्रेरित करता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार कहा जाता इस समय शुरू किया गया कार्य शुभ होता हैं, और उस कार्य को सफलता जरूर मिलती है। यह पूरी तरह से प्रकृति का उत्सव है जब यह प्रकृति में खिले सरसों के खेतों और फूलों का पर्व है। वसंत पंचमी का दिन छात्रों के लिए अत्यंत शुभकारी मानी जाती है मां सरस्वती कला और ज्ञान की देवी हैं इनके वंदना से छात्रों में ज्ञान और कलाकार व्यापक तौर से विस्तार होता है। इस तरह से कहां जाए तो वसंत पंचमी ज्ञान और कला को समर्पित एक उत्सव है। यह दिन प्रकृति के नवीनीकरण का प्रतीक है।

विजय किशोर तिवारी नई दिल्ली

पोस्ट

पाकिस्तान ने बहुत चालाकी से बांग्लादेश के क्रिकेट का अंत कर दिया। जब आप छोटी अर्थव्यवस्था, कम संभावनाओं वाले देश हों तो बच्चे जैसा व्यवहार नहीं कर सकते। बांग्लादेश को इसका बहुत पछतावा होगा। खेल में मुस्लिम भाईचारा काम नहीं करता।

संदीप मार्कंट्स@IndiaBottomline

जिस मुंबा में आतंकी इसरत जहां रहती थी, उस जगह को असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी के नेता पूरा हरा करने की धमकी दे रहे हैं। महाराष्ट्र पुलिस इन धमकियों को गंभीरता से ले और साथ में ठाणे म्युनिसिपिलिटी का बुलडोजर भी लेकर जाना चाहिए। मजहबी उन्माद फैलाकर जो लोग चुनाव जीते हैं, उनके इरादे नेक नहीं लग रहे हैं।

संजय निरुपम@sanjaynirupam

एथलीटों को हटाकर स्टेडियम में कुत्ता घुमाने के लिए जिन आइएएस अधिकारी संजीव खिरवार को दिल्ली से बाहर तबादला किया गया था, अब महत्वपूर्ण पद पर वापसी हुई है। देखा जाए तो हमारा देश ही ऐसा है, जहां खराब काम करके भी तरक्की मिल सकती है।

सुहेल सेठ@Suhelseth

जनपथ

धन संचय काहे करे जब हो पूत सपूत,
धन संचय काहे करे जब हो पूत कपूत।
जब हो पूत कपूत तुम समझो धन मिट्टी,
ज्यों उद्धव की आज दिखे गुम सिट्टी-पिट्टी!
कलियुग के धृतराष्ट्र संग जब बैठे 'संजय',
होना है बर्बाद ठाकरे का धन संचय!!

– ओमप्रकाश तिवारी

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा जागरण प्रकाशन लि. के लिए डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित एवं 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित, संपादक (दिल्ली एनसीआर)-विष्णु प्रकाश त्रिपाठी
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No 50755/90 समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई शुल्क अतिरिक्त। वर्ष 36 अंक 189

दुनिया की चिंता करता है भारत, कई देशों की संकट में की मदद : भागवत

जागरण संवाददाता, जयपुर: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत ने कहा है कि दुनिया के देश आजकल अपने स्वार्थ के साथ चल रहे हैं। हर कोई चाहता है कि मेरा स्वार्थ सिद्ध होना चाहिए लेकिन भारत के लोग कभी इस सोच के साथ नहीं चले और न ही चलेंगे क्योंकि भारतीय धर्म को जानते हैं। भारत केवल अपने हित की नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की चिंता करता है। भारत ने बिना किसी स्वार्थ के पाकिस्तान और श्रीलंका सहित कई देशों की संकट में मदद की है। भागवत ने गुरुवार को राजस्थान के डीडवाना-कुचामन जिले के छोटी खाटू कस्बे में जैन श्वेतांबर तेरापंथ धर्मसंघ के मर्यादा महोत्सव को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मोहन भागवत ● फाइल फोटो

सर संघचालक ने कहा कि हमारे पूर्वज धर्म का सत्य जानते थे। धर्म के पीछे जो सत्य है वो बाकी दुनिया नहीं जानती थी, इसलिए सत्य, अहिंसा व अपरिग्रह आदि बातें केवल हमारे देश में हैं।

उन्होंने मर्यादा, अनुशासन और संतुलन को राष्ट्र प्रगति की नींव बताते हुए कहा कि धर्मग्रंथों का संदेश जीवन की दिशा बदल सकता है। इस मौके पर जैन श्वेतांबर तेरापंथ संप्रदाय के सर्वोच्च आचार्य महाश्रमण ने खोज, अहिंसा और करुणा का महत्व बताया।

मोदी ने 1989 के लेख से राममंदिर शिलान्यास किया याद

नई दिल्ली, आइएएनएस: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वर्ष 1989 में 'अनिकेत' उपनाम से लिखित एक लेख में अयोध्या में राममंदिर शिलान्यास समारोह को स्वतंत्र भारत में हिंदू चेतना के जागरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया था। यह लेख 18 नवंबर 1989 को गुजराती पत्रिका साधना के 'अक्षर उपवन' कालम में प्रकाशित हुआ था, जो राममंदिर शिलान्यास (नौ और दस नवंबर, 1989) की स्मृति को जीवंत करता है। यह लेख आज से दो वर्ष पूर्व 22 जनवरी, 2024 को भव्य राममंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की तीसरी वर्षगांठ पर मोदी आर्काइव ने गुरुवार को एक्स पर साझा किया।

प्रधानमंत्री उस समय राष्ट्रीय स्वयंसेवक (आरएसएस) के सक्रिय प्रचारक थे और उन्होंने अयोध्या में शिलान्यास को 450 वर्षों की गुलामी की निशानी पर एक करारा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ● फाइल फोटो

- अयोध्या में राममंदिर शिलान्यास के बाद 18 नवंबर 1989 को लिखा था लेख
- कहा था, स्वतंत्रता के बाद पहली बार विजयश्री की ओर कदम बढ़ा रहा हिंदू

प्रहार और सांस्कृतिक स्वतंत्रता की विजययात्रा के शुभारंभ के रूप में वर्णित किया था। इस लेख में उस दौर की कांग्रेस सरकार पर भी निशाना साधा गया था। तत्कालीन सरकार ने राम जन्मभूमि से संबंधित मांगों का विरोध किया था। उस पर अल्पसंख्यक तुष्टिकरण की राजनीति करने और विभिन्न चरणों में आंदोलन को बाधित करने का आरोप भी लगाया गया था। राममंदिर शिलान्यास समारोह विश्व हिंदू परिषद की ओर से आयोजित किया गया था। इसके लिए देशभर से पवित्र ईंटों (राम शिलाओं) को एकत्र किया गया था। राममंदिर आंदोलन के दौरान आरएसएस प्रचारक के रूप में मोदी ने गुजरात में चल रहे अभियान में अहम भागीदारी की। शिलान्यास समारोह का उल्लेख करते हुए लेख में कहा गया था कि स्वतंत्रता के बाद पहली बार हिंदू विजयश्री की ओर कदम बढ़ा रहा है।

लेख में बताया गया कि कांग्रेस ने राममंदिर शिलान्यास को रोकने की पूरी कोशिश की थी। उसने अयोध्या में शिलाएं लाने पर प्रतिबंध लगाने की धमकी दी, पर कुछ हासिल नहीं हुआ।

पीएम मोदी आज केरल में कई परियोजनाओं का करेंगे लोकार्पण

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को केरल जाएंगे। इस दौरान वे नवाचार और उद्यमिता केंद्र की नींव रखेंगे और चुनाव वाले राज्य में चार नई रेल सेवाओं को हरी झंडी दिखाएंगे। साथ ही प्रधानमंत्री शहरी आजीविका मजबूत करने के प्रयासों के तहत पीएम स्वनिधि क्रेडिट कार्ड जारी करेंगे। राजधानी में एक आधुनिक डाकघर का उद्घाटन भी करेंगे। मोदी केरल के रेहड़ी पटरी वालों सहित एक लाख लाभार्थियों को पीएम स्वनिधि ऋण भी वितरित करेंगे। मोदी तिरुअनंतपुरम में सीएसआइआर-एनआइआइएसटी इनोवेशन, टेक्नोलाजी एंड एंटरप्रेन्योरशिप हब की आधारशिला रखेंगे।

भविष्य की जंग को सेना की तैयारी, क्वांटम तकनीक पर बड़ा कदम

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारत की तीनों सेनाओं- थल सेना, नौसेना और वायु सेना- को भविष्य के युद्ध के लिए तकनीकी रूप से और अधिक सक्षम बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। चीफ आफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने गुरुवार को 'मिलिट्री क्वांटम मिशन पालिसी फ्रेमवर्क' नामक एक महत्वपूर्ण दस्तावेज जारी किया। यह दस्तावेज सेना में क्वांटम तकनीकों को चरणबद्ध तरीके से शामिल करने की नीति और रोडमैप तय करता है।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह नीति दस्तावेज चार प्रमुख क्वांटम तकनीकों को सेना में जोड़ने पर केंद्रित है। इनमें क्वांटम कम्युनिकेशन, क्वांटम कंप्यूटिंग, क्वांटम सेंसिंग और मेट्रोलाजी, तथा क्वांटम सामग्री

सीडीएस ने सेना के लिए 'मिलिट्री क्वांटम मिशन पालिसी फ्रेमवर्क' जारी किया, जिससे तीनों सेनाओं में नई तकनीकें जुड़ेंगी

और उपकरण शामिल हैं। इन अत्याधुनिक तकनीकों से सेना की संचार व्यवस्था अधिक सुरक्षित होगी, दुश्मन की गतिविधियों का पता लगाने की क्षमता बढ़ेगी और जटिल गणनाएं बहुत तेजी से की जा सकेंगी। क्वांटम कम्युनिकेशन से ऐसा सुरक्षित संदेश भेजा जा सकेगा जिसे हैक करना लगभग नामुमकिन होगा। वहीं, क्वांटम सेंसिंग की मदद से दुश्मन की मौजूदगी, पनडुब्बियों का पता पहले से लगाया जा सकेगा। इस मौके पर नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी भी मौजूद थे।

एक नजर में

छत्तीसगढ़ के स्टील प्लांट में ब्लास्ट, छह श्रमिकों की मौत

भाटापारा: छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में रियल स्टील संयंत्र में गुरुवार सुबह एक भीषण हादसे ने छह श्रमिकों की मौत हो गई। प्लांट में डस्ट सेटलिंग चैंबर के फटने से निकली अत्यधिक गर्म राख और डस्ट की चपेट में आने से यह हादसा हुआ। कलेक्टर दीपक सोनी ने बताया कि डस्ट सेटलिंग चैंबर का तापमान अत्यधिक होता है, जिससे राख लीक होकर नीचे काम कर रहे श्रमिकों पर गिर गई। हादसे में बिहार के गया के रहने वाले श्रवण कुमार, राजदेव कुमार, जितेंद्र भुइया, बदरी भुइया, विनय और सुन्दर भुइया की मौत हो गई। (नईदुनिया न्यूज)

बजट सत्र से पहले 27 जनवरी को सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली : संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू आगामी बजट सत्र से पहले 27 जनवरी को संसद के दोनों सदनों के फ्लोर लीडर्स की सर्वदलीय बैठक आयोजित करेंगे। बैठक में सत्र का एजेंडा तय होने और सुचारू कार्यवाही सुनिश्चित किए जाने की उम्मीद है। सूत्रों के अनुसार, यह बैठक संसद के मुख्य समिति कक्ष में होगी। उम्मीद है कि सरकार इस बैठक में महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों और आगामी सत्र के दौरान दोनों सदनों के समक्ष आने वाले विधायी कामकाज पर चर्चा करेगी। (एएनआइ)

बंगाल में पेट्रोल डालकर भाजपा नेता का घर फूंका, तोड़फोड़ की

कोलकाता: बंगाल में बांकुड़ा जिले के ओंदा में भाजपा नेता तापस बारीक के घर में कुछ लोगों ने पेट्रोल डालकर आग लगा दी, तोड़फोड़ की। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस समर्थित बदमाशों ने ऐसा किया है। उनका उद्देश्य उनकी तथा परिवार के सदस्यों की हत्या करना था। ग्रामीणों के प्रयासों से सभी बच गए। भाजपा ने आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग की है। (राब्यू)

ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में देहरी पूजन को लेकर सेवायत व समिति में विवाद

वृंदावन : ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में देहरी पूजन की परंपरा पर उच्चाधिकार प्राप्त प्रबंधन समिति ने रोक लगा रखी है। देहरी तक पहुंचने के रास्ते पर बैरीकेडिंग लगा दी गई है। समिति खुद वसंत पंचमी पर ठाकुर की देहरी का पूजन करना चाहती है। इससे नाराज मंदिर सेवायत ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 25 व 26 का हवाला देते हुए अधिवक्ता संकल्प गोस्वामी के माध्यम से समिति अध्यक्ष व सचिव को कानूनी नोटिस भेजा है। इसमें देहरी पूजन न करने की अपील की है। (जासं)

तमिलनाडु और केरल के बाद कर्नाटक में भी राज्यपाल के अभिभाषण पर विवाद

राज्यपाल के पूरा अभिभाषण नहीं पढ़ने पर कर्नाटक सरकार जा सकती है सुप्रीम कोर्ट

बेंगलुरु, प्रेट्र : तमिलनाडु और केरल के बाद कर्नाटक में भी राज्यपाल के अभिभाषण पर विवाद हो गया है। कर्नाटक विधानसभा में गुरुवार को राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने विधानसभा के संयुक्त सत्र में राज्य सरकार द्वारा तैयार किया गया संबोधन पढ़ने से इन्कार कर दिया। उन्होंने भाषण मात्र तीन पंक्तियों में समाप्त कर दिया। इस पर मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन पर केंद्र सरकार की कठपुतली होने का आरोप लगाया।

राज्यपाल ने मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष, विधान परिषद के सभापति, विपक्ष के नेताओं, मंत्रियों और सदस्यों का अभिवादन करते हुए अपना अभिभाषण शुरू किया। उन्होंने हिंदी में कहा-राज्य विधानसभा के संयुक्त सत्र में आप सभी का हार्दिक स्वागत है। कर्नाटक विधानसभा के एक और संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। मेरी सरकार राज्य के आर्थिक, सामाजिक और सामान्य विकास की गति को दोगुना करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। जय हिंद। जय कर्नाटक। यह कहकर वह बाहर चले गए। इस पर विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री एचके पाटिल समेत सत्ता पक्ष के विधायक खड़े हो गए और गहलोत से अपना भाषण पूरा करने का अनुरोध किया। विधायकों ने कन्नड़ में नारे लगाए। सिद्दरमैया ने गहलोत की आलोचना

बेंगलुरु में गुरुवार को कर्नाटक विधानसभा से बाहर निकलते राज्यपाल थावरचंद गहलोत (लाल टोपी में) ● आइएएनएस

केंद्र की आलोचना से नाराज थे राज्यपाल

गहलोत ने बुधवार को राज्य विधानमंडल के संयुक्त सत्र को संबोधित करने से इन्कार कर दिया था। उन्होंने मनरेगा को केंद्र सरकार द्वारा "निरस्त" किए जाने संबंधी कुछ संदर्भों पर आपत्ति जताई थी। सूत्रों के अनुसार, राज्य सरकार द्वारा तैयार किए गए भाषण में कुल 11 पैराग्राफ ऐसे थे, जिनमें कथित तौर पर केंद्र सरकार की आलोचना की गई थी और मनरेगा को रद करने तथा निधियों के हस्तांतरण से संबंधित मुद्दों की चर्चा की गई थी। इन पैराग्राफ से राज्यपाल नाराज थे और वह इन्हें हटवाना चाहते थे। लेकिन, राज्य सरकार को यह मंजूर नहीं था।

भाजपा ने किया राज्यपाल का बचाव

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने राज्यपाल द्वारा सरकार की ओर से तैयार भाषण से हटकर बोलने के फैसले का बचाव किया। उन्होंने सत्ताधारी कांग्रेस पर केंद्र के खिलाफ जन असंतोष भड़काने के लिए सदन का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। उन्होंने सिद्दरमैया से राज्यपाल पर हमला करने की कोशिश करने वाले कांग्रेस विधायकों और एमएलसी के खिलाफ कार्रवाई करने की भी मांग की।

करते हुए उन पर संवैधानिक जिम्मेदारियों का निर्वहन नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्यपाल ने अपना ही भाषण पढ़ा है। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा तैयार किया गया पूरा भाषण नहीं पढ़कर संविधान का उल्लंघन किया है। हम इस बात पर विचार कर रहे हैं कि सुप्रीम कोर्ट का रुख करें या नहीं। पिछले तीन दिनों में दक्षिण भारत के गैर-भाजपा शासित राज्यों में राज्यपाल और सरकार के बीच टकराव की यह तीसरी घटना है। तमिलनाडु के राज्यपाल मंगलवार को पहले सत्र के पहले दिन यह कहते हुए विधानसभा से बाहर चले गए थे कि अभिभाषण के पाठ में गलतियां थीं। इसके अगले दिन केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने अपने भाषण के कुछ हिस्सों को छोड़ दिया था।

सबरीमाला मंदिर से सोना चोरी के मामले में विधानसभा से सड़क तक सियासी महासंग्राम

तिरुअनंतपुरम, प्रेट्र : केरल के सबरीमाला अयप्पा मंदिर से जुड़े सोना चोरी मामले ने अब जांच के दायरे से निकलकर राज्य की राजनीति में बड़ा सियासी टकराव पैदा कर दिया है। गुरुवार को केरल विधानसभा के भीतर और बाहर सत्तारूढ़ लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) और विपक्षी यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली, जिससे सदन की कार्यवाही बाधित रही।

तिरुअनंतपुरम में गुरुवार को केरल विधानसभा के पास युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हटाने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे ● प्रेट्र

कांग्रेस-नीत यूडीएफ ने देवस्वम मंत्री वीएन वासवन के तत्काल इस्तीफे की मांग को लेकर जोरदार हंगामा किया। विपक्ष का आरोप है कि सोना गायब होने की जानकारी होने के बावजूद मुख्य आरोपित को दोबारा मंदिर से जुड़ा काम सौंपा गया, जो सरकार और देवस्वम बोर्ड की गंभीर लापरवाही को दर्शाता है।

इसके जवाब में सीपीआइ(एम)-नीत एलडीएफ ने पलटवार करते हुए दावा किया कि सोना चोरी की घटनाएं कांग्रेस शासन के दौरान हुई थीं। विधानसभा में मंत्री एमबी राजेश और वी शिवनकुट्टी ने आरोप लगाया कि मुख्य आरोपित उन्नीकृष्णन पोट्टी की सोनिया गांधी से मुलाकात हुई थी।

तंत्री एसआइटी हिरासत में : इसी बीच न्यायिक स्तर पर अहम घटनाक्रम में विजिलेंस कोर्ट ने सबरीमाला तंत्री कंदरारू राजीवरू को एक दिन की एसआइटी हिरासत में भेज दिया।

पंजाब में हर परिवार को 10 लाख तक का मुफ्त इलाज

राज्य ब्यूरो, जागरण, मोहाली: पंजाब में मुफ्त स्वास्थ्य सुविधा के वादे को पूरा करते हुए आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गुरुवार को 'मुख्यमंत्री सेहत योजना' की शुरुआत की। इस योजना के तहत राज्य के हर परिवार को 10 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। योजना को लांच करते हुए हुए केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार में पंजाब अब देश का पहला राज्य बन गया है, जिसने मुफ्त स्वास्थ्य सुविधा, शिक्षा, बिजली और

मोहाली में मुख्यमंत्री सेहत योजना को लांच करने के दौरान एक परिवार को स्वास्थ्य कार्ड सौंपते हुए सीएम भगवंत मान व पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल। सौ. लोसंवि

महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा की गारंटी दी और उसे पूरा किया। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि यह योजना समाज के सभी वर्गों के लिए शुरू की गई है। इससे राज्य के सभी 65 लाख परिवारों (कुल तीन करोड़ नागरिकों) को स्वास्थ्य कार्ड जारी किए जाएंगे।

कांग्रेस ने की अपील-वीबी जीरामजी के खिलाफ लड़ाई में एकजुट हों मजदूर

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : कांग्रेस ने मनरेगा की बहाली के साथ वीबी-जीरामजी कानून के खिलाफ लड़ाई जारी रखने का संकल्प दोहराते हुए मजदूरों, गरीबों और किसानों से तीन कृषि कानूनों के खिलाफ लड़ी गई लड़ाई जैसी एकजुटता का आह्वान किया है। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कांग्रेस के मनरेगा बचाओ सम्मेलन में कहा कि गरीबों को एकजुट होना होगा, क्योंकि यह सरकार आधुनिक भारत के ढांचे को खत्म कर देश में आजादी से पहले के राजा-महाराजा की व्यवस्था बनाना चाहती है। उन्होंने कहा कि मजदूर-किसान एकजुट होकर खड़े होंगे तो डर कर प्रधानमंत्री मनरेगा बहाली के लिए बाध्य होंगे।

वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार दबे-कुचले लोगों को बंधुआ मजदूर बनाने तथा महात्मा गांधी का

नई दिल्ली में गुरुवार को मनरेगा बचाओ सम्मेलन के दौरान मजदूर की वेशभूषा में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ● प्रेट्र

नामो-निशान मिटाने के लिए मनरेगा को खत्म कर रही है।

कांग्रेस के दोनों शीर्ष नेताओं ने गुरुवार को राजधानी के जवाहर भवन में 'रचनात्मक कांग्रेस' के प्रमुख संदीप दीक्षित द्वारा वीबी-जीरामजी कानून के खिलाफ आयोजित राष्ट्रीय मनरेगा सम्मेलन में जुटे मजदूरों को संबोधित करते हुए यह बात कही।

भोजशाला में नामित लोग ही नमाज पढ़ सकेंगे

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित भोजशाला मामले में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मुस्लिम समुदाय गुरुवार शाम तक उन लोगों के नाम मुहैया करा दे, जो लोग शुक्रवार को नमाज के लिए जाएंगे ताकि व्यवस्था बनाई जा सके।

गुरुवार को हिंदू फ्रंट फार जस्टिस के वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा कि एएसआइ के 2003 के आदेश में ऐसी स्थितियों का जिक्र नहीं है जब वसंत पंचमी शुक्रवार की नमाज के दिन पड़ती है। उन्होंने कहा कि हिंदुओं को वसंत पंचमी पर सूर्योदय से सूर्यास्त तक पूजा की अनुमति दी जाए। लेकिन कोर्ट के न्यायाधीश जोयमाल्या बागची ने कहा कि वसंत पंचमी की पूजा का मुहूर्त तो एक बजे का है। इस पर जैन का कहना था कि पूजा हवन आदि होता है, जो दिनभर चलता है। हर वर्ष यही होता है। तभी मुस्लिम पक्ष की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सलमान खुर्शीद ने कहा कि इससे पहले भी तीन बार वसंत पंचमी शुक्रवार को पड़ चुकी है और दो घंटे नमाज हुई है। उसमें कोई दिक्कत नहीं है। मध्य प्रदेश सरकार और एएसआइ की ओर से पेश एडीशनल सालिसिटर जनरल केएम नटराज ने कहा कि मुख्य मामले की मेरिट को देखा जाए तो यह मामला अब महत्वहीन हो गया है क्योंकि मुख्य याचिका में हाई कोर्ट के भोजशाला के एएसआइ द्वारा वैज्ञानिक सर्वे कराने के आदेश को चुनौती दी गई है, जबकि एएसआइ सर्वे करके हाई कोर्ट में सीलबंद रिपोर्ट दाखिल कर चुका है।

हाई कोर्ट से मामले की सुनवाई करने को कहा: कोर्ट ने पक्षकारों के अनुरोध पर मुख्य मामले का निपटारा करते हुए हाई कोर्ट को आदेश दिया कि वह एएसआइ की सील बंद लिफाफे में दाखिल की गई भोजशाला के सर्वे की रिपोर्ट को खोलेगा और उसकी प्रतियां पक्षकारों को देगा। पक्षकार रिपोर्ट पर आपत्तियां दाखिल कर सकते हैं जिन पर हाई कोर्ट मामले में अंतिम सुनवाई करने के दौरान विचार करेगा। कोर्ट ने आदेश दिया कि दोनों पक्ष एएसआइ के सात अप्रैल, 2003 के आदेश का अनुपालन करते हुए यथास्थित कायम रखेंगे। यानी हिंदू मंगलवार और वसंत पंचमी को और मुसलमाना शुक्रवार को एक से तीन बजे तक नमाज अदा कर सकेंगे।

नमाज के लिए अलग स्थान, हिंदू पक्ष दिनभर करेगा पूजा-हवन

नईदुनिया प्रतिनिधि, धार : सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के अनुसार धार के जिला प्रशासन ने वसंत पंचमी पर भोजशाला में पूजा और नमाज के लिए तैयारी पूरी कर ली है। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने स्पष्ट किया कि हिंदू समाज पूर्व परंपरा के अनुसार पूजन करेगा। सुप्रीम कोर्ट के आदेश में यह स्पष्ट है कि दोनों समुदाय के आयोजन पृथक-पृथक स्थान पर होंगे। पूजा-अर्चना निर्विघ्न होगी। मुस्लिम समाज को अलग स्थान दिया जाएगा। ऐसे स्थान की तलाश में प्रशासन ने स्वयं

भोजशाला के गर्भगृह को विशेष रूप से सजाया गया है ● नईदुनिया

सर्वे किया है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) से भी नक्शा लिया है। दोनों पक्षों की बैठक बुलाई गई। हिंदू समाज संतुष्ट है। मुस्लिम समाज से भी चर्चा हुई है। उन्हें विकल्प दिए गए हैं।

मुंबई में सामान्य वर्ग की महिला का मेयर की कुर्सी पर बैठना तय

राज्य ब्यूरो, मुंबई: देश की सबसे अमीर नगरपालिका मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के नए मुखिया को लेकर स्थिति स्पष्ट हो गई है। राज्य के नगर विकास विभाग ने महाराष्ट्र की 29 महानगर पालिकाओं के लिए आरक्षण की घोषणा कर दी है। जिसमें मुंबई मेयर पद को 'सामान्य महिला' वर्ग के लिए आरक्षित किया गया है। इस फैसले के बाद अब मुंबई के 'प्रथम नागरिक' की कुर्सी पर किसी महिला पार्षद का बैठना तय है। यह आरक्षण लाटरी के जरिये तय किया गया, जो मुंबई के मंत्रालय में नगर विकास राज्यमंत्री माधुरी मिसाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी। आरक्षण की इस घोषणा के साथ ही राजनीतिक गलियारों में सरगर्मी तेज हो गई है। 15 जनवरी 2026 को हुए चुनावों के बाद महायुति गठबंधन

- नगर विकास विभाग ने की महाराष्ट्र की महानगर पालिकाओं के लिए आरक्षण की घोषणा
- इसके साथ ही राजनीतिक सरगर्मी तेज, उद्धव की शिवसेना ने जताया कड़ा एतराज

(भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना) के पास बहुमत है। पूर्व महापौर पेडणेकर ने आरोप लगाया कि सरकार ने आरक्षण के नियमों में फेरबदल किया है। उद्धव ठाकरे गुट का मानना था कि इस बार मेयर पद अनुसूचित जनजाति (एसटी) या अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षित होना चाहिए था। विपक्ष ने इस पूरी प्रक्रिया को 'फिक्स्ड' बताते हुए इसका विरोध किया है।

इस बार कमजोर पड़ सकता है मानसून, बरसेगी आग

अरविंद शर्मा ● जागरण

नई दिल्ली : देश में इस बार मानसून को लेकर चिंताजनक संकेत सामने आ रहे हैं। मौसम विज्ञानियों के अनुसार, जून के मध्य या इसके बाद प्रशांत महासागर में अलनीनो सक्रिय हो सकता है, जिसका सीधा असर भारत में मानसूनी वर्षा पर पड़ने की आशंका है। अलनीनो की स्थिति बनने पर आमतौर पर देश में वर्षा कम होती है और गर्मी बढ़ जाती है।

आस्ट्रेलिया के मौसम विभाग (ब्यूरो आफ मेट्रोलाजी) के अनुसार, फिलहाल प्रशांत महासागर में ला-नीना की स्थिति बनी हुई है। लेकिन यह धीरे-धीरे कमजोर पड़ रही है। प्रशांत महासागर की सतह के नीचे गर्म पानी जमा हो रहा है जो आने वाले महीनों में अलनीनो को जन्म दे सकता है। मौसम

- प्रशांत महासागर में जून के मध्य में सक्रिय हो सकता है अलनीनो
- इसके प्रभाव से भारत में ज्यादा गर्मी और कम वर्षा का खतरा
- मानसून पर असर ज्यादा जटिल और खतरनाक भी हो सकता है

विज्ञानियों का कहना है कि फरवरी के अंत तक हालात सामान्य यानी न्यूट्रल हो सकते हैं और मार्च से मई तक यही स्थिति बनी रह सकती है। लेकिन इसके बाद जून से धीरे-धीरे अलनीनो के सक्रिय होने के आसार बढ़ जाएंगे। आमतौर पर लानीना के बाद आने वाला अलनीनो ज्यादा प्रभावी माना जाता है और यही स्थिति इस साल देखने को मिल सकती है।

अलनीनो तब बनता है, जब प्रशांत महासागर के भूमध्यरेखीय क्षेत्र में समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक बढ़ जाता है। इससे हवाओं की दिशा और गति बदल जाती है और इसका असर पूरी दुनिया के मौसम पर पड़ता है। भारत में इसका सबसे बड़ा प्रभाव दक्षिण-पश्चिम मानसून पर होता है। अलनीनो के दौरान हवा की दिशा बदल जाती है, जिससे बारिश कम होती है और कई इलाकों में सूखे जैसे हालात बन जाते हैं।

पिछले अनुभव भी इस खतरे की ओर इशारा करते हैं। 1986 में अलनीनो से देश के कई हिस्सों में गंभीर सूखा पड़ा था। इसी तरह 2014 में मानसूनी वर्षा सामान्य से करीब 12 प्रतिशत कम रही थी। तीन साल पहले 2023 का अलनीनो भी भारत में खेती के लिए परेशानी का कारण बना था। इस बार भी मौसम विज्ञानी चेतावनी दे रहे हैं कि यदि जून के बाद अलनीनो का असर बढ़ा तो मानसून की रफ्तार धीमी पड़ सकती है। स्काइमेट के अध्यक्ष जेपी शर्मा का मानना है कि इस बार अलनीनो धीरे-धीरे विकसित होगा। ऐसे मामलों में मानसून पर असर ज्यादा जटिल और कभी-कभी ज्यादा खतरनाक भी हो सकता है। हालांकि, मौसम विभाग यह साफ कर रहा है कि यह शुरुआती अनुमान है। जनवरी-फरवरी के आकलन को पूरा सटीक नहीं माना जाता है।

भगदड़ रोकने के लिए एक समान निर्देश जारी करने से सुप्रीम इन्कार

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को धार्मिक आयोजनों, राजनीतिक रैलियों और यात्राओं सहित बड़ी सार्वजनिक सभाओं के दौरान भगदड़ रोकने के लिए एक समान निर्देश जारी करने से इन्कार कर दिया। एक जनहित याचिका में केंद्र सरकार को बड़ी जनसभाओं के लिए भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा के लिए बाध्यकारी मानक संचालन प्रक्रिया बनाने और लागू करने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की पीठ ने याचिकाकर्ता तुम्बलम गूटी वेंकटेश को केंद्रीय गृह मंत्रालय और चुनाव आयोग के समक्ष इस मामले में पक्ष रखने की अनुमति दे दी। सीजेआइ ने भीड़ प्रबंधन और कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में न्यायिक हस्तक्षेप के दायरे के बारे में मौलिक सवाल उठाए। कहा मुद्दा सार्वजनिक आयोजनों में कानून-व्यवस्था के लिए राज्यों और केंद्र की जिम्मेदारी से संबंधित है। इसलिए नीति बनाने के लिए निर्देश मांगे गए हैं जिसके लिए कानून-व्यवस्था लागू करने वाली एजेंसियों के विशेषज्ञ अधिक उपयुक्त हैं।

- सीजेआइ ने ऐसे मामलों में न्यायिक हस्तक्षेप के दायरे के बारे में उठाए सवाल
- शीर्ष अदालत ने कहा, यह मुद्दा राज्यों व केंद्र सरकार की जिम्मेदारी से संबंधित

नोएडा जैसी लापरवाही से राजधानी में भी हर माह जा रही चार लोगों की जान

- खुले नालों और जलजमाव में डूबने से दो वर्षों में 89 से अधिक लोगों की गई जान
- कार्रवाई तो दूर, कई मामलों में आर्थिक मदद से भी वंचित रह जाते हैं पीड़ित परिवार
- करीब डेढ़ साल पहले गाजीपुर में नाले में गिरने से मां-बेटे की हो गई थी मौत

स्वदेश कुमार • जागरण

नई दिल्ली : नोएडा के सेक्टर 150 में बेसमेंट के लिए खोदे गए प्लाट में भरे पानी में डूबकर इंजीनियर युवराज तोमर की मौत ने दिल्ली सहित एनसीआर में बुनियादी ढांचे की बदहाली और प्रशासनिक लापरवाही पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। बेसमेंट के लिए खोदे गए प्लाट में पानी भरा हुआ था, लेकिन आसपास बैरिकेडिंग नहीं थी। हादसे से बचाव के इंतजाम भी नदारद थे। दिल्ली में भी ऐसी लापरवाही कई स्थानों पर सामने आती है। खुले नालों और मानसून में जलजमाव में राजधानी में औसतन हर माह करीब चार लोगों की मौत होती है। दिल्ली के राजस्व विभाग के आंकड़े बता रहे हैं कि जनवरी 2024 से दिसंबर 2025 के 24 महीनों में इस तरह के हादसों में 89 लोगों की जान जा चुकी है। इसके बाद भी लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई तो दूर की बात है। कई मामलों में पीड़ित परिवार तक आर्थिक मदद तक नहीं पहुंच पाती है।

राजधानी में नालों और सड़कों की बहुविभागीय व्यवस्था है। पीडब्ल्यूडी, सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण विभाग, नगर निगम और डूसिब सहित अन्य विभागों के पास इनकी जिम्मेदारी है। कई बार हादसों के समय यह बता पाना मुश्किल हो जाता है कि किस विभाग के अधिकारी को जिम्मेदार माना जाए। इसी आड़ में विभाग और अधिकारी बच निकलते हैं।

करीब डेढ़ साल पहले गाजीपुर में नाले में गिरने से मां-बेटे की मौत हो गई थी। इसमें डीडीए और एमसीडी एक-दूसरे का नाला बताते रहे, बाद में यह नाला एमसीडी का निकला।

अबुल फजल एन्क्लेव मार्ग पर नाले का पानी भरा होने के कारण वाहनों की रफ्तार हुई धीमी • विपिन शर्मा

अबुल फजल एन्क्लेव मार्ग पर भी नोएडा जैसे हादसे का इंतजार

दिल्ली के अबुल फजल एन्क्लेव मार्ग पर नाले का पानी ओवरफ्लो होकर सड़क तक पहुंच गया है। इससे सड़क और नाले के बीच का अंतर पट गया है। यहां से वाहन चालक पानी से बचकर निकलते हैं। लेकिन, अंधेरे में यहां भी नोएडा जैसी घटना की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह समस्या करीब एक हफ्ते से बनी हुई है। लेकिन किसी भी विभाग की तरफ से इस समस्या को दूर नहीं किया जा रहा है।

न्याय दूर, आर्थिक मदद तक नहीं मिली

केस 1 06 जुलाई 2025 को उत्तर-पश्चिमी जिले के रामगढ़ गांव में पीडब्ल्यूडी के खुले नाले में गिरने से चार साल के रिजवान की मौत पर लापरवाही का हुआ था। लेकिन इसमें किसी को आरोपित नहीं बनाया गया। पीड़ित परिवार का कहना है कि नामजद एफआइआर नहीं होने से उन्हें अभी तक न्याय नहीं मिला।

केस 2 21 मार्च 2025 को खजूरी खास के ई ब्लाक में सिंचाई विभाग के नाले में तीन साल के बच्चे की डूबकर मौत हो गई थी। पिता विमलेश ने कहा कि इस मामले में अभी किसी अधिकारी को जिम्मेदार नहीं ठहराया गया। कोर्ट में मामला कहां तक पहुंचा, इसकी भी जानकारी नहीं है। कई नेता घर आए, लेकिन मुआवजा तक नहीं मिला।

केस 3 10 अगस्त 2024 को रोहिणी सेक्टर-20 स्थित डीडीए के पार्क में बने छठ घाट में वर्षा का पानी भरा हुआ था। आठ वर्षीय तरुण खेलते हुए छठ घाट के अंदर गिर गया। डूबने से उसकी मौत हो गई थी। परिवार ने बताया पुलिस ने उस समय लापरवाही से मौत का मामला दर्ज किया। जांच के बाद भी संबंधित विभाग के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई।

दो वर्षों में हुए प्रमुख हादसे

27 जुलाई 2024 : ओल्ड राजेंद्र नगर में सड़क पर जलभराव होने से पानी कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में घुसा। तीन अभ्यर्थियों की मौत।

31 जुलाई 2024 : गाजीपुर में निर्माणाधीन खुले नाले में डूबने से 23 वर्षीय तनुजा और उसके 3 वर्षीय बेटे प्रियांश की मौत।

7 अक्टूबर 2024 : उत्तर-पश्चिम दिल्ली के अलीपुर में पांच वर्षीय बच्चे की खुले नाले में गिरने से मौत।

5 मार्च 2025 : उत्तर-पूर्व दिल्ली में खुले नाले में गिरकर सात साल के बच्चे की मौत।

9 जुलाई 2025 : उत्तर-पश्चिम दिल्ली, महिंद्रा पार्क में चार वर्षीय बच्चे की खुले नाले में गिरने से मौत।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

इस तरह के मामलों में व्यापक जांच की जरूरत होती है। इन मामलों में प्रत्यक्षदर्शी मिलना मुश्किल होता है। मिलने पर अधिकारियों के दबाव में गवाह मुकर भी जाते हैं। ऐसे में लापरवाही सिद्ध करना टेढ़ी खीर हो जाती है। यही वजह है कि अधिकांश मामलों में अधिकारी बच निकलते हैं। हालांकि अब ऐसे मामलों के लिए कानून में सजा का प्रविधान बढ़ा है। लापरवाही से मौत की आइपीसी की धारा में जहां दो साल की सजा का प्रविधान था। अब बीएनएस की धारा में इसे सात साल कर दिया गया है। लेकिन जब तक ऐसे मामलों में सजा नहीं होती, लापरवाही पर अंकुश लगाना मुश्किल है। -**मनीष भदौरिया**, अधिवक्ता, कड़कड़डूमा कोर्ट

चश्मदीद डिलीवरी ब्वाय के बयान नहीं दर्ज कर सकी एसआइटी

डिलीवरी ब्वाय मुनेंद्र और अन्य प्रत्यक्षदर्शियों से अब तक नहीं किए गए सवाल-जवाब

युवराज को मिले न्याय

3 दिन बीतने के बाद भी मुख्य चश्मदीद के बयान नहीं होने से उठ रहे हैं गंभीर सवाल

16 जनवरी को युवराज की मौत मामले में एसआइटी ने चार विभागों से मांगी थी रिपोर्ट

अर्पित त्रिपाठी • जागरण

ग्रेटर नोएडा: इंजीनियर युवराज को बचाने के लिए जिस डिलीवरी ब्वाय ने जान की परवाह नहीं की थी, उससे अभी तक एसआइटी ने पूछताछ तक नहीं की है। जबकि उसे घटना का सबसे अहम चश्मदीद माना जा रहा है। एसआइटी तीन दिन बीतने के बाद भी बयान नहीं दर्ज कर सकी है। इस पर भी सवाल खड़े हैं। लोग दबी जुबान कह रहे हैं कि कहीं यह किसी को बचाने का प्रयास तो नहीं। एसआइटी सिर्फ प्राधिकरण, पुलिस व प्राधिकरण अधिकारियों से ही बात कर रही है। लोगों का कहना है कि पुलिस-प्रशासन की इस मामले में सीधे लापरवाही सामने आई है। सिर्फ उन्हीं से बात होगी तो वह अपने बचाव में एसआइटी को सही जानकारी नहीं देंगे। सही जानकारी चश्मदीदों से ही मिलेगी। बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री मेरठ आए थे। एसआइटी के अध्यक्ष एडीजी मेरठ जोन व मंडलायुक्त मेरठ में मुख्यमंत्री के साथ ही रहे। शाम को जांच के लिए एसआइटी गौतमबुद्ध नगर पहुंची। घटनास्थल का मुआयना किया। एसआइटी ने घटनास्थल का जायजा लेने के साथ मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों से सवाल-जवाब किए। सड़क पर स्थित ब्रेकर से लेकर गाड़ी गिरने तक जगह का नक्शा मार्क किया। तीन दिन बीत चुके हैं। पांचवें दिन रिपोर्ट सीएम को सौंपनी है।

चार दिन तक नहीं पहुंची डीएम, एसआइटी के साथ आना पड़ा: घटना 16-17 जनवरी देर रात हुई थी। शनिवार दोपहर तक घटना की सूचना मीडिया व इंटरनेट मीडिया में चलने लगी। जिला प्रशासन की आपदा प्रबंधन समिति पर सवाल उठने लगे, लेकिन डीएम मेधा रूपम ही नहीं, जिला प्रशासन का कोई भी अधिकारी तीन दिन बीतने के बाद भी मौके पर नहीं पहुंचा। न ही पीड़ित परिवार से बात की।

गनीमत है कि सरकार की ओर से एसआइटी गठित कर दी, जिनके घटनास्थल पर पहुंचने पर डीएम व एडीएम मौके का मुआयना करने पहली बार पहुंचे। आश्चर्य यह है कि व्यवस्था पर जब डीएम से सवाल किए गए तो वह चुपचाप कार में बैठ कर रवाना हो गईं।

सेक्टर 150 में घटना स्थल पर जांच करती एसआइटी • जागरण

कहीं छोटे अधिकारियों पर ही न फोड़ दिया जाए ठीकरा: युवराज की मौत का मामला समूचे देश में छाया है। हर कोई उसे न्याय दिलाने की बात कर रहा है। सभी चाहते हैं कि इसमें जो भी दोषी हैं, उन पर कार्रवाई हो। लोगों की नजर एसआइटी जांच पर टिकी है। आम चर्चा है कि छोटे अधिकारियों पर ठीकरा फोड़कर कार्रवाई हो जाएगी। बड़े अधिकारियों को बचाने का प्रयास जारी है।

देर रात पहुंचे डीसीसी-एसीपी, नहीं पहुंचा कोई और बड़ा अधिकारी: घटना वाले दिन रात करीब सवा बजे डीसीपी ग्रेटर नोएडा व एसीपी पहुंचे थे, पर तब तक बहुत देर हो चुकी थी। पुलिस व प्राधिकरण का कोई बड़ा अधिकारी नहीं पहुंचा। जिला प्रशासन का कोई अधिकारी चार दिन तक नहीं पहुंचा।

एसआइटी को नोएडा प्राधिकरण ने सौंपी 60 पन्नों की रिपोर्ट

जासं, नोएडा: नोएडा प्राधिकरण ने एसआइटी को 60 पन्नों की रिपोर्ट सौंप दी है। चार विभागों से सात बिंदुओं पर रिपोर्ट मांगी थी। इसमें सेक्टर-150 स्थित स्पोर्ट्स सिटी परियोजना से संबंधित अधिक जानकारी शामिल थी। बताया जाता है कि सेक्टर-150 में बेसमेंट के लिए खोदे गए प्लाट में भरे पानी में 16 जनवरी को इंजीनियर युवराज मेहता की कार समेत डूबने के मामले में एसआइटी ने प्राधिकरण के चार विभाग सिविल, एनटीसी, नियोजन, जल खंड विभाग से रिपोर्ट मांगी थी। दो दिन तक प्राधिकरण के अधिकारियों ने सौंपे बिंदुओं पर अपना जवाब तैयार किया। देर शाम अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी संग रिपोर्ट पर चर्चा कर संबंधित विभागों के मुखिया ने हस्ताक्षर किए। इसमें युवराज मेहता की कार डूबने से मौत के मामले में अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को लिखित जवाब से एसआइटी के समक्ष प्रस्तुत किया है। बताया यहां तक जा रहा है कि एसआइटी ने इस मामले की शुरुआती फैक्ट-फाइंडिंग की जानकारी सीएम को मौखिक रूप से दे दी है।

डीएम ने सिखाया था आपदा प्रबंधन, मौके पर नाकाम रहा प्रशासन

जासं, नोएडा: 16 जनवरी को जिस रात साफ्टवेयर इंजीनियर युवराज की पानी में डूबने से मौत हुई थी, उसी दिन दोपहर में डीएम मेधा रूपम ने कलक्ट्रेट सभागार में ब्लैक आउट माक ड्रिल की तैयारियों पर बैठक की थी। इसमें अधिकारियों को आपदा प्रबंधन के लिए जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए। वहीं युवराज की मौत के बाद मामला सुर्खिया में आया तो डीएम ने इस विभाग को पुलिस के अधीन बताकर बचने का प्रयास किया। हालांकि, चारों तरफ से घिरता देख उन्हें भूल का अहसास हुआ। जिले में अपदा प्रबंधन को लेकर कई बैठकें हुई। लेकिन किसी को बचाने के लिए आपदा प्रबंधन विभाग की आवश्यकता पड़ी तो वह असहाय बन गया। साफ्टवेयर इंजीनियर की मौत के मामले में पुलिस की साख व जिला प्रशासन लापरवाह अधिकारियों की गैरजिम्मेदारी व बैठकों से कागजों पर मजबूत कर रहे आपदा प्रबंधन की 'तैयारियां' भी डूब गईं। सरकारी मशीनरी की इस नाकामी के आगे मृतक के पिता राजकुमार मेहता की तरह हर पिता अपने दर्द को सीने में दबाकर बैठा है। 30 जुलाई 2025 को आइएएस मेधा रूपम ने जिले में डीएम का पद संभाला था। अगले ही दिन अधिकारियों के साथ बैठक कर कहा कि आमजन को आपदाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने को एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, अग्निशमन आदि विभाग के साथ माकड्रिल कराई जाए। इसके बाद डीएम ने आपदा प्रबंधन को लेकर कई बार बैठकें कीं, लेकिन सभी चाय समोसे तक सीमित रहीं। वहीं, 35 आपदा मित्र बनाकर कोरम पूरा कर लिया। डीएम मेधा रूपम का पक्ष जानने के लिए फोन किया, लेकिन उनका जवाब नहीं मिला।

युवराज की मौत के पीछे लापरवाही : एनजीटी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: नोएडा में साफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की मौत के मामले का नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने स्वतः संज्ञान लिया है। एनजीटी चेयरमैन न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कहा कि, अधिकारियों की तरफ से सुधार के कदम उठाने में लापरवाही हुई है। एनजीटी ने कहा कि इस लापरवाही के कारण यह जानलेवा घटना हुई है। एनजीटी ने माना कि प्रथमदृष्टया यह मामला पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम का उल्लंघन का है।

एनजीटी ने नोएडा प्राधिकरण, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी), लखनऊ सिंचाई विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार प्रधान सचिव (पर्यावरण), गौतमबुद्ध नगर जिलाधिकारी को मामले में पक्षकार बनाया। साथ ही 10 अप्रैल को सुनवाई की तारीख तय करते हुए इससे एक सप्ताह पहले प्रतिवादियों को हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। एनजीटी ने 20 जनवरी को प्रकाशित एक समाचार रिपोर्ट का संज्ञान लिया। एनजीटी ने रिपोर्ट को रिकार्ड पर लिया कि जिस प्लाट पर यह घटना हुई वह शुरू में एक निजी माल प्रोजेक्ट के लिए आवंटित किया गया था। इसमें वर्षा और आस-पास की हाउसिंग सोसाइटियों का गंदा पानी लगभग कई साल तक जमा होता रहा। एनजीटी ने यह भी रिकार्ड पर लिया कि उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग द्वारा 2015 में तैयार की गई बरसाती जल प्रबंधन योजना कई सर्वेक्षणों और साइट निरीक्षणों के बावजूद लागू नहीं की गई।

दस्तावेजों से पता चला कि सिंचाई विभाग ने अतिरिक्त पानी को हरनंदी नदी में मोड़ने के लिए एक हेड रेगुलेटर का प्रस्ताव दिया था और सर्वेक्षण और डिजाइन तैयार करने के लिए 2016 में नोएडा प्राधिकरण से 13.05 लाख रुपये प्राप्त किए थे।

गुरुग्राम में सड़क पर खोदे गड्ढे में गिरा ट्राला

जागरण संवाददाता, गुरुग्राम: नोएडा में बीते दिनों गड्ढे में भरे पानी में डूबकर इंजीनियर की मौत होने के बाद भी शहर के जिम्मेदार विभाग नहीं जागे। द्वारका एक्सप्रेसवे से आगे मल्टी यूटीलिटी कारिडोर पर सेक्टर-84 के पास बृहस्पतिवार तड़के फिर सरकारी लापरवाही सामने आई। जीएमडीए ने यहां मुख्य सड़क मार्ग पर ड्रेन के लिए गड्ढा खोद दिया, लेकिन न तो कोई रूट डायवर्जन किया और न रिफलेक्टर या साइन बोर्ड लगाए। इस लापरवाही का नतीजा रहा कि ड्रेन में रोड़ी से भरा ट्राला जा गिरा। गनीमत रही कि ट्राला पलटा नहीं और हादसे में चालक एवं उसका सहायक बाल-बाल बच गए।

सुबह करीब साढ़े पांच बजे ट्राला अपने गंतव्य की ओर जा रहा था। सेक्टर-84 के पास किसी प्रकार का कोई रूट डायवर्जन, रिफलेक्टर या साइन बोर्ड नहीं होने से खोदी गई ड्रेन का कोई अंदाजा नहीं होने से चालक को कुछ समझ नहीं आया। अचानक बीच सड़क पर मिट्टी के ढेर के ऊपर से ट्राला ड्रेन की तरफ जा गिरा। ड्रेन के किनारों पर निकले बड़े-बड़े सरिया हादसे को और खतरनाक बना सकते थे। यदि ट्राला थोड़ी और गति में होता तो चालक व सहायक की जान भी जा सकती थी। हादसे के बाद मुख्य मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

सूचना मिलने पर ट्रैफिक पुलिस के टीआइ मनोज पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे और किसी तरह जाम खुलवाया। इसके बाद वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से निकाला गया। बता दें कि नोएडा में हाल ही में हुए एक हादसे के बाद भी जिम्मेदार विभागों ने कोई सबक नहीं लिया, जिससे ऐसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।

मल्टी यूटीलिटी कारिडोर पर निर्माणाधीन ड्रेन में दुर्घटनाग्रस्त ट्राला • जागरण

बार चुनाव में प्रत्याशियों ने कराया नामांकन

बीसीडी चुनाव के लिए नामांकन करते अधिवक्ता संजीव यादव • जागरण

जासं, नई दिल्ली:बार काउंसिल आफ दिल्ली (बीसीडी) के 25 सदस्यों के चुनाव के लिए चुनावी सरगर्मी तेज हो गई हैं। अब तक कुल 128 नामांकन हो चुके हैं। बृहस्पतिवार को सीरी फोर्ट स्थित बीसीडी कार्यालय में बीसीडी के पूर्व चेयरमैन राकेश सेहरावत और कड़कड़डूमा कोर्ट के अधिवक्ता संजीव यादव ने भी नामांकन दाखिल किया। नामांकन प्रक्रिया 24 जनवरी तक चलेगी।

नमो भारत स्टेशन पर बनेंगे पाड होटल

- आनंद विहार स्टेशन में 30 पाड्स की क्षमता वाला बनाया जाएगा अत्याधुनिक पाड होटल
- 4000 वर्ग मीटर से अधिक के क्षेत्र को प्रापर्टी डेवलपमेंट के लिए दिया गया है लाइसेंस पर

जागरण संवाददाता, पूर्वी दिल्ली: एनसीआर ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (एनसीआरटीसी) ने दिल्ली-मेरठ नमो भारत कारिडोर के आनंद विहार स्टेशन पर यात्री सुविधाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। स्टेशन परिसर में आधुनिक पाड होटल, फाइन डाइनिंग रेस्टोरेंट और अन्य सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

एनसीआरटीसी अधिकारियों के अनुसार, इस योजना के अंतर्गत स्टेशन के भीतर 30 पाड्स की क्षमता वाला अत्याधुनिक पाड होटल बनाया जाएगा। यह होटल विशेष रूप से उन यात्रियों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है जो यात्रा के दौरान कुछ समय आराम करना चाहते हैं। आनंद विहार जैसे अत्यधिक व्यस्त मल्टी-माडल ट्रांजिट हब पर यह सुविधा यात्रियों के लिए काफी उपयोगी साबित होगी। मेरठ से नमो भारत ट्रेन द्वारा दिल्ली पहुंचने वाले और आगे लंबी दूरी की ट्रेन पकड़ने वाले यात्री स्टेशन परिसर में ही आराम कर सकेंगे। परियोजना के तहत लगभग 4000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र को प्रापर्टी डेवलपमेंट के लिए लाइसेंस पर दिया गया है। यह क्षेत्र स्टेशन के विभिन्न लेवल पर चार अलग-अलग स्थानों में फैला होगा। इसके अलावा यहां एक प्रीमियम डाइनिंग रेस्टोरेंट बनाया जाएगा। इसके साथ ही फूड रिटेल आउटलेट, आफिस स्पेस, कपड़ों के शोरूम और अन्य कमर्शियल सुविधाएं भी प्रस्तावित हैं, हालांकि अभी ये तय नहीं हुआ है कि इसके लिए यात्रियों को कितना चार्ज देना होगा। इस पर होटल का काम पीड़ा होने के बाद निर्णय लिया जाएगा। आनंद विहार नमो भारत स्टेशन एनसीआर का प्रमुख मल्टी-माडल ट्रांजिट हब है, जहां दिल्ली मेट्रो की पिंक और ब्लू लाइन, आनंद विहार रेलवे स्टेशन और दो अंतर्राज्यीय बस टर्मिनल सीधे जुड़े हुए हैं। इसके चलते यहाँ बेहद छोटे आकार के कमरों वाला पाड होटल बनाने का निर्णय लिया गया है।

तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराकर पलटी, युवती की मौत

जासं, नोएडा: फेज तीन थाना क्षेत्र में सेक्टर 71 अंडरपास के निकट बुधवार देर रात तेज रफ्तार अनियंत्रित कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में कार सवार तीन लोग घायल हो गए। अस्पताल में चिकित्सकों ने एक बैंककर्मी युवती गुल्फिशा को मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य युवक और युवती का दिल्ली में उपचार चल रहा है। दोनों की हालत खतरे से बाहर है। अभी मामले में कोई शिकायत नहीं मिली है। बरेली कोहाड़ापीर की रहने वाली गुल्फिशा, दिल्ली जामिया नगर के जोहरी फार्म की रहने वाले मुर्तजा अब्बास और मथुरा धौली प्याऊ के रहने वाली अनुष्का चौधरी दोस्त हैं।

बस में लगी आग...बाल-बाल बचे लोग

मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर बांदा से कानपुर होते हुए दिल्ली जा रही एक स्लीपर बस का बृहस्पतिवार को अचानक टायर फट गया, जिसके कारण बस में आग की लपटे निकलने लगी, जैसे-तैसे 50 यात्रियों ने बचाय गया • सौ. वीडियो ग्रैब

अच्छी खबर • पलवल से मानेसर तक रात का सफर होगा सुरक्षित

केएमपी एक्सप्रेस-वे पर 18 करोड़ की लागत से लगेंगी एलईडी लाइटें

भास्कर न्यूज़ | पलवल

केएमपी एक्सप्रेस-वे अब रात को एलईडी लाइटों से लगमगाएगा, क्योंकि 18 करोड़ की लागत से पलवल से मानेसर तक लाइटें लगेंगी। एचएसआईआईडीसी ने इसका प्रपोजल बनाकर मुख्यालय मंजूरी के लिए भेज दिया है। स्वीकृति मिलते ही टेंडर प्रक्रिया शुरू होगी। इसके बाद लाइटें लगाने का काम शुरू कर दिया जाएगा। लाइटें लगने के बाद अंधेरा खत्म होने से एक्सीडेंट में कमी आएगी।

स्ट्रीट लाइटें कई वर्षों से खराब पड़ी हुई हैं: केएमपी एक्सप्रेस-वे के रखरखाव का जिम्मा एचएसआईआईडीसी के अंडर है। लेकिन कई वर्षों से एक्सप्रेस-वे की दयनीय हालत की तरफ ध्यान नहीं दिया गया। केएमपी एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन करते समय कहा गया था कि इस पर सफर पूरी तरह से सुरक्षित और सुगम रहेगा। वाहन 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से फर्राटा भर सकेंगे। लेकिन भारी भरकम टोल वसूलने के बावजूद एक्सप्रेस-वे की स्ट्रीट लाइटें कई वर्षों से खराब पड़ी हैं। इससे कोहरे में एक्सप्रेस-वे पर रात को अंधेरा रहने से राहगीरों को काफी दिक्कत होती है। पलवल से मानेसर तक करीब 60 किलोमीटर की दूरी में 1200 से अधिक नई लाइटें लगाई जाएंगी। इसके लिए करीब 18 करोड़ का प्रपोजल बनाकर विभाग ने मुख्यालय भेज दिया है। जल्द ही स्वीकृति मिलने की संभावना है। स्ट्रीट लाइटें लगने से जिले के साथ कुंडली, नरेला, बहादुरगढ़, मानेसर, बिलासपुर, पचगांव, धारूहेड़ा, रेवाड़ी, भिवाड़ी, तावड़ू, सोहना, नूंह समेत अन्य स्थानों के लिए यात्रा करने वालों को काफी फायदा होगा।

सड़क की जर्जर हालत सुधारने का कार्य पूरा

केएमपी एक्सप्रेस-वे।

एचएसआईआईडीसी ने करीब पांच माह पहले केएमपी एक्सप्रेसवे की सड़क पर गड्ढों को भरने का काम जिले की परिधि में शुरू किया था। जो 90 प्रतिशत से अधिक पूरा हो गया है। इससे पहले एक्सप्रेस-वे की सड़क पर चालकों को गड्ढों का सामना करना पड़ता था। अब सफेद पट्टी लगाने का कार्य शुरू किया जाएगा। एचएसआईआईडीसी के एसडीओ प्रवीण कुमार के अनुसार यात्रियों को सुरक्षित और सुगम सफर मिले, इसके लिए केएमपी एक्सप्रेस-वे पर लगातार विकास कार्य किए जा रहे हैं। अब एलईडी लाइटें लगाने की तैयारी है। इस पर करीब 18 करोड़ रुपए खर्च होंगे। प्रपोजल बनाकर स्वीकृति के लिए मुख्यालय भेजा गया है। स्वीकृति मिलते ही टेंडर प्रक्रिया शुरू होगी। इसके बाद लाइटें लगाने का काम शुरू कर दिया जाएगा।

शेयर बाजार में निवेश का झांसा देकर 53 लाख की ठगी, पुलिस कर रही जांच

भास्कर न्यूज़ | फरीदाबाद

साइबर ठगों ने एक व्यक्ति से शेयर बाजार में निवेश का झांसा देकर करीब 53 लाख रुपए ठग लिए। साइबर थाना सेंट्रल की पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार सेक्टर-82 निवासी ने शिकायत में कहाकि 18 नवंबर 2025 को उनका मोबाइल नंबर एक व्हाट्सएप ग्रुप से किसी ने जोड़ दिया।

इस ग्रुप में शेयर मार्केट की जानकारी दी जा रही थी। साथ ही मैसेज आ रहे थे अगर आप शेयर मार्केट में पैसा लगाना चाहते है तो प्रोग्राम को फालो करो। उन्होंने इसमें रुचि दिखाई तो उनके पास एक काल आई। काल करने वाले ने उन्हें शेयर बाजार में पैसा निवेश करने पर मोटे मुनाफे का झांसा देकर करीब 52 लाख रुपए हड़प लिए। पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

अवैध हथियारों की सप्लाई करने वाले दो तस्करों को दस-दस साल की सजा

इन तस्करों से पुलिस ने 35 पिस्टल, 6 देसी कट्टे और 11 मैगजीन बरामद की थीं

भास्कर न्यूज़ | पलवल

वर्ष 2022 में भारी संख्या में अवैध हथियारों के साथ पकड़े गए दो तस्करों को जिला कोर्ट ने दस-दस वर्ष की सजा सुनाई है। इन दोषियों की निशानदेही पर पलवल पुलिस ने मध्यप्रदेश के बड़वानी जिले में अवैध हथियार बनाने की फैक्ट्री का भी भंडाफोड़ किया था। यहां बनाए जाने वाले हथियार कई राज्यों में सप्लाई किए जाते थे। पुलिस ने वहां से हथियार बनाने के औजार बरामद किए थे।

पुलिस के अनुसार दस जुलाई 2022 को तत्कालीन होडल के सीआईए प्रभारी जंगशेर सिंह व हनीश खान की टीम ने सूचना मिलने पर डबचिक मोड़ पर नाकाबंदी कर पंजाब, राजस्थान, हरियाणा, उत्तरप्रदेश व मध्यप्रदेश सहित कई राज्यों में अवैध हथियारों की सप्लाई करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ कर मास्टरमाइंड और उसके एक साथी को गिरफ्तार किया था। आरोपियों के कब्जे से हथियारों का बड़ा जखीरा बरामद हुआ था। आरोपियों से 35 पिस्टल व 6 देसी कट्टे बरामद हुए थे। इनके साथ 11 मैगजीन भी बरामद हुई थीं। आरोपियों की पहचान एमपी के बड़वानी जिले के सेंधवा गांव निवासी किलोर सिंह व जाम सिंह के रूप में हुई थी।

आरोपी इन हथियारों को हरियाणा, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, पंजाब व राजस्थान में सप्लाई करते थे। इस कार्य में वे कई वर्षों से लगे थे। आरोपियों ने मध्यप्रदेश के बड़वानी जिले में अवैध हथियार बनाने की फैक्ट्री लगा रखी थी।

वर्ष 2022 में जखीरे के साथ पकड़े गए थे

पुलिस प्रवक्ता संजय कादयान के अनुसार पुलिस ने वर्ष 2022 में अवैध हथियार सप्लाई करने वाले इन दो तस्करों को पकड़ा था। इनके पास से हथियारों की बड़ी खेप बरामद हुई थी। गिरफ्तार दोनों आरोपियों के मामले में न्यायाधीश डॉ. तैयब हुसैन की अदालत ने सुनवाई करते हुए शस्त्र अधिनियम की धारा 25(8) के तहत बड़वानी जिले के सेंधवा निवासी किलोर सिंह व जाम सिंह को दोषी करार देते हुए 10-10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। दोषियों पर 5-5 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है।

ट्रेन का कन्फर्म टिकट दिलाने के बहाने ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

भास्कर न्यूज़ | फरीदाबाद

साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने ट्रेन का कन्फर्म टिकट दिलाने के बहाने 28 हजार रुपए की ठगी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसकी पहचान ईश अल्लाह निवासी संगम विहार, दक्षिण दिल्ली के रूप में हुई है। इसने कॉल कर शिकायतकर्ता से पैसे खाते में ट्रांसफर कराए थे। पुलिस प्रवक्ता यशपाल के अनुसार साइबर थाना सेंट्रल में सेक्टर-37 निवासी व्यक्ति ने दी शिकायत में कहाकि वह वैष्णो देवी जाने के लिए ट्रेन की टिकट बुक कराने हेतु गूगल पर सर्च कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें एक मोबाइल नंबर मिला, जिस पर संपर्क करने पर कॉलर ने कन्फर्म टिकट दिलाने का आश्वासन दिया। आरोपी ने टिकट के नाम पर उनसे 28 हजार रुपए अपने खाते में ट्रांसफर करा लिए। इसके बाद जब शिकायतकर्ता ने टिकट के संबंध में संपर्क किया तो आरोपी ने फोन उठाना बंद कर दिया।

बड़ौली के निर्माणाधीन बिजली घर का खेल राज्यमंत्री ने किया निरीक्षण

भास्कर न्यूज़ | पलवल

बड़ौली गांव के निर्माणाधीन बिजली घर का खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम ने औचक निरीक्षण कर अधिकारियों व ठेकेदारों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मंत्री ने सबसे पहले निर्माण में उपयोग की जा रही सामग्री की गुणवत्ता की जांच की। उन्होंने सीमेंट, बजरी, ईंट तथा अन्य निर्माण सामग्री को बारीकी से देखा। इसके बाद उन्होंने कहा गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने ठेकेदार को निर्देश दिया कि निर्माण कार्य में केवल मानक के अनुरूप व प्रमाणित सामग्री का ही प्रयोग किया जाए। जिससे भविष्य में किसी तरह की तकनीकी समस्या या दुर्घटना की आशंका न रहे। मंत्री ने इंजीनियरों से सरिया की मोटाई, मजबूती और मानक के बारे में जानकारी लेकर कहा कि संरचना की मजबूती के लिए लोहे की गुणवत्ता महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा यह बिजली घर क्षेत्र की पावर आपूर्ति को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके पूरा होने से न केवल बड़ौली गांव ही नहीं बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को भी निर्बाध और बेहतर बिजली सुविधा मिलेगी।

कोट गांव में बन रहे बूचड़खाने के विरोध में लोग सीएम से मिले

पलवल | कोट गांव में बन रहे बूचड़खाने के विरोध में रावत पाल के लोग चंडीगढ़ में सीएम नायब सिंह सैनी से मिले। इस दौरान पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह व खेलमंत्री गौरव गौतम भी मौजूद थे। लोगों ने सीएम को बताया कि नियमों को ताक पर रख बूचड़खाने का निर्माण किया जा रहा है। इसकी शिकायत उन्होंने डीसी से की है। डीसी ने हथीन एसडीएम को जांच के आदेश दिए थे। एसडीएम की जांच रिपोर्ट में सामने आया कि बूचड़खाने के निर्माण से पहले एनिमल हस्बेंडरी व सिंचाई विभाग समेत कई विभागों से एनओसी नहीं ली गई। ग्राम पंचायत से भी एनओसी न लेकर फर्जी तरीके से एनओसी बनाई गई है। बूचड़खाने को लेकर क्षेत्र के लोगों में नाराजगी है।

टैक्स न चुकाने पर नगर निगम ने सप्ताहभर में 115 प्रॉपर्टियां सील कीं

2.58 करोड़ रुपए बकाया, कार्रवाई आगे भी रहेगी जारी

भास्कर न्यूज़ | फरीदाबाद

टैक्स जमा न करने वालों के खिलाफ नगर निगम की कार्रवाई जारी है। एडिशनल कमिश्नर सलोनी शर्मा के अनुसार निगम की टीम ने 15 से 22 जनवरी तक 115 प्रापर्टियों को सील किया। इन पर 2.58 करोड़ का टैक्स बकाया है। निगम 50 हजार और एक लाख से ज्यादा के प्रॉपर्टी टैक्स वाले बकाएदारों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। निगम का उद्देश्य बकाए राजस्व की वसूली करना है। साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कदम उठाना है। उन्होंने कहा निगम की यह कार्रवाई बकाएदारों के खिलाफ लगातार जारी रहेगी। अभियान के दौरान सरकारी व निजी संपत्तियों पर बकाए टैक्स की रिकवरी की कार्रवाई की जा रही है। निगमायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने संपत्ति मालिकों से आह्वान किया कि वे समय रहते अपना बकाया टैक्स जमा करें। जिससे उनके खिलाफ सीलिंग या दंडात्मक कार्रवाई न हो। उन्होंने कहाकि सप्ताहभर में 115 बकाएदारों की प्रॉपर्टी सील की गईं। इस दौरान मौके पर कुछ बकाएदारों ने 41 लाख रुपए जमा कर दिए। उन्होंने कहा जनता से जो टैक्स लिया जाता है उसे शहर के विकास पर लगाया जाता है।

टैक्स जमा न करने पर बकाएदार की संपत्ति को सील करती नगर निगम की टीम।

पेशी के दौरान आरोपी भागा, पुलिस ने पकड़ने का प्रयास किया तो किया हमला

पलवल | जिला अदालत परिसर में उस समय हड़कंप मच गया, जब पेशी पर लाए गए छेड़खानी के आरोपी युवक ने पुलिस हिरासत से भागने का प्रयास किया। उसने सिपाही पर हमला कर धक्का देकर भागने की कोशिश की। लेकिन पुलिस टीम ने पीछा कर कुछ ही दूरी पर दबोच लिया। कैंप थाने में आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी कृष्ण गोपाल के अनुसार गदपुरी थाने की महिला हवलदार सविता ने शिकायत में कहा कि आरोपी रितिक पर गदपुरी थाने में 20 जनवरी को महिला के साथ छेड़खानी का केस दर्ज हुआ था। इस मामले में उन्होंने रितिक को गिरफ्तार कर लिया। उसे 21 जनवरी को सीजेएम मानसी धीमान की अदालत में वह पेश करने पहुंची थीं। उनके साथ सिपाही सुमित और गुरमेल भी थे।

नगर निगम ने 46 वार्डों में 229 क्षेत्र सभाओं का गठन किया

मोहल्ला विकास और योजनाओं में जनता निभाएगी भूमिका

भास्कर न्यूज़ | फरीदाबाद

नगर निगम ने शहर की प्रशासनिक व्यवस्था में पब्लिक की सीधी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए हरियाणा नगर नागरिक सहभागिता अधिनियम के तहत सभी 46 वार्डों में 229 क्षेत्र सभाओं के गठन की अधिसूचना जारी की है। इस पहल के बाद अब मोहल्ला स्तर पर विकास कार्यों की पहचान, प्राथमिकता और निगरानी में स्थानीय लोगों की भूमिका तय होगी।

निगम द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार इन सभाओं का गठन पोलिंग बूथों के आधार पर किया गया है। जिस पोलिंग बूथ की मतदाता सूची में जिन नागरिकों के नाम दर्ज हैं वे सभी संबंधित क्षेत्र सभा के सदस्य माने जाएंगे। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी पोलिंग बूथ को विभाजित नहीं किया गया है, ताकि व्यवस्था सरल और प्रभावी बनी रहे। सभाओं को स्थानीय समस्याओं की पहचान, नागरिक जरूरतों को प्राथमिकता देने और वार्ड स्तर पर विकास कार्यों की रूपरेखा तैयार करने का अधिकार दिया गया है। इसके साथ ही वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन और दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना जैसी सामाजिक योजनाओं के लाभार्थियों के सत्यापन में भी क्षेत्र सभाएं सहयोग करेंगी। स्वच्छता, कचरा प्रबंधन, जलापूर्ति और स्ट्रीट लाइट जैसी बुनियादी सेवाओं में नागरिक सहभागिता बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है। प्रत्येक क्षेत्र सभा के लिए निगम की ओर से एक मेंबर सेक्रेटरी नियुक्त किया गया है जो निगम का कर्मचारी होगा।

होटल में साझेदार बनाने का झांसा देकर 1.18 करोड़ हड़पे, पुलिस कर रही जांच

फरीदाबाद | जालसाजों ने सेक्टर-30 निवासी एक व्यक्ति को गोवा के मशहूर होटल में साझेदार बनाने का झांसा देकर 1.18 करोड़ रुपए ठग लिए। आरोपियों ने पीड़ित को होटल में निवेश करने पर अधिक मुनाफे का झांसा दिया था। साथ ही सिक्योरिटी के रूप में मैजिक पेन से हस्ताक्षर किया एक चेक दिया था। जिस पर से स्याही कुछ दिन में उड़ गई। पीड़ित की शिकायत पर आर्थिक अपराध शाखा मामले की जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार सेक्टर-30 निवासी पीड़ित ने बताया कि धीरज नगर निवासी नीरज को वह बचपन से जानते हैं। नीरज ने जनवरी 2025 में रमनदीप सिंह आनंद नाम के व्यक्ति से मिलवाया। रमनदीप ने बताया कि वह इवेंट मैनेजमेंट का काम करते हैं और गोवा में एंग्री सरदार के नाम से उनका होटल व रेस्टोरेंट है।

केंद्र ने मनरेगा का नाम परिवर्तन कर जाहिर की गोडसे की विचारधाराः अजय

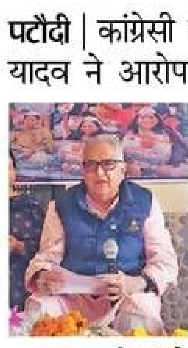

पटौदी | कांग्रेसी नेता और पूर्व प्रदेश मंत्री कैप्टन अजय यादव ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने मनरेगा का नाम परिवर्तन कर अपनी गोडसे की विचारधारा को जाहिर कर दिया है। धीरे धीरे इस योजना को बंद कर दिया जाएगा। अजय यादव ने गुरुवार को जाटौलीमंडी में एक पत्रकारवार्ता के दौरान कहा कि राम सबके हैं उनका नए नाम से विरोध नहीं है, लेकिन महात्मा गांधी का नाम हटाना गलत है। यह योजना दूसरी योजना है जिससे भारत के लोगों को भला होता। भाजपा की मंशा गरीब लोगों को रोजगार की गारंटी देने की योजना नहीं है।

रोजगार विभाग 2 से 6 फरवरी तक मनाएगा व्यावसायिक मार्गदर्शन सप्ताह

पटौदी | जिला रोजगार कार्यालय की ओर से डीसी अजय कुमार के मार्गदर्शन में 2 से 6 फरवरी तक व्यावसायिक मार्गदर्शन सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। रोजगार कार्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि 02 फरवरी को व्यावसायिक मार्गदर्शन सप्ताह का शुभारंभ राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मोलाहेड़ा व ढूंढ़ाहेडा से किया जाएगा। प्रवक्ता ने बताया कि मार्गदर्शन कार्यक्रम में मंडल रोजगार अधिकारी व सहायक रोजगार अधिकारी सहित अन्य विशेषज्ञों द्वार विधार्थियों को विभिन्न क्षेत्रो में कैरियर निर्माण सम्बंधी जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि 02 फरवरी को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मोलाहेड़ा व ढूंढ़ाहेडा में कंप्यूटर शिक्षा आदि विषयों में विशेषज्ञ द्वारा मार्गदर्शन किया जाएगा।

नौकरी का झांसा देकर महिलाओं से ठगी करने का आरोपी गिरफ्तार किया

गुरुग्राम | उद्योग विहार थाना क्षेत्र में नौकरी दिलाने का झांसा देकर महिलाओं से ठगी करने के मामले में पालम विहार क्राइम ब्रांच ने एक आरोपी को काबू किया है। आरोपी कंपनी में नौकरी दिलाने के बहाने दो महिलाओं के जेवरात लेकर फरार हो गया था। इससे पहले भी वह वारदातों को अंजाम दे चुका है। पुलिस आरोपी को रिमांड पर लेकर उससे जेवरात बरामदगी के लिए पूछताछ करेगी। दरअसल, उद्योग विहार थाना पुलिस में एक महिला ने शिकायत दी थी। जिसमें कहा गया कि बीती चार दिसंबर को वह अपनी सहेली के साथ नौकरी की तलाश में उद्योग विहार फेस-1 क्षेत्र में गई थी।

कंपनी का स्टाफ लेकर जा रही कैब को फॉर्च्यूनर ने मारी टक्कर, 6 घायल

गुरुग्राम | गोल्फ कोर्स रोड पर कंपनी के स्टाफ को लेकर जा रही कैब में एक फॉरच्यूनर कार ने जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में छह लोग घायल हो गए, सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि फॉरच्यूनर में तीन युवक थे, जो कि पूरी तरह से नशे में धुत थे और मौके पर गाड़ी छोडक़र फरार हो गए। सूचना मिलते ही सेक्टर-53 थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों के बयान के आधार पर केस दर्ज करते हुए गाड़ी को कब्जे में ले लिया है। पुलिस को दी शिकायत में स्वरूप नगर दिल्ली निवासी विनोद कुमार ने बताया कि वह प्रीमियर पीपुल लॉजिस्टिक कंपनी में बतौर ड्राइवर कार्यरत हैं।

अस्पताल के एमएस की शिकायत पर सदर थाना पुलिस में केस दर्ज

मेदांता की फर्जी वेबसाइटों से किडनी डोनेशन के नाम पर ठगी

भास्कर न्यूज़ | गुरुग्राम

गुरुग्राम स्थित मेदांता दी मेडिसिटी अस्पताल के नाम पर किडनी डोनेट करने के बदले तीन करोड़ रुपए देने का लालच देकर लोगों से ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में मेदांता अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट (एमएस) डॉ. संजय दुरानी की शिकायत पर सदर थाना पुलिस ने केस दर्ज किया है। सदर थाना प्रभारी ने बताया कि अभी तक इस मामले में आरोपी महिला का पता लगाया जा रहा है। अस्पताल प्रबंधन की ओर से डॉ. संजय दुरानी की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस को दी गई शिकायत में बताया गया है कि प्रिया संतोष नाम की एक महिला खुद को डॉक्टर बताकर लोगों के साथ ठग रही है। वह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, फर्जी वेबसाइटों और वॉट्सऐप ग्रुप के जरिए लोगों से संपर्क करती है और किडनी डोनेशन के बदले मोटी रकम देने का झांसा देती है। दावा किया जाता है कि मेदांता अस्पताल को किडनी की सख्त जरूरत है और जो व्यक्ति अपनी किडनी दान करेगा, उसे अस्पताल की ओर से तीन करोड़ रुपए दिए जाएंगे। इन्होंने मेदांता अस्पताल के लोगों और नाम का अवैध रूप से इस्तेमाल कर एक फर्जी वेबसाइट भी बना रखी है। महिला ने खुद को अस्पताल की डॉक्टर के रूप में पेश कर फर्जी कर्मचारी आईडी (स्टाफ आईडीः 1484628डब्ल्यू) का भी उपयोग किया, ताकि लोग आसानी से झांसे में आ सकें।

किडनी दान के विज्ञापन से हुआ खुलासा

पांच दिन पहले प्रतीक्षा पुजारी नाम की एक महिला ने अस्पताल प्रबंधन से संपर्क किया। महिला ने अस्पताल को एक ई-मेल भेजकर बताया कि सोशल मीडिया पर किडनी दान के विज्ञापन को देखकर उसने संपर्क किया था। अस्पताल की डॉक्टर प्रिया संतोष ने उससे पंजीकरण शुल्क के रूप में आठ हजार रुपए लिए हैं। इसके बाद, ठगों ने उसे भरोसा दिलाया कि उसे तीन करोड़ रुपए की राशि जारी की जा रही है, लेकिन इसके बदले उसे 20 हजार रुपए और जमा करने होंगे। जब महिला को शक हुआ और उसने अस्पताल में पड़ताल की। अस्पताल की जांच में सामने आया कि प्रिया संतोष नाम की कोई डॉक्टर अस्पताल में नहीं है और उसके द्वारा दी गई स्टाफ आईडी भी फर्जी है। मेदांता की छवि बिगाड़ने की साजिश डॉ. संजय दुरानी ने पुलिस को दी शिकायत बताया कि आरोपी महिला द्वारा इस्तेमाल किया गया नाम, स्टाफ आईडी और वॉट्सऐप नंबर पूरी तरह फर्जी हैं। अस्पताल प्रशासन ने स्पष्ट रूप से कहा कि वे किसी भी प्रकार के अवैध अंग व्यापार या ऐसी किसी वेबसाइट का संचालन नहीं करते हैं। यह एक संगठित साइबर गिरोह का काम है, जो न केवल लोगों को आर्थिक चपत लगा रहा है, बल्कि अस्पताल की छवि को भी धूमिल करने की कोशिश कर रहा है। सदर थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी प्रिया संतोष और उसके अन्य अज्ञात साथियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

किडनी फॉर मनी का विज्ञापन दिखा : दैनिक भास्कर की पड़ताल में किडनी फॉर मनी का मेदांता के नाम पर एक और विज्ञापन भी दिखाई दिया। इस विज्ञापन में डा. यतिन मेहता के नाम पर विज्ञापन चल रहा है, जो किडनी डोनेट के नाम पर छह करोड़ रुपए तक का ऑफर दे रहा है। इस विज्ञापन में कथित डॉक्टर ने वाटसऐप नंबर भी दिया हुआ है।

गुरुग्राम में गणतंत्र दिवस समारोह की भव्य तैयारियां, मुख्यमंत्री सैनी होंगे मुख्य अतिथि

भास्कर न्यूज़ | गुरुग्राम

जिला मुख्यालय पर गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन 26 जनवरी को सेक्टर-38 स्थित ताऊ देवीलाल स्टेडियम में पूरे हर्षोल्लास, राष्ट्रीय गरिमा एवं उत्साह के साथ किया जाएगा। समारोह की तैयारियों की समीक्षा को लेकर गुरुग्राम को लघु सचिवालय में आयोजित बैठक की अध्यक्षता डीसी अजय कुमार ने की। बैठक में गणतंत्र दिवस आयोजन से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। डीसी अजय कुमार ने बताया कि वन्दे मातरम के 150 वर्ष को समर्पित तथा आत्मनिर्भर भारत थीम के साथ आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी होंगे। मुख्यमंत्री राष्ट्रीय ध्वज फहराने के उपरांत भव्य परेड की सलामी लेंगे तथा मार्च पास्ट का निरीक्षण करेंगे। मुख्य अतिथि समारोह स्थल पर पहुंचने से पहले सिविल लाइन्स स्थित शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र चढ़ाकर देश की आजादी आंदोलन से लेकर आज तक अपने प्राणों की शहादत देने वाले रणबांकुरों को श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। समारोह के दौरान विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ति एवं हरियाणवी लोक संस्कृति से ओत-प्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, स्वतंत्रता सेनानियों के स्वजनों तथा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को समारोह के दौरान सम्मानित भी किया जाएगा।

गोहत्या के तीन आरोपियों को पांच साल की सजा

नूंह | गोहत्या के एक मामले में स्थानीय अदालत ने तीन आरोपियों को दोषी ठहराते हुए 5-5 साल कठोर कारावास की सजा सुनाई है। सुनवाई के दौरान एक आरोपी की मौत हो गई थी। मामले सुनवाई पांच साल चली। इनके पास से 200 किलो प्रतिबंधित गोमांस बरामद किया गया था। घटना फिरोजपुर झिरका थाना क्षेत्र में सितंबर 2020 की है। इस संबंध में तीन सितंबर को एफआईआर दर्ज की गई। इसमें चार लोगों को आरोपी बनाया गया था। आरोप है कि छापेमारी के दौरान पुलिस ने इनके पास से 200 किलो प्रतिबंधित गोमांस, कुल्हाड़ी, चाकू व तराजू बरामद किया गया था।

मार्च जैसी गर्मी, पारा 25^0 आज बारिश की उम्मीद

भास्कर न्यूज़ | गुरुग्राम

एनसीआर क्षेत्र में जनवरी व माघ के महीने में ही दिन में ही मार्च जैसी गर्मी का ऐहसास होने लगा है। गुरुवार को सुबह हल्का कोहरा छाया रहा, लेकिन दिन में अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस अधिक 23.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 7.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि मौसम विभाग ने शुक्रवार को हल्की बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा एनसीआर में हवा की गुणवत्ता भी बहुत खराब स्थिति में है। गुरुवार को गुरुग्राम एक्यूआई 366 जबकि मानेसर में 307 दर्ज किया गया। ऐसे में बारिश होती है तो पॉल्यूशन से भी कुछ राहत मिलने की उम्मीद है।

मौसम विभाग ने शुक्रवार को बादल छाए रहने व एक या दो बार हल्की बारिश होने की संभावना जताई है।

जन्मदिन मना रहे लोगों पर पड़ोसियों ने ईंट-पत्थर व डंडों से किया हमला

भास्कर न्यूज़ | पटौदी

घर में बच्चे का जन्मदिन मना रहे लोगों पर पड़ोसियों ने ईंट-पत्थर व डंडों से हमला कर दिया। इस दौरान आरोपियों ने घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों को भी डंडो से तोड़ दिया। पुलिस ने इस संबंध में पीड़िता कामनी पत्नी वरूण निवासी ततारपुर की शिकायत पर 2 महिलाओं सहित 5 लोगों पर विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पीड़िता ने पुलिस को शिकायत दी कि वे अपने परिवार के साथ अपने बेटी पूर्वांशी का जन्मदिन मना रही थी। घर में गाने चल रहे थे। इसी दौरान पड़ोस का रहने वाला कपिल पुत्र प्रकाश उनके घर पहुंचा और उसके ससुर सुभाष चंद्र के साथ गाली गलौच शुरू कर दी। इसके बाद वह डंडा लेकर घर में धुस आया और मारपीट शुरू कर दी। इससे पूर्व उसके घर के बाहर लगे कमरे तोड़ दिए।

डिलीवरी बॉय को किडनेप कर ले जा रहे दो गिरफ्तार

गुरुग्राम | खेड़कीदौला थाना क्षेत्र में डिलीवरी बॉय का किडनेप करके ले जा रहे दो अपहरणकर्ताओं को पुलिस की ईआरवी ने मौके पर ही काबू कर लिया। डिलीवरी बॉय ने आरोपियों की गाड़ी से साढ़े छह लाख रुपए चोरी किए थे। जिनको वापिस नहीं देने के चलते वारदात को अंजाम दिया गया था। दरअसल, खेड़कीदौला थाना पुलिस को एक युवक ने शिकायत देकर बताया कि वह गुडग़ांव में डिलीवरी बॉय का कार्य करता है। वह 21 जनवरी की शाम वापस आते समय से जयबीर व अमन तथा कुछ अन्य व्यक्ति कार से उतरे। उन्होंने युवक को गाड़ी से बाहर निकाला तथा डंडों से मारपीट की और उसे अपनी कार में डालकर अपहरण करके ले जाने लगे। इसी दौरान पुलिस की ईआरवी टीम पहुंची और युवक को सुरक्षित छुड़ाते हुए दो आरोपियों को काबू कर लिया।

नोएडा में इंजीनियर की मौत से सबक गुरुग्राम में आधी रात हुई मॉक ड्रिल

भास्कर न्यूज़ | गुरुग्राम

नोएडा में इंजीनियर की डूबने से हुई मौत की घटना से सबक लेते हुए गुरुग्राम में रेस्क्यू टीमों ने बुधवार की आधी रात के बाद मॉक ड्रिल की। पुलिस और फायर ब्रिगेड की रेस्क्यू टीमें रात करीब 1.20 बजे सेक्टर-53 तालाब पर पहुंची और मॉक ड्रिल शुरू की। गुरुग्राम के डीसीपी ईस्ट गौरव राजपुरोहित ने बताया कि मॉक ड्रिल सफल रही। गुरुग्राम में इस मॉक ड्रिल से प्रशासन ने ऐसी स्थितियों में तैयारियों की जांच की। सभी टीमें समय पर पहुंचीं, सर्च और रेस्क्यू प्रक्रिया को अमल में लाया गया और स्थिति को ''ऑल क्लियर'' घोषित किया गया। डीसीपी ने बताया कि हमारा लक्ष्य है कि कोई भी नागरिक डूबने जैसी आपदा में फंसे तो 10-15 मिनट के अंदर रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंच जाए।

दर्जनभर मोबाइल व तीन लाख लूट ले गए बदमाश

भास्कर न्यूज़ | नूंह

मोबाइल की दुकान में घुसे दर्जनभर लोगों ने दुकानदार से मारपीट कर लूटपाट की। हमलावर आरोपियों ने बाहर खड़ी दुकानदार की गाड़ी को भी तोड़ दिया। आरोप है कि ये नगदी व करीब 10 एपल मोबाइल भी लूटकर ले गए। पीड़ित दुकानदार ने पूरे मामले की शिकायत पुलिस को दी है। दूसरी तरफ, पुलिस का दावा है कि दोनों पक्षों के बीच आपसी लेनदेन को लेकर विवाद हुआ था। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना पिनगवां इलाके के ढ़ाणा रोड की है। गांव मामलिका निवासी आबिद हुसैन ने एपल स्टोर के नाम से मोबाइल की दुकान खोल रखी है। बताते हैं कि देर किसी ने फोन कर उसे गंदी गालियां और जान से मारने की धमकी दी।

प्रेरणा

जो व्यक्ति खुद पर नियंत्रण नहीं रख सकता वह आजाद नहीं है।- पाइथागोरस

संपादकीय

हर बदलाव का विरोध करना उचित नहीं है

सरकार और वैज्ञानिकों के प्रयास से जीन-एडिटिंग (जीई) तकनीकी में असाधारण सफलता मिली है। इस वर्ष से कृषि में इसका इस्तेमाल एक क्रांति का आगाज हो सकता है। मानव जेनेटिक बीमारियों, जैसे सिकल सेल में भी आशातीत सफलता की उम्मीद जगी है। जीन-मोडिफिकेशन (जीएम) और जीन-एडिटिंग (जीई) तकनीकियों में मौलिक अंतर यह है कि पहले में बाहरी डीएनए को लक्षित जीन में डाला जाता है, जिससे उसका मूल चरित्र ही बदल जाता है। इसलिए भारत सहित दुनिया के तमाम देशों ने जीएम सीड्स को प्रतिबंधित कर रखा है। लेकिन जीई तकनीकी में देशी क्रिस्पर विधि से की जाने वाली दो प्रक्रियाओं- एसडीएन-1 व 2 को सरकार ने वैध करार दिया है। इसमें जीन में ही मौजूद कुछ डीएनए (जैसे धान के पौधों में पानी की अवशोषण-क्षमता को कम करने वाले) को हटा दिया जाता है। इस प्रक्रिया से बनाए दो नए बीज देश के किसानों के लिए हर जिले में उपलब्ध हैं। इससे 30% उत्पादन वृद्धि की आशा है और फसल पर सूखे का असर भी नहीं होगा। इसी विधि से रोगी के खून में स्टेम सेल में बदलाव करके उन सेल्स को खास आकृति लेने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है। लेकिन देश में ही एक वर्ग इस तकनीकी का विरोध करने लगा है और वह इसे जीएम जैसा मान रहा है। जबकि जीई तकनीकी पर नजर रखने के लिए भी सरकार की नियामक संस्था है।

जीने की राह

पं. विजयशंकर मेहता

humarehanuman@gmail.com

ईश्वर से मिलने के लिए कुछ समय भीतर जाना ही पड़ेगा

जो हर जगह गूंज रहा है, उस दिव्य शक्ति, परमात्मा को समेटना ही भजन बन जाता है। भजन का सच्चा अर्थ यही है कि इसको करने वाला और सुनने वाला ध्वनि बन जाता है, मनुष्य नहीं रह जाता। जब ऐसा होता है तभी भजन का असली आनंद है। सच्चे भजन के लिए किसी ऑर्केस्ट्रा की आवश्यकता नहीं पड़ती। कई लोगों ने तो बिना वाद्ययंत्र के भी सुंदर भजन गा दिए। उनकी आवाज बाहर सुनाई देती है, लेकिन ऐसे लोग बहुत गहरे अपने भीतर उतर चुके होते हैं। भगवान के लिए कहा जाता है कि जो हर जगह दिख रहा है, वो भीतर के नेत्रों से सही देखा जाता है। चूंकि आजकल बाहर के नेत्रों के प्रयोग तो इतने अधिक वैज्ञानिक हो गए कि पूरी दुनिया देखी जा सकती है, पर दुनिया बनाने वाला देखना हो तो भीतर ही उतरना पड़ेगा। अब तो वर्तमान में जीने की सुविधा के नाम पर मेटा-चश्मों का भी प्रयोग खूब चल पड़ा। ऐसे प्रयोगों के कारण मनुष्य अत्यधिक बाहर रहने लगा, जबकि ईश्वर से मिलने के लिए कुछ समय तो भीतर जाना ही पड़ेगा। • Facebook:Pt. Vijayshankar Mehta

विश्लेषण • महाराष्ट्र से मिले संकेत गौरतलब हैं

अस्मिता की सियासत पर विकास का रोडमैप हावी

राजनीति

संजय कुमार

प्रोफ़ेसर और चुनाव विश्लेषक

sanjay@csds.in

बीएमसी के चुनाव नतीजे बताते हैं कि भारतीय राजनीति में भाजपा का वर्चस्व लगातार बढ़ता जा रहा है। भाजपा धीरे-धीरे पीएम मोदी के उस कथन को पूरा करने की ओर बढ़ रही है कि पार्टी का लक्ष्य पंचायत से संसद तक- हर चुनाव जीतने का होना चाहिए। भले ही भाजपा सभी राज्यों में सत्ता में न हो और न ही उसने बहुत ज्यादा राज्यों के निकाय चुनाव जीते हों, लेकिन फिलहाल वह 20 राज्यों में अकेली या गठबंधन के जरिए सत्ता में है। महाराष्ट्र नगरीय निकाय चुनावों में दूसरे दलों या गठबंधनों को सूपड़ा तो साफ नहीं हुआ, लेकिन 29 निकाय चुनावों में उनकी सफलता केंद्र और राज्य की सत्ता में भागीदारी के अनुपात में ही रही।

बीएमसी चुनाव कई कारणों से अहम हो गया था। पहला, मुम्बई देश की सबसे उलझी हुई शहरी सियासत की जंग का मैदान बना था। अभूतपूर्व गठबंधन बने। शिव सेना (यूबीटी) और मनसे के मेल से ठाकरे बंधु फिर एक हो गए। नतीजतन, कांग्रेस ने महाराष्ट्र विकास अघाड़ी से अलग होकर वंचित बहुजन अघाड़ी से गठबंधन किया। एनसीपी (अजित पवार) ने महायुति से बाहर होकर अकेले चुनाव लड़ा। भाजपा और शिव सेना (शिंदे) ने अपना गठबंधन बनाए रखा, इसके बावजूद दोनों में संगठनात्मक वर्चस्व को लेकर सियासी टकराव दिखा। इन नए समीकरणों में वोटरों के सामने विकल्प चुनना बेहद कठिन हो गया था।

कुल 2869 सीटों पर हुए चुनाव में अकेली भाजपा ने 1420 सीटें जीतीं, जबकि शिंदे सेना ने 375 सीटों पर जीत दर्ज की। कांग्रेस 329 सीटों के साथ तीसरे नंबर पर आई। उसकी गठबंधन सहयोगी वंचित बहुजन अघाड़ी को 40 सीटें मिलीं। ठाकरे बंधुओं के गठबंधन में उद्धव ठाकरे की शिव सेना को 175 सीटें मिलीं, जबकि राज ठाकरे की मनसे महज 13 सीटें जीत सकी। अकेले चुनाव लड़ी अजित पवार की एनसीपी को 160 सीटें मिलीं, जबकि शरद पवार की एनसीपी का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। उसे सिर्फ 40 सीटें ही मिल पाईं। 29 में से 25 नगर परिषदों में भाजपा अकेले या सहयोगियों के साथ सबसे बड़ा दल बनकर उभरी। इनमें से 18 में भाजपा ने अकेले ही बहुमत हासिल किया।

महाराष्ट्र निकाय चुनावों ने राजनीति के एक जटिल फॉर्मेट को उजागर किया, जिसमें हर कोई हर किसी के साथ भी था और खिलाफ भी। सबसे अनोखा री-यूनियन उद्धव और राज का था, जो दशकों से कट्टर प्रतिद्वंद्वी रहे हैं, लेकिन भाजपा-शिंदे सेना के वर्चस्व के खिलाफ एकजुट हो गए। साझा चुनावी रैलियों ने इस गठबंधन ने मराठी अस्मिता और बालासाहेब की विरासत को उभारने की कोशिश की, लेकिन भाजपा-शिंदे गठबंधन का गणित बिगाड़ने में नाकाम रहा।

कांग्रेस को लगा धक्का लंबे समय से चले आ रहे उसके पतन और फिर उठ खड़ा होने में उसकी असमर्थता को ही बताता है। बीएमसी चुनावों में कांग्रेस को 24 सीटें मिलीं, जबकि 2017 में हुए पिछले चुनाव में वह 31 सीटें जीती थी। यह उल्लेखनीय है कि 2007 में उसने 75 सीटें जीती थीं, जो 2012 में 52 और 2017 में 31 रह गईं। जबकि कांग्रेस को उम्मीद थी कि वंचित बहुजन अघाड़ी के साथ गठबंधन में वह दलित-मुस्लिम मतों को साथ जोड़कर भले बहुमत न पा सके, लेकिन 2017 से बेहतर प्रदर्शन तो कर ही लेगी।

इन चुनावों ने एक तरीके से बीएमसी में उद्धव के नेतृत्व वाली शिव सेना के दबदबे पर भी सवालिया निशान लगाया है। बीएमसी भारत का सबसे अमीर नगर निगम है, जिसका बजट 70 हजार करोड़ रुपए से

> **वोटरों ने मराठी अस्मिता की आक्रामक राजनीति को खारिज किया। गैर-मराठी मतदाताओं ने भाजपा-शिंदे गठबंधन को पसंद किया, क्योंकि वह मराठी मानुष, उत्तर भारतीयों और अन्य समुदायों के बीच संतुलन बनाने में सफल रहा।**

भी अधिक है। यूबीटी शिव सेना ने बीएमसी की 227 में से 65 सीटें जीतीं, लेकिन अपनी सहयोगी मनसे के कमजोर प्रदर्शन से उसे नुकसान उठाना पड़ा। मनसे 6 ही सीटें जीत पाई। ऐसे में इस गठबंधन के भविष्य को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं कि क्या यह आगे भी चलेगा या यह सिर्फ बीएमसी के लिए था?

इन नतीजों से बड़ा संदेश मिलता है कि बहुदलीय मुकाबले में गठबंधन की भूमिका अहम होती है, क्योंकि इससे दलों को अतिरिक्त समर्थन जुटाने में मदद मिलती है, लेकिन गठबंधन भी एक सीमा तक ही चुनावी सफलता दिला सकते हैं। दूसरे, जिस समाज में वोटर अपनी मौलिक पहचानों को ज्यादा अहमियत देते हैं, वहां अस्मिता की राजनीति बनी रहेगी। ऐसे में सियासी दल जाति, क्षेत्र, धर्म और भाषा जैसी पहचानों के जरिए मतदाताओं को जोड़ने की कोशिश करते रहेंगे, लेकिन इनसे मिलने वाले लाभों की भी एक सीमा है। गठबंधन और अस्मिता की सियासत से ऊपर चुनावी सफलता की असल कुंजी तो वोटरों से विकास का वादा और उसका स्पष्ट रोडमैप प्रतीत होता है। आज का आकांक्षी वोटर इसे ही अहमियत भी देता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

नजरिया • त्वरित जवाबदेही तय करनी जरूरी है

सिस्टम की नाकामी के नजारे आज हर तरफ नजर आ रहे हैं

कुप्रशासन

विराग गुप्ता

सुप्रीम कोर्ट के वकील

viraggupta@hotmail.com

33 साल पुरानी वोहरा कमेटी रिपोर्ट के निष्कर्षों को दोहराते हुए चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा है कि बिल्डर-माफिया और नौकरशाहों की सांठ-गांठ से हो रहे अवैध निर्माणों की वजह से चंडीगढ़ की सुखना झील सूख रही है। नोएडा स्पोर्ट्स सिटी के गड्ढे में गिरकर सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत के मामले में भी एसआईटी जांच शुरू हो गई है। गोवा के क्लब में अग्निकांड से 25 मौतों और स्वच्छतम शहर इंदौर में भी दूषित पानी से 25 मौतों के मामलों में हाईकोर्टों में सुनवाई हो रही है। ऐसे सभी मामलों में सिस्टम के गुनहगार साफ दिखने के बावजूद जांच समितियों के नाम पर बढ़ रही टालमटोल संस्कृति से लोग ऊब रहे हैं। इनमें निलम्बन, बर्खास्तगी और गिरफ्तारी से आगे बढ़कर इन 4 बिंदुओं पर कार्रवाई की जरूरत है :

1. **स्मार्ट सिटी** : दावोस के विश्व आर्थिक फोरम में ग्रेटर नोएडा में डेटा सेंटर की स्थापना के लिए यूपी सरकार ने 2.27 लाख करोड़ के एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। नोएडा के निकट 29650 करोड़ की लागत से अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बन रहा है। 2015 में 100 शहरों को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए 2.3 लाख करोड़ की योजना बनी थी। लेकिन जमीनी हकीकत बिल्कुल अलग है। दंतेवाड़ा के अबूझमाड़ में बाढ़ से क्षतिग्रस्त 23 पुलियाओं की तत्काल मरम्मत के लिए फंड नहीं होने से 100 गांवों के एक लाख लोगों का आवागमन बाधित हो रहा है। जीडीपी में 60% योगदान देने वाले इलाकों को कवर करने वाली नगर पालिकाएं 80% से ज्यादा खर्चों के लिए सरकारी मदद पर निर्भर हैं। वेतन भुगतान, कचरा उठान, जल आपूर्ति और सड़कों के रख-रखाव के लिए पैसे नहीं हैं। नोएडा के हाईटेक एक्सपो में तकनीकी का ढोल पीटने के साथ ही आपदा प्रबंधन के मॉकड्रिल का भी दिखावा होता है। लेकिन हादसे के समय ड्रोन, गोताखोर, नाव, लाइफ जैकेट, प्रशिक्षित स्टाफ, एक्शन प्लान : सब नदारद थे।

2. **भ्रष्टाचार** : दिल्ली में कूड़े के तीन पहाड़ प्रदूषण के साथ ही राष्ट्रीय शर्मिंदगी का भी विषय हैं। दिल्ली नगर निगम का सालाना बजट 16530 करोड़ का है। लेकिन सीवर लाइन और नालों को ठीक करने के लिए 57 हजार करोड़ के बजट की मांग हो रही है। पार्षद निधि के बजट को दो करोड़ सालाना किया जा रहा है। मुम्बई में 70 हजार करोड़ से अधिक के बजट वाली बीएमसी पर कब्जे के लिए 5 स्टार होटल में पार्षदों की मौज हो रही है। नेताओं-अफसरों के पास पानी, सफाई, सीवर लाइन के लिए विजन, प्रयास और इच्छाशक्ति- सभी का अभाव मालूम होता है।

3. **ऑडिट** : इंदौर में दूषित जल के खतरों के बारे में सीएजी ने 2019 में ही आगाह किया था। उसी तरह नोएडा स्पोर्ट्स सिटी के घोटाले के बारे में सीएजी की 2021 की रिपोर्ट में विवरण है। नेताओं और बिल्डरों की मिलीभगत से कई टुकड़ों में प्लॉटों को बांटने की वजह से सरकार को 9 हजार करोड़ का नुकसान हुआ है। नोएडा में बिल्डर और बैंक माफिया की मिलीभगत और प्राधिकरण के अधिकारियों की सम्पत्ति की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने कई आदेश पारित किए हैं। सीएजी की रिपोर्ट पर नौकरशाही की चुप्पी अब पांच साल पुरानी हो गई है। दूसरी तरफ छुटभैये मामलों में पुलिस ने 5 बिल्डरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। नोएडा प्राधिकरण को हादसे वाले भूखंड के स्वामित्व की जानकारी तक नहीं है!

4. **जवाबदेही** : विधानसभा में दी गई जानकारी

> **नोएडा के हाईटेक एक्सपो में तकनीकी का ढोल पीटने के साथ ही आपदा प्रबंधन के मॉकड्रिल का भी दिखावा होता है। लेकिन हादसे के समय ड्रोन, गोताखोर, नाव, लाइफ जैकेट, प्रशिक्षित स्टाफ, एक्शन प्लान : सब नदारद थे।**

के अनुसार दिल्ली में बीते दो सालों में सीवर और नालों में डूबने से 89 लोगों की जानें गई हैं। लेकिन नोएडा मामले में सरगर्मी इसलिए बढ़ी, क्योंकि पुलिस, दमकल, एनडीआरएफ और एयरफोर्स समेत कोई भी एजेंसी ढाई घंटे तक उस युवक को बचा नहीं सकी। अफसरों की जवाबदेही के लिए केंद्र सरकार मासिक स्कोर बोर्ड का नया सिस्टम ला रही है। भारत में अगले महीने एआई का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन हो रहा है। ऐसे में सरकार को फैसला लेना चाहिए कि भविष्य में किसी भी हादसे के बाद नई जांच समिति के गठन के बजाय एआई के माध्यम से पुराने आयोगों और समितियों की रिपोर्ट हासिल की जाएगी। इससे लंबित काम और शिकायतों का पता चलने के साथ ही अफसरों की त्वरित जवाबदेही भी फिक्स हो सकेगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

इस लेख को मोबाइल पर सुनने के लिए **QR कोड** को स्कैन करें।

ब्रांड से सबक Microsoft | अमेरिकी टेक कंपनी

2000 के दशक में माइक्रोसॉफ्ट खत्म, आउट ऑफ डेट जैसी बातें चलीं, अब टेक की शीर्ष कंपनियों में

साल 2007, मशहूर अमेरिकी प्रोग्रामर और निवेशक पॉल ग्राहम ने एक लेख लिखा, जिसका शीर्षक था 'माइक्रोसॉफ्ट इज डेड'। उन्होंने तर्क दिया कि गूगल और वेब-आधारित एप्स के दौर में माइक्रोसॉफ्ट अब अप्रासंगिक हो गया है। ग्राहम ने लिखा कि लोग अब माइक्रोसॉफ्ट से डरते नहीं हैं, बल्कि उसे नजरअंदाज कर रहे हैं। दरअसल यह वह दौर था, जब टेक जगत में यह चर्चा होने लगी थी कि माइक्रोसॉफ्ट पुराने जमाने की कंपनी बन चुकी है, जो मोबाइल क्रांति में पूरी तरह से पिछड़ गई है। आंकड़े भी कुछ यही बयां करते हैं जैसे- दिसंबर 1999 में माइक्रोसॉफ्ट के शेयर की कीमत 38 डॉलर थी।

2012 के अंत तक भी ये शेयर 26 से 30 डॉलर के बीच झूलते रहे। यानी 13 साल तक निवेशकों को जीरो रिटर्न मिला। एक और उदाहरण है- 2000 के दशक की शुरुआत में विंडोज मोबाइल का मार्केट में दबदबा था, लेकिन 2007 में आईफोन और 2008 में एंड्रॉइड के आने के बाद 2013 आते-आते मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम में माइक्रोसॉफ्ट की हिस्सेदारी 3 प्रतिशत से भी कम रह गई। हालांकि एक समय ऐसा भी था जब तकनीक की दुनिया में माइक्रोसॉफ्ट का मतलब ही कंप्यूटर होता था, लेकिन यह क्यों संकट में फंसा? पढ़िए आज ब्रांड से सबक में माइक्रोसॉफ्ट की इस कहानी को।

वर्तमान स्थिति

305 लाख करोड़ की कंपनी है माइक्रोसॉफ्ट

आज माइक्रोसॉफ्ट क्लाउड, एआई, प्रोडक्टिविटी, गेमिंग और इंटरप्राइज सॉल्यूशन में दुनिया की शीर्ष कंपनियों में शामिल है। उसका Azure क्लाउड प्लेटफॉर्म दुनिया की सबसे बड़ी क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विस में से एक है। माइक्रोसॉफ्ट 200 से अधिक देशों में काम कर रही है। दुनिया की 95% फॉर्च्यून 500 कंपनियां इसके क्लाउड का उपयोग करती हैं। इसके अलावा कंपनी वर्तमान में क्वांटम कम्प्यूटिंग और एआई पर तेजी से काम कर रही है।

सबक क्यों- 2013 में 26 डॉलर तक पहुंच गई थी माइक्रोसॉफ्ट के एक शेयर की कीमत आज 450 डॉलर से ज्यादा है मूल्य।

यह तस्वीर युवा बिल गेट्स और उनके मित्र पॉल एलन की है, जिन्होंने माइक्रोसॉफ्ट की नींव रखी थी।

200 से अधिक देशों में काम कर रही है कंपनी।

1.45 लाख करोड़ के निवेश की घोषणा की है सत्य नडेला ने भारत में।

20 हजार से अधिक कर्मचारी हैं भारत में कंपनी के।

95% फॉर्च्यून 500 कंपनियां इसके क्लाउड का उपयोग करती हैं।

चार कारण, जो बने कमजोरी

1. **मोबाइल क्रांति को नजरअंदाज करना** : स्टीव जॉब्स ने जब 2007 में आईफोन लॉन्च किया, तब तत्कालीन सीईओ स्टीव बाल्मर ने उसका मजाक उड़ाया था। वे टच इंटरफेस और एप स्टोर की अहमियत नहीं समझ पाए।
2. **इंटरनेट एक्सप्लोरर की सुस्ती** : 90 के दशक में माइक्रोसॉफ्ट ब्राउजर की सुरक्षा खामियों और धीमी गति के कारण यूजर्स गूगल क्रोम और फायरफॉक्स की ओर मुड़ गए, जिन्हें कंपनी वापस नहीं ला पाई।
3. **विंडोज विस्टा की विफलता** : विंडोज एक्सपी के बाद आया विंडोज विस्टा बेहद धीमा था। हार्डवेयर के साथ तालमेल में भारी दिक्कत रही। इससे ग्राहकों का भरोसा घटा।
4. **कानूनी विवाद** : 2000 की शुरुआत में अमेरिका और यूरोप में कंपनी पर एकाधिकार को लेकर मुकदमे चले। कंपनी कानूनी चक्कर में फंस गई।

इस तरह की वापसी

1. **क्लाउड फर्स्ट, मोबाइल फर्स्ट विजन:** 2014 में पद संभालते ही नडेला ने घोषणा की कि माइक्रोसॉफ्ट अब सिर्फ विंडोज कंपनी नहीं रहेगी। उन्होंने 'Azure' क्लाउड को प्राथमिकता दी। आज यह कंपनी की कमाई का मुख्य जरिया है।
2. **प्रतिद्वंद्वियों के साथ सहयोग :** नडेला ने पुरानी दुश्मनी खत्म की। माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस को आईफोन व एंड्रॉइड पर उपलब्ध कराया। यहां तक कि 'Linux' को भी स्वीकारा, जिसे बाल्मर ने कैंसर कहा था।
3. **सार्थक अधिग्रहण :** कंपनी ने लिंक्डइन, गिटहब और माइनक्राफ्ट जैसे प्लेटफॉर्म्स को खरीदा। इससे माइक्रोसॉफ्ट को डेवलपर्स और प्रोफेशनल्स का एक विशाल डेटाबेस और कम्युनिटी मिल गई।
4. **एआई, ओपन एआई में निवेश :** माइक्रोसॉफ्ट ने चैटजीपीटी वाली ओपनएआई में अरबों डॉलर निवेश किए। एआई की रेस में दुनिया की शीर्ष कंपनियों में है।

माइक्रोकंप्यूटर और सॉफ्टवेयर से मिलकर बना है इसका नाम

शुरुआत : दो दोस्तों ने मिलकर रखी थी माइक्रोसॉफ्ट की नींव

माइक्रोसॉफ्ट की नींव 4 अप्रैल, 1975 को दो बचपन के दोस्तों बिल गेट्स और पॉल एलन ने रखी थी। उनका विजन था 'हर घर और हर डेस्क पर एक कंप्यूटर।' उन्होंने अल्टेयर 8800 के लिए बेसिक (BASIC) इंटरप्रेटर बनाकर शुरुआत की, लेकिन असली सफलता 1980 के दशक में आई जब उन्होंने आईबीएम के साथ एमएस-डॉस के लिए हाथ मिलाया।

गंभीर संकट : साल 2012-13 रहा कंपनी का सबसे खराब दौर

2012 में लॉन्च हुआ विंडोज-8 असफल रहा। इसी समय कंपनी ने नोकिया को खरीदने जैसा आत्मघाती फैसला लिया। उसका इनहाउस टैबलेट 'सरफेस आरटी' असफल हो गया, जिससे कंपनी को उस समय 90 करोड़ डॉलर का भारी नुकसान हुआ। बाद में अरबों का घाटा सहना पड़ा। इसके बाद 2013 में तत्कालीन सीईओ स्टीव बाल्मर को इस्तीफा देना पड़ा।

ऐसे पड़ा नाम : इसका नाम माइक्रोकम्प्यूटर और और सॉफ्टवेयर शब्द को मिलाकर बनाया गया है। आज माइक्रोसॉफ्ट सबसे बड़ी कंपनियों में शामिल है।

सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी : गूगल, अमेजन एडब्ल्यूएस और एपल इसके प्रमुख प्रतिद्वंद्वियों में शामिल हैं, जिनसे मोबाइल, क्लाउड और एआई में चुनौती मिलती है।

पीपुल भास्कर ए.आर. रहमान

| प्रसिद्ध भारतीय संगीत निर्देशक

हिंदू ज्योतिषी ने दिया था रहमान नाम, 'मद्रास का मोजार्ट' कहे जाते हैं, कनाडा में इनके नाम पर सड़क

साल 1989, ए.आर. रहमान करीब 22-23 साल के थे, उनका परिवार एक कठिन दौर से गुजर रहा था। पिता के निधन के वर्षों बाद भी घर की आर्थिक स्थिति स्थिर नहीं थी। खासकर उनकी छोटी बहन बहुत बीमार रहती थी। उसी दौरान, रहमान की मां, बेटी की शादी के लिए उसकी कुंडली दिखाने एक हिंदू ज्योतिषी के पास गईं। ज्योतिषी ने तभी रहमान के बारे में पूछा (तब उनका नाम ए.एस. दिलीप कुमार था)। कुंडली देखने के बाद ज्योतिषी ने उन्हें अब्दुल रहमान और अब्दुल रहीम में से कोई एक नाम रखने की सलाह दी। संयोग से उसी समय रहमान का परिवार एक सूफी संत करीमुल्लाह शाह कादरी के संपर्क में भी आया था, जिनकी दुआओं से उनकी बहन की सेहत में सुधार हुआ। इससे प्रेरित होकर उन्होंने अपना नाम रहमान रख लिया। बाद में मां ने उसमें अल्लाह रक्खा जोड़ दिया। इस तरह दिलीप कुमार ए.आर. रहमान बन गए।

प्रतिष्ठित मैगजीन टाइम ने 2004 में एक आर्टिकल में उन्हें 'मद्रास का मोजार्ट' की उपाधि से संबोधित किया था। दरअसल मैगजीन ने उनकी तुलना 18वीं सदी के महान ऑस्ट्रियाई संगीतकार वोल्फगैंग अमेदियस मोजार्ट से की थी, जिन्होंने पश्चिमी शास्त्रीय संगीत में प्रयोग किए थे। ए.आर. रहमान अब फिल्में भी लिख रहे हैं। उन्होंने तीन फिल्में प्रोड्यूस भी की हैं। रहमान आज भी अधिकतर देर रात संगीत बनाते हैं, जिससे सुबह 9 से 10 बजे के बीच उठते हैं। उन्हें दक्षिण भारतीय शाकाहारी खाना अधिक पसंद है।

चर्चा में क्यों- हाल ही में एक बयान में पिछले 7-8 वर्षों से बॉलीवुड में पहले जितना काम न मिलने की बात कही है। इससे विवाद हो रहा है।

27 अगस्त 2022 को कनाडा में एआर रहमान के सम्मान में उनके नाम पर सड़क का उद्घाटन किया गया था।

ए.आर. रहमान के पिता की मृत्यु के बाद उनकी मां ने पति के वाद्ययंत्रों को किराए से देना शुरू कर दिया। कुछ दिनों तक इस किराए से मिले पैसों से ही घर का खर्च चलता था।

जन्म : 6 जनवरी 1967, मद्रास
शिक्षा : 10वीं
परिवार : मां- करीमा बेगम, पत्नी-सायरा बानो (2024 में तलाक)और तीन बच्चे।
संपत्ति : करीब 2000 करोड़ रुपए

(विभिन्न मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार)

शुरुआत

दक्षिण भारतीय फिल्मों में संगीत से जुड़े थे पिता

ए.आर. रहमान के पिता आर.के. शेखर पार्श्व संगीत बनाते थे। जब रहमान 9 साल के थे तभी उनका निधन हो गया था। ऐसे में उन्होंने घर खर्च के लिए काम शुरू कर दिया। रहमान बताते हैं कि एक दिन प्रिंसिपल ने मां से शिकायत की। जब मां ने आर्थिक स्थिति का हवाला दिया तो उन्होंने कहा कि इसे सड़कों पर ले जाकर भीख मांगो। इसके बाद उन्होंने पढ़ाई छोड़ दी।

विवाह

छोटी को पसंद किया, बड़ी बहन से हुई शादी

1994 में एआर रहमान की मां बेटे के लिए लड़की ढूंढ़ रही थीं। वे एक दरगाह में पहुंचीं। उन्होंने एक युवती को प्रार्थना करते देखा जो उन्हें बहुत पसंद आई। वे युवती के पिता के पास पहुंचीं। उन्होंने बताया कि पहले लड़की बड़ी बहन की शादी होगी। वे सायरा थीं, जिनसे बाद में शादी हुई। हालांकि 2024 में दोनों आपसी सहमति से अलग होने की घोषणा कर चुके है।

करियर

ऑर्केस्ट्रा में गाने से लेकर ऑस्कर तक

रहमान 4 साल की उम्र से पियानो बजाने लगे था। 11 की उम्र में वे एम.के अर्जुनन के ऑर्केस्ट्रा में शामिल हो गए। फिर जाकिर हुसैन आदि के साथ वर्ल्ड टूर पर जाने लगे। शुरु में टीवी विज्ञापन और जिंगल आदि के लिए संगीत बनाते थे। 1992 में मणिरत्नम की फिल्म 'रोजा' से पहचान मिली। 2009 में फिल्म 'स्लमडॉग मिलियनेयर' के लिए ऑस्कर मिला।

रोचक : एल्बम रिलीज के 20 दिन पहले से संगीत में पूरी तरह डूब जाते हैं, एक घंटे ही सोते हैं

खास : 25 की उम्र तक खुद को बेहद असफल मानते थे

- म्यूजिक में परफेक्शन के लिए एल्बम रिलीज के 20 दिन पहले से गानों में लगातार डूबे रहते हैं। इस दौरान मुश्किल से एक घंटा सोते हैं।
- 25 की उम्र तक खुद को बेहद असफल मानते थे। कई बार आत्महत्या के बारे में भी सोचा।
- गणित में काफी रुचि थी। बचपन में सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनना चाहते थे।

उपलब्धि : ट्रिनिटी कॉलेज ने संगीत के लिए दी छात्रवृत्ति

- कनाडा के ओंटोरियो प्रांत के मारखाम शहर में उनके नाम पर एक सड़क का नाम ए.आर. रहमान स्ट्रीट रखा गया है।
- संगीत के क्षेत्र में उनके अनुभव को देखते हुए ऑक्सफोर्ड के ट्रिनिटी म्यूजिकल कॉलेज ने उन्हें छात्रवृत्ति प्रदान की थी। इससे उन्होंने पश्चिमी शास्त्रीय संगीत में शिक्षा प्राप्त की है।

सम्मान : दो ऑस्कर, दो ग्रैमी, कुल 138 पुरस्कार

- रहमान को अब तक दो ऑस्कर, दो ग्रैमी, एक गोल्डन ग्लोब सहित सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक के लिए 6 राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं।
- इसके अलावा उन्हें 15 फिल्मफेयर पुरस्कार और दक्षिण भारतीय फिल्मों के लिए उन्हें 18 दक्षिण भारतीय फिल्मफेयर पुरस्कार भी मिले हैं। रहमान ने अभी तक कुल 138 पुरस्कार जीते हैं।

बिजनेस ब्रीफ

तीसरी तिमाही में 4.4% बढ़ी अमेरिकी जीडीपी

वॉशिंगटन | तीसरी तिमाही में अमेरिका की जीडीपी (देश के वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन) में 4.4% वार्षिक दर से वृद्धि हुई है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने गुरुवार को बताया कि यह वृद्धि अप्रैल-जून तिमाही के 3.8% और विभाग द्वारा अनुमानित 4.3% वृद्धि से अधिक है। 2023 की तीसरी तिमाही के बाद इतनी तेज वृद्धि नहीं हुई है।

डीएलएफ का मुनाफा 14%, आय 32% बढ़ी

मुंबई| रियल एस्टेट कंपनी डीएलएफ ने वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में मजबूत नतीजे दर्ज किए हैं। शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 14% बढ़कर 1,203.36 करोड़ रुपए रहा। परिचालन आय 32% बढ़कर 2,020.22 करोड़ रु. हो गई। तिमाही के दौरान रिकॉर्ड कलेक्शन और 3,876 करोड़ रुपए का सरप्लस कैश जेनरेशन हुआ।

रैपिडो: घाटा 30% घटा, पर आय 44.2% बढ़ी

नई दिल्ली| राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो की पैरेंट कंपनी रोपेन ट्रांसपोर्टेशन सर्विसेज ने अपने घाटे को 30% तक कम कर लिया है। बिजनेस इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म टॉफ्लर के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का कन्सॉलिडेटेड लॉस घटकर 258 करोड़ रुपए रह गया। यह वित्त वर्ष 2023-24 में 370 करोड़ रुपए था।

भारत सबसे किफायती ऑफिस स्पेस बाजार

नई दिल्ली | अपेक्षाकृत नया बाजार होने के बावजूद, भारत वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से विकसित होने वाला ऑफिस स्पेस मार्केट बनकर उभरा है। वर्कप्लेस कंसल्टेंसी अल्ट्रे की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारत प्रमुख वैश्विक केंद्रों में सबसे कम किराए वाले बाजारों में से एक है। भारत और पोलैंड दुनिया के सबसे किफायती बाजारों के रूप में उभरे हैं।

शैडोफैक्स आईपीओ को 2.86 गुना सब्सक्रिप्शन

मुंबई | टेक आधारित थर्ड पार्टी लॉजिस्टिक्स कंपनी शैडोफैक्स टेक्नोलॉजीज का आईपीओ गुरुवार को अंतिम दिन 2.86 गुना सब्सक्राइब हुआ। आईपीओ रिटेल कैटेगरी में 2.43 गुना, क्यूआईबी (एंकर को छोड़कर) श्रेणी में 4 गुना और एनआईआई श्रेणी में 0.88 गुना सब्सक्राइब हुआ। शेयरों का आवंटन 23 जनवरी को, जबकि लिस्टिंग 28 जनवरी को होने की संभावना है।

झटका • श्रम कानून, ऑपरेशनल बाधा, कमजोर रुपए से 2,581 करोड़ बढ़ा खर्च

इंडिगो: लाभ 77% घटकर 550 करोड़, 3 महीने पहले 2,582 करोड़ घाटे में थी

भास्कर बिजनेस | नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो चलाने वाली कंपनी इंटरग्लोब एविएशन के मुनाफा काफी घट गया है। गुरुवार को जारी नतीजों के मुताबिक, अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी का मुनाफा 77.55% घटकर 5,50 करोड़ रुपए रह गया। इसके मुकाबले अक्टूबर-दिसंबर 2024 में कंपनी का मुनाफा 2,449 करोड़ रुपए रहा था। इसके बावजूद बीएसई पर कंपनी के शेयर 1% से ज्यादा बढ़ने के साथ 4,914 रुपए पर बंद हुए। विश्लेषकों का कहना है कि नतीजे उम्मीद से बेहतर है।

तिमाही-दर-तिमाही आधार पर देखें तो इंडिगो के प्रदर्शन में काफी सुधार हुआ है। बीती तिमाही का मामूली मुनाफा भी इसलिए मायने रखता है कि जुलाई-सितंबर 2025 में कंपनी 2,582 करोड़ रुपए के घाटे में थी। इंडिगो के पास 51,607 करोड़ रुपए की नकदी भी है, जो दिखाती है कि कंपनी पूंजी के मामले में किस कदर मजबूत स्थिति में है। हालांकि बढ़ा हुआ कर्ज और एकमुश्त खर्च के चलते आगे का मुनाफा प्रभावित हो सकता है।

नतीजा एक नजर में: कंपनी की क्षमता, यात्री, आय सब बढ़ी

कुल आय	₹23,472 करोड़	▲6.2%
ऑपरेटिंग कमाई	₹6,008 करोड़	▲0.8%
शुद्ध मुनाफा	₹5,50 करोड़	▼77.5%
यात्रियों की संख्या	₹ 3.19 करोड़	▲2.8%
कंपनी की क्षमता	₹ 4,540 करोड़	▲11.2%

(क्षमता सीट-किलोमीटर, **स्रोत**: कंपनी फाइलिंग)

...फिर भी 3 अतिरिक्त खर्चों के चलते घट गया मुनाफा

₹969.3 करोड़	नए श्रम कानूनों के लागू होने से
₹577.2 करोड़	ऑपरेशनल बाधाओं के चलते
₹1,035 करोड़	रुपए की वैल्यू घटने से डॉलर में खर्च
₹2,581 करोड़	कुल अतिरिक्त खर्च हुए

कार्रवाई: केंद्र ने कोर्ट में कहा, इंडिगो को सीनियर वाइस प्रेसिडेंट को बर्खास्त करने के निर्देश दिए गए

केंद्र सरकार ने गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट में कहा कि इंडिगो को दिसंबर की उड़ान से सीनियर वाइस प्रेसिडेंट को बर्खास्त करने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही 22 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है और अन्य अधिकारियों को चेतावनी दी गई है। इंडिगो ने टिकट रिफंड कर दिया है, मुआवजा भी जल्द देगी।

- कंपनी के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट जेसन हर्टर को हटाया जाएगा।
- हर्टर इंडिगो के ऑपरेशंस कंट्रोल सेंटर के एसवीपी हैं।
- दिसंबर में उड़ानें निरस्त होने में चूक की जिम्मेदारी इन्हीं की थी।

एअर इंडिया को 15 हजार करोड़ घाटे की आशंका

मुंबई | पिछले साल अहमदाबाद में विमान हादसे और हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण एअर इंडिया को रिकॉर्ड सालाना घाटा होने की आशंका है। कंपनी से जुड़े लोगों के मुताबिक, टाटा ग्रुप की यह एयरलाइन, 31 मार्च को समाप्त होने वाले वर्ष 2025-26 में कम से कम 15,000 करोड़ रुपए का घाटा उठाएगी। पाकिस्तान द्वारा भारतीय कंपनियों के लिए हवाई क्षेत्र बंद करने से भी एअर इंडिया की आय प्रभावित हुई है। यह उलटफेर है क्योंकि बीते साल जून में ड्रीमलाइनर हादसे से पहले एअर इंडिया मुनाफे में आने वाली थी। बिजनेस इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म टॉफ्लर के दस्तावेजों से पता चलता है कि एअर इंडिया को बीते तीन वर्षों में 32,210 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। इस बीच टाटा ग्रुप ने कैम्पबेल विल्सन की जगह नए सीईओ की तलाश शुरू कर दी है।

गोल्ड लोन ग्रोथ 40%, 4 लाख करोड़ पहुंच रहा कुल कर्ज

मुंबई | गोल्ड लोन एनबीएफसी के प्रबंधन के तहत एयूएम वित्त वर्ष 2027 तक 4 लाख करोड़ पार होने का अनुमान है। इस वित्त वर्ष और अगले वित्त वर्ष के बीच इसमें 40% की वार्षिक वृद्धि देखने को मिल सकती है, जो कि 2023-2025 के दौरान रही 27% की वृद्धि से अधिक है। गोल्ड लोन एनबीएफसी का प्रति शाखा औसत बिजनेस बीते दो वित्त वर्षों में 40% बढ़ा। **ये ट्रेंड रुकने वाला नहीं है, क्योंकि** • चालू वित्त वर्ष के पहले 9 माह में सोने के दाम 68% बढ़े। गिरवी रखे सोने की वैल्यू बढ़ने से कंपनियां ज्यादा कर्ज दे पाती हैं। • 1 अप्रैल से लागू होने वाले लोन-टू-वैल्यू मानदंडों के सरल होने से कर्ज तेजी से बढ़ेगा।

कंज्यूमर ट्रेंड्स • 5.5 लाख करोड़ के लोन बाजार में जोखिम बढ़ा

देश में 31-40 वर्ष की उम्र में लोन लेने वाले सबसे ज्यादा 8.20 करोड़

भास्कर न्यूज़ | मुंबई

भारतीय लोन मार्केट में बड़ा बदलाव दिख रहा है। नवंबर 2025 तक 'न्यू-टू-क्रेडिट' (एनटीसी) यानी पहली बार लोन लेने वालों में 25 वर्ष से कम आयु के युवाओं की हिस्सेदारी सबसे अधिक 35.5% पहुंच गई। इस वर्ग में सालाना आधार पर प्रति उधारकर्ता औसत कर्ज राशि 18% बढ़ी है। चिंता की बात यह है कि 30 वर्ष से कम उम्र के उधारकर्ताओं में लोन चुकाने में देरी अन्य समूहों से कहीं अधिक है। युवाओं में शुरुआती चूक (31-90 दिन) ज्यादा है, वहीं 60+ उम्र के लोगों में देर से होने वाली चूक (91-180 दिन) की चुनौती बढ़ रही है। क्रिफ की क्रेडिट इनसाइट रिपोर्ट में चेताया गया है कि अब समय आ गया है कि कर्ज देने वाली संस्थाएं केवल ग्रोथ पर नहीं, बल्कि कर्ज की गुणवत्ता पर भी ध्यान दें।

देश में 25 वर्ष से कम उम्र वाले कर्जदाता 2.7 करोड़

आयु वर्ग	उधारकर्ता (करोड़)	POS	POS वृद्धि	POS हिस्सेदारी	औसत कर्ज प्रति व्यक्ति (रुपए)
25 से कम	2.7	5.0	17.1%	7.6%	1,85,315
26-30	3.9	12.6	19.0%	19.0%	3,20,621
31-40	8.2	46.6	10.7%	29.4%	5,65,290
41-50	6.7	46.5	9.2%	29.3%	6,98,701
51-60	4.4	30.1	9.0%	19.0%	6,91,480
60+	3.0	17.8	7.7%	11.2%	5,87,191
कुल	**28.9**	**158.6**	**8.6%**	**100%**	**5,48,788**

नोट: POS: पोर्टफोलियो आउटस्टैंडिंग साइज(लाख करोड़ रु.), **सोर्स**: क्रिफ

कंज्यूमर ड्यूरेबल, पर्सनल, क्रेडिट कार्ड कर्ज बढ़ रहा

- नवंबर 2025 तक भारत में कुल 1,988.8 लाख सक्रिय लोन खाते हैं, सालाना वृद्धि 11% है।
- 31-40 साल के ग्रुप के पास 32.2% सक्रिय लोन खाते हैं। कुल खाते 515 लाख हैं।
- 25 से कम उम्र के युवाओं के पास 315.8 लाख और 26-30 वर्ष वालों के पास 210 लाख सक्रिय लोन खाते हैं।
- 30 वर्ष से कम और 31-40 वर्ष के लोग मुख्य रूप से कंज्यूमर ड्यूरेबल लोन, पर्सनल लोन और क्रेडिट कार्ड जैसे अनसिक्योर्ड लोन को प्राथमिकता दे रहे हैं ।

वापसी • यूरोप पर ट्रम्प पीछे हटे, बाजार को राहत

सेंसेक्स 874 अंक उछला, पर बाद में मुनाफा वसूली

भास्कर न्यूज़ | मुंबई

शेयर बाजार का रुझान गुरुवार को अचानक पलट गया। बाजार खुलते ही सेंसेक्स 874 अंक चढ़कर 82,783 अंक पर पहुंच गया। इस स्तर पर निवेशकों ने मुनाफा वसूली की। इससे यह बेंचमार्क इंडेक्स 398 अंक यानी 0.49% चढ़कर 82,307 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 132 अंकों (0.53%) की बढ़त लेकर 25,290 पर पहुंचा। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.3% चढ़ गया और स्मॉलकैप इंडेक्स में 1.13% तेजी रही। कुल 4,385 शेयरों में ट्रेडिंग हुई। 2,951 शेयर बढ़त पर 1,280 शेयर गिरावट पर बंद हुए। 69 शेयर 52 हफ्तों की ऊंचाई पर पहुंच गए, लेकिन 276 शेयर 52 हफ्तों के निचले स्तर पर बंद हुए। एक एनालिसिस के मुताबिक 2026 में अब तक 600 से ज्यादा शेयर स्मॉलकैप शेयर 10% से ज्यादा नकारात्मक रिटर्न दे चुके हैं।

ट्रिगर: यूएस, यूरोप के बीच टकराव की आशंका घटी

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूरोपीय देशों पर टैरिफ लगाने की धमकी से पीछे हटने की बात कही। उन्होंने नैटो के साथ बड़े समझौते की दिशा में प्रगति का भी संकेत दिया। इससे अमेरिका और यूरोप के बीच ट्रेड वॉर की आशंका कम हुई और वैश्विक बाजारों में राहत का माहौल बना।

आगे क्या: उतार-चढ़ाव बने रहने के संकेत

निफ्टी 25,435 के ऊंचे स्तर से फिसलकर 25,168 तक गिरा। फिर भी इंडेक्स लगातार दूसरे दिन 200-दिवसीय औसत से ऊपर बंद हुआ। इंडिया विक्स 13.35 पर रहा। उतार-चढ़ाव रह सकता है। **- रुपक डे,** *टेक्निकल एनालिस्ट, एलकेपी सिक्योरिटीज*

ट्रम्प राज • औसत अमेरिकी से करीब 16,000 गुना हो गई एसेट

ट्रम्प ग्रोथ: 1 साल में 13 हजार करोड़ बढ़ी संपत्ति, पुणे वर्ल्ड सेंटर से आय, क्रिप्टो का बड़ा योगदान

© The New York Times
दैनिक भास्कर से विशेष अनुबंध के तहत

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की व्यक्तिगत संपत्ति में कई गुना वृद्धि हुई है। जनवरी 2025 में सत्ता में लौटने के बाद से साल भर में ही ट्रम्प की कुल संपत्ति करीब 13 हजार करोड़ रुपए बढ़ी है। एक औसत अमेरिकी परिवार की तुलना में ट्रम्प की संपत्ति 16,000 गुना ज्यादा है। हालांकि ये अनुमान भी ट्रम्प की कुल आय को पूरी तरह नहीं दर्शाता है क्योंकि आय के कई स्रोत स्पष्ट नहीं हैं।

विदेश नीतियों से खुद के बिजनेस को फायदा: वियतनाम पर पहले 46% टैरिफ लगाया। हनोई के पास ट्रम्प ऑर्गनाइजेशन की 14 हजार करोड़ की गोल्फ परियोजना को मंजूरी मिलने के तुरंत बाद टैरिफ घटाकर 20% कर दिया। ट्रम्प से जुड़ी वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल और मीम कॉइन वेंचर ने बीते साल कम से कम 80 हजार करोड़ कमाए। अबू धाबी को सेमीकंडक्टर चिप्स की बिक्री को मंजूरी देने से ठीक पहले, यूएई स्थित एक फर्म ने कथित तौर पर ट्रम्प से जुड़ी एक कंपनी में करीब 18 हजार करोड़ रुपए का निवेश किया।

भारत को बताया डेड इकोनॉमी, यहां से अरबों की कमाई

ट्रम्प ने सऊदी, ओमान और भारत में फैले प्रोजेक्ट की लाइसेंसिंग डील से करीब 210 करोड़ रुपए कमाए। इनमें पुणे स्थित ट्रम्प वर्ल्ड सेंटर भी है। लॉन्ग टर्म में 2600 करोड़ रुपए से ज्यादा की आय होने की उम्मीद है। अपने पहले टर्म में, ट्रम्प ने आतंकवाद विरोधी सहयोग के नाम पर पाक पर धोखा देने का आरोप लगाया। लेकिन आज, करीब 17,000 करोड़ रुपए के क्रिप्टो-संबंधित सौदे की खबरों के बाद पाकिस्तान को फिर से ट्रम्प का समर्थन मिल गया है।

रणनीति • विज्ञापन से इतर आय पर फोकस

यूट्यूब: शॉर्ट्स में प्रोडक्ट लिंक करेगा, ब्रांड साझेदारी भी बढ़ाएगा

भास्कर न्यूज़ | मुंबई

यूट्यूब अब विज्ञापन से इतर कमाई बढ़ाने पर फोकस करेगी। सीईओ नील मोहन ने गुरुवार को कहा कि इसके लिए शॉपिंग और सीधी आय के साधन मजबूत किए जा रहे हैं। शॉर्ट्स में प्रोडक्ट लिंक करना और ब्रांड के साथ साझेदारी बढ़ाना इनमें शामिल है। नए फीचर्स से क्रिएटर्स वीडियो में स्पॉन्सर क्रिएटिव्स को जरूरत के हिसाब से स्वैप कर सकेंगे।

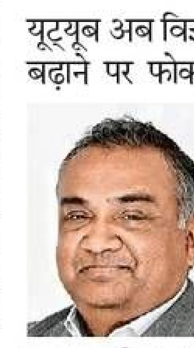

शॉर्ट्स से अब रोजाना 200 अरब व्यूज जनरेट हो रहे

दिसंबर में 'आस्क' बटन से 2 करोड़ व्यूअर्स ने क्रिएटर्स से सवाल किए। ऑटो-डबिंग टूल से 60 लाख व्यूअर्स ने 10 मिनट से ज्यादा कंटेंट देखा। शॉर्ट्स से रोज 200 अरब व्यूज जनरेट होते हैं।

फोनपे आईपीओ • पूरी तरह ऑफर फॉर सेल

वॉलमार्ट-टाइगर ग्लोबल फोनपे में 10,000 करोड़ रु. के शेयर बेचेंगे

बिजनेस संवाददाता | मुंबई

फोनपे के शेयरधारक वालमार्ट, टाइगर ग्लोबल, और माइक्रोसॉफ्ट ग्लोबल फाइनेंस, कंपनी के आगामी आईपीओ के जरिये अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे। फिनटेक फर्म के अपडेटेड ड्राफ्ट पेपर्स के अनुसार ये हिस्सेदारी करीब 10,115 करोड़ रुपए मूल्य की है। इस आईपीओ में प्रमोटर डब्ल्यूएम डिजिटल कॉमर्स होल्डिंग्स सहित मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 5.06 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव (ओएफएस)शामिल है।

पहली छमाही में फोनपे का घाटा 20% बढ़ा

चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में फोन पे का शुद्ध घाटा 1,444 करोड़ रुपए हो गया। ये बीते वित्त वर्ष की समान अवधि के 1,203 करोड़ के घाटे से 20% ज्यादा है।

गिफ्ट सिटी में 2030 तक 1 लाख नौकरियां

बिजनेस संवाददाता | नई दिल्ली

गुजरात में गांधीनगर के पास स्थापित गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्टी सिटी) ने अपने संचालन के मात्र चार वर्षों में ही विश्व के शीर्ष वित्तीय केंद्रों में 43वां स्थान हासिल कर लिया है। गिफ्ट सिटी के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) 2026 में वैश्विक उद्योग जगत के लीडर्स मुलाकात करके उन्हें निवेश के लिए आमंत्रित किया। गिफ्टी सिटी ग्रुप सीईओ संजय कौल के मुताबिक गिफ्ट सिटी वर्तमान में 10 लाख करोड़ रुपए की बैंकिंग संपत्ति का प्रबंधन करता है। उन्होंने कहा कि गिफ्ट सिटी का लक्ष्य 2030 तक हब के कर्मचारियों की संख्या को वर्तमान 27,000 से बढ़ाकर 100,000 करने का है।

जीईआई • रिफाइनरी, कपड़ा उद्योग शामिल

केंद्र ने तय किए 208 उद्योगों के लिए उत्सर्जन संबंधी लक्ष्य

बिजनेस संवाददाता | नई दिल्ली

देश में कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग तंत्र के जरिये ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में सरकार ने पेट्रोलियम रिफाइनरियों और टेक्सटाइल सहित 208 उद्योगों के लिए ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन तीव्रता (जीईआई) के लक्ष्य तय कर दिए हैं। इससे भारतीय कार्बन बाजार का विस्तार 490 बाध्य संस्थाओं तक हो गया है। सरकार ने अक्टूबर 2025 में एल्युमीनियम, सीमेंट और पल्प एंड पेपर जैसे 282 क्षेत्रों के लिए जीईआई लक्ष्य तय किए थे। अपने लक्ष्य से कम उत्सर्जन करने वाली कंपनियों को क्रेडिट मिलते हैं, जबकि लक्ष्य से अधिक उत्सर्जन करने वाली कंपनियों को अनुपालन के लिए क्रेडिट खरीदने पड़ते हैं।

सीसीटीएस देती है क्रेडिट

कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग स्कीम (सीसीटीएस) कार्बन क्रेडिट सर्टिफिकेट प्रदान करती है। इसे कार्बन पर मूल्य निर्धारित करके ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने और भारत को अपने नेट-जीरो लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है। ये उत्सर्जन तीव्रता (जीईआई) लक्ष्य तय करती है।

---

2 लाख करोड़ रु. की इंवेंट्री

दुनिया में तेजी से घट रही है शराब की मांग

एजेंसी | लंदन

ग्लोबल स्पिरिट्स इंडस्ट्री कोविड काल के 'बूम' के बाद भारी मंदी के दौर में है। डियाजियो और पेर्नोड रिकार्ड सहित दुनिया की पांच सबसे बड़ी लिस्टेड कंपनियों के पास वर्तमान में करीब 2 लाख करोड़ की शराब का स्टॉक जमा हो चुका है। एफटी की रिपोर्ट के मुताबिक, यह इन्वेंट्री पिछले 10 साल के सबसे ऊंचे स्तर पर है। दरअसल, साल 2021-22 में कंपनियों ने भविष्य की मांग का गलत अनुमान लगाकर रिकॉर्ड उत्पादन किया, लेकिन महंगाई ने उपभोक्ताओं की जेब ढीली कर दी। अब सरप्लस स्टॉक कंपनियों के लिए कर्ज का बोझ बढ़ा रहा है। हालात सुधारने के लिए कंपनियां 'प्राइस वॉर' पर उतर आई हैं और प्रीमियम ब्रांड्स की बोतलों की कीमतों में 22% तक कटौती करने को मजबूर हुई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सेहत के प्रति जागरूकता और वजन घटाने वाली दवाओं के बढ़ते इस्तेमाल ने लोगों की शराब पीने की इच्छा कम कर दी है।

नियम • बीईई मानकों में छूट हटाने की तैयारी

रियायत हटने से छोटी पेट्रोल कारों के दाम बढ़ सकते हैं

दीपक पटेल | नई दिल्ली

आगामी महीनों में छोटी-हल्की पेट्रोल कारों के दाम बढ़ सकते हैं। दरअसल, ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) कैफे-3 नियम बदलने की तैयारी कर रहा है। सितंबर 2025 के मसौदे में 909 किलो से कम वजन वाली पेट्रोल कारों को खास रियायत दी गई थी। लेकिन अब बीईई ये विशेष प्रावधान हटाकर मुख्य फॉर्मूले में बदलाव करने पर विचार कर रहा है।

छोटी और हल्की कारों के लिए कैफे-3 नियमों में छूट विवाद का विषय रहा है। कुछ कंपनियों का कहना है कि मौजूदा नियमों से सिर्फ एक कंपनी (मारुति सुजुकी इंडिया) को ज्यादा फायदा होता है। दूसरी तरफ मारुति सुजुकी का तर्क है कि अगर छूट खत्म हुई तो छोटी और सस्ती कारों का भविष्य खतरे में पड़ सकता है। नए नियम 2027-28 से लागू होंगे।

असर: छोटी कारों की उत्पादन लागत बढ़ेगी

इन छूट से प्रदूषण बढ़ता है। अगर छोटी पेट्रोल कारों से उत्सर्जन पर छूट हटती है, तो कंपनियों को ऐसे मॉडलों को ज्यादा सख्त मानकों के अनुसार ढालना होगा। उत्पादन लागत बढ़ेगी, जिसके चलते दाम बढ़ाने होंगे। कुछ मॉडल बंद हो सकते हैं।

मंथन: अब राहत के नए फॉर्मूले पर हो रहा विचार

- अभी हल्की कारों को प्रति किमी उत्सर्जन लक्ष्य में 3 ग्राम तक की राहत है। लागत कम बैठती है।
- बड़ी कारें, एसयूवी बनाने वाली कंपनियां छोटी कारों पर इस छूट का विरोध करती रही हैं।
- बीईई वजन आधारित फॉर्मूले पर विचार कर रहा। छोटी कारों को नए तरीके से राहत दी जा सकती है।

रणनीति • ₹1.91 लाख करोड़ सब्सिडी पर लगाम

डिजिटल किसान आईडी से घटेगा यूरिया सब्सिडी का बढ़ता बोझ

दीपक पटेल | नई दिल्ली

सरकार यूरिया सब्सिडी के बढ़ते बोझ को कम करने के लिए डिजिटल किसान आईडी का सहारा लेने की तैयारी में है। सरकार एग्री स्टैक प्लेटफॉर्म के जरिये यूरिया बिक्री को चरणबद्ध तरीके से जोड़ने पर विचार कर रही है। यह योजना अभी पायलट स्तर पर है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में उर्वरक सब्सिडी 1.91 लाख करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि बजट अनुमान 1.68 लाख करोड़ का था।

सात जिलों से शुरुआत

पहले चरण में उन सात जिलों को चुना गया है जहां किसान आईडी बड़ी संख्या में बन चुकी है। यहां केवल सत्यापित आईडी वाले किसान या भूमि मालिक ही यूरिया खरीद सकेंगे। बाद में जमीन और फसल के आधार पर कोटा बनेगा।

बिजनेस एंकर 16% का अच्छी सर्विस पर फोकस, 13% अपने प्रोडक्ट में स्मार्ट फीचर्स चाहते हैं

एसी, फ्रिज के 67% ग्राहकों की नजर डिस्काउंट पर

भास्कर न्यूज़ | मुंबई

देश के कंज्यूमर ड्यूरेबल्स बाजार में हर 10 में से 7 ग्राहकों की नजर कीमतों में छूट और ईएमआई जैसी सुविधाओं पर रहती है। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटी की रिपोर्ट के मुताबिक, बीते चार महीनों में पंखे, एसी, फ्रिज और वॉशिंग मशीन जैसे प्रोडक्ट्स की बिक्री बढ़ाने में सबसे ज्यादा 67% योगदान डिस्काउंट, प्रमोशन और ईएमआई का रहा। अच्छी सर्विस पर फोकस करने वाले ग्राहक 16% और स्मार्ट फीचर्स चाहने वाले ग्राहक 13% रहे। यह रिपोर्ट दिल्ली, मुंबई, पुणे, अहमदाबाद, हैदराबाद, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु जैसे शहरों के डीलरों के बीच कराए एक सर्वे पर आधारित है। सितंबर-दिसंबर 2025 में कंज्यूमर ड्यूरेबल्स की मांग में हल्का सुधार दिखा। लेकिन ऑनलाइन छूट, कीमतों में उतार-चढ़ाव और कुछ कच्चा माल महंगा होने से थोड़ी मुश्किलें भी आईं। नवंबर में पंखों की बिक्री 8.5% बढ़ी।

कंज्यूमर्स ड्यूरेबल्स: चार महीनों में दाम 15% घटे, पर कुछ उत्पादों में 6% तक बढ़े

मांग में सुधार: 45% डीलरों ने कंज्यूमर ड्यूरेबल्स की मौजूदा मांग को मध्यम और 41% ने ऊंची बताया। 3 माह (अक्टूबर-दिसंबर) में 59% डीलरों ने हल्की और 8% ने तेज वृद्धि देखी।

फ्रिज: कीमतों में -4% से +3% बदलाव। यानी कुछ मॉडलों की कीमत 4% तक घटी, जबकि कुछ की 3% तक बढ़ी। हायर के कुछ प्रोडक्ट्स के दाम में 2% बढ़ोतरी, पर सैमसंग में 1-2% कमी आई, एलजी के कुछ फ्रिज 3% महंगे हुए।

रूम एसी: -10% से -1% बदलाव। यानी इनकी कीमतों सिर्फ 10% तक की बड़ी गिरावट आई। हालांकि कुछ मॉडलों के दाम सिर्फ 1% घटे। इसकी मुख्य वजह जीएसटी रेट 28% से घटकर 18% रह जाना है।

वॉशिंग मशीन: -8% से +6% बदलाव। यानी दाम में न्यूनतम 8% कमी आई, लेकिन कुछ मॉडल के दाम 6% तक बढ़े भी। सेमी-ऑटोमैटिक मॉडल के दाम 10% तक बढ़े, टॉप-लोड में 4% बढ़े और फ्रंट-लोड में दाम 6% तक घटे।

पंखे: -15% से +14% बदलाव। यानी दाम में 15% तक कमी आई, लेकिन कुछ मॉडलों के दाम लगभग इतने ही बढ़े भी। उदाहरण के लिए नॉन-बीएलटडीसी में क्रॉम्पटन के दाम 5% तक घटे, हैवल्स के कुछ मॉडल 15% तक सस्ते हुए।

अहमदाबाद, हैदराबाद में सबसे ज्यादा बिक्री बढ़ी, पुणे में घटी

शहर	अहमदाबाद	हैदराबाद	चेन्नई	दिल्ली	मुंबई
बिक्री बढ़ी	17.4%	12.0%	7.5%	7.5%	6%

ग्रीन बिजनेस एक छत के नीचे

रिलायंस की 16 सहायक कंपनियों का हुआ विलय

बिजनेस संवाददाता | मुंबई

मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) ने अपने क्लीन एनर्जी पोर्टफोलियो को मजबूती देने के लिए एक बड़ा फैसला लिया है। कंपनी ने अपनी 16 सहायक कंपनियों का रिलायंस न्यू एनर्जी लिमिटेड (आरएनईएल) में विलय कर दिया है। यह एकीकरण 21 जनवरी 2026 से प्रभावी हो गया है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य हाइड्रोजन, एनर्जी स्टोरेज और पावर इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे उभरते व्यवसायों को एक ही मैनेजमेंट के तहत लाना है। कंपनी ने कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के क्षेत्रीय निदेशक से मंजूरी मिलने के बाद यह प्रक्रिया पूरी की है। रिलायंस को क्लीन एनर्जी प्रोजेक्ट्स के संचालन में आसानी होगी।

फैसला • 100 करोड़ जमा करने पर हटेगी पाबंदी

ट्रेडिंग गुरु अवधूत साठे को राहत; 546 करोड़ रु. की जब्ती पर रोक

बिजनेस संवाददाता | मुंबई

शेयर बाजार के चर्चित ट्रेडिंग गुरु अवधूत साठे और उनकी एकेडमी को सिक्युरिटीज अपीलेट ट्रिब्यूनल (सैट) से बड़ी राहत मिली है। ट्रिब्यूनल ने सेबी द्वारा साठे की 546 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त करने और बैंक खाते फ्रीज करने के पुराने आदेश में संशोधन किया है।

सैट ने निर्देश दिया कि साठे बैंक में 100 करोड़ रुपए की एफडी जमा कराएं, जिस पर सेबी का अधिकार रहेगा। इस शर्त को पूरा करने और अनुपालन हलफनामा देने पर उनके बैंक और डीमैट खातों से डेबिट रोक हटा ली जाएगी। इसके बाद वे बाजार में दोबारा ट्रेडिंग और म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकेंगे। यह फैसला सेबी के पिछले साल 4 दिसंबर के अंतरिम आदेश के खिलाफ दायर अपील पर आया है।

तर्क: 166 करोड़ की टैक्स देनदारी का हवाला

सैट ने आदेश में कहा कि साठे की अचल संपत्तियों का मूल्य करीब 100 करोड़ रुपए है। साथ ही 166 करोड़ रुपए की टैक्स देनदारी को देखते हुए 100 करोड़ रुपए नकद जमा कराना न्यायसंगत है। ट्रिब्यूनल ने फिलहाल संपत्तियों की बिक्री पर भी रोक बरकरार रखी है।